3 राजधानी
दिल्ली में निकाली श्री राम मंदिर उत्सव यात्रा

6 अभिमत
तीसरी पारी की तैयारी में भाजपा

11 विदेश
राम मंदिर को लेकर दावोस में भी हलचल

12 स्पोर्ट्स
विश्व चैंपियन लीरेन को प्रज्ञाननंदा ने हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 73
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

हिंसा ने कभी मानवता को जन्म नहीं दिया

राष्ट्रीय-10

मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए खोले केरल के पोर्ट

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोच्चि और त्रिशूर का दो दिवसीय तूफानी दौरा बुधवार दोपहर को केरल को 1799 करोड़ रुपये की देश की सबसे बड़ी ड्राई डॉक सुविधा, एक जहाज मरम्मत और ओवरहालिंग इकाई (970 करोड़ रुपये के निवेश पर) तथा 1,236 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तरल पेट्रोलियम गैस के लिए एक आयात केंद्र मिलने के साथ समाप्त हुआ। इन तीन सुविधाओं को राष्ट्र को समर्पित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने खुलासा किया कि ये तीन परियोजनाएं 4,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और लगभग दोगुनी संख्या में अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेंगी। उन्होंने कहा, 'हम सर्वोच्च वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वाले देश के रूप में अपनी स्थिति पुन: प्राप्त करने की राह पर हैं। भारत जल्द ही वैश्विक व्यापार का केंद्र बनकर उभरेगा। मोदी ने कहा, 'राष्ट्र को समर्पित परियोजनाओं के साथ-साथ सागर माला योजनाओं के तहत तेजी से हो रहे कार्यों की बदौलत हमें वैश्विक समुद्री शक्ति का दर्जा दिया जाएगा।'

केरल में बृहस्पतिवार को त्रिशूल जिले में स्थित गुरुवयूर मंदिर में प्रार्थना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (देश में मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत और जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने की एक योजना) के बारे में विस्तार से बताते हुए, मोदी ने कहा कि इस परियोजना ने तटीय अर्थव्यवस्था में क्रांति ला दी है। मोदी ने कहा, 'इससे न केवल छोटे मछुआरों को बल्कि गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरों को भी मदद मिली है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण और मरम्मत सुविधाओं और नई ड्राई डॉक सुविधा ने समृद्ध लाभांश देना शुरू कर दिया है, यहां तक ??कि विदेशी जहाज भी हमारी दक्षता, कौशल और गुणवत्ता वाले काम के कारण कोच्चि जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जहाज निर्माण और मरम्मत के लिए दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम हो रही है। मोदी ने आगे खुलासा किया कि भाजपा शासन के पिछले नौ वर्षों के दौरान 25 करोड़ लोगों को गरीबी की जंजीरों से मुक्त कराया गया है।

मछुआरा समुदाय ऋण प्राप्त करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान मछली उत्पादन और समुद्री भोजन के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत राष्ट्रीय मछली आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ टी टी अजित कुमार ने पायनियर को बताया कि पिछले छह वर्षों में पीएम एमएसवाई की बदौलत मछुआरा समुदाय की आजीविका में जबरदस्त बदलाव आया है। डॉ अजित ने कहा, 'मछुआरों के साथ-साथ अधिकारियों द्वारा दिखाए गए उत्साह के कारण योजना ने उम्मीद से कहीं पहले परिणाम देना शुरू कर दिया है। यह एक सराहनीय उपलब्धि है।' इससे पहले दिन में प्रधान मंत्री ने गुरुवयूर में भगवान कृष्ण मंदिर और त्रिप्पयार में भगवान राम मंदिर में पूजा की। वह अभिनेता सुरेश गोपी की बेटी भाग्य और चार अन्य जोड़ों की शादी में शामिल हुए और उन्हें आशीर्वाद दिया। (शेष पेज 9)

रामभक्तों के लिए चुनौती बना खराब मौसम

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रतिकूल मौसम ने पूरे उत्तर भारत में आवागमन को कठिन बना दिया है, जिसके कारण हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर अराजकता फैल गई है। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण बुधवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर लगभग 120 उड़ानें (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों) आगमन और प्रस्थान में देरी हुई। दिक्कत बढ़ती जा रही है। भारतीय रेलवे ने रास्ते में विकास कार्यों का हवाला देते हुए 22 जनवरी तक रामनगरी अयोध्या जाने वाली सेमी हाई स्पीड वंदे भारत सहित सभी ट्रेनों को रद्द करने, शॉर्ट टर्मिनेट करने का फैसला किया है। भारतीय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 20 ट्रेनें पांच घंटे तक की देरी से पहुंचीं। इन दिनों कोहरे के बीच सड़कों से अयोध्या आना-जाना भी सुरक्षित नहीं है।

कई यात्री जिन्होंने अपनी फ्लाइट और ट्रेन टिकट पहले से बुक करा ली है, वे इस बात को लेकर काफी चिंतित हैं कि क्या वे उस दिन अयोध्या पहुंच पाएंगे या नहीं। ट्रैवल पोर्टल्स ने कहा कि रेलवे टिकट बुकिंग में 80 फीसदी की वृद्धि हुई है और इंटरसिटी कैब ऑपरेटरों को बुकिंग में 60 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है। वहीं दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत के शहरों में नियमित आवागमन प्रभावित हो रहा है। यहां तक कि राष्ट्रीय हवाई और रेल ट्रांसपोर्टरों ने यात्रियों की सुविधा के लिए वॉर रूम स्थापित करने का दावा किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि 17 से 22 जनवरी (शेष पेज 9)

डीजीसीए ने एअर इंडिया, स्पाइसजेट पर 30-30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली(भाषा)। उड्डयन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कम दृश्यता की स्थिति में उड़ानों के संचालन के लिए पायलट के ड्यूटी चार्ट में खामियों को लेकर एअर इंडिया और स्पाइसजेट पर 30-30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। एक अधिकारी ने बताया कि दिसंबर 2023 के लिए निर्धारित उड़ानों के संबंध में एयरलाइन द्वारा प्रस्तुत उड़ानों में विलंब, रद्द करने, मार्ग परिवर्तन से संबंधित डेटा का विश्लेषण करने के बाद, डीजीसीए ने पाया कि एअर इंडिया और स्पाइसजेट ने कुछ उड़ानों के लिए कैट दो या तीन और एलवीटीओ योग्य पायलटों को सूची में शामिल नहीं किया।

क्विक न्यूज

ठाकरे गुट की याचिका पर 22 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को असली राजनीतिक दल घोषित करने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के आदेश के खिलाफ शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुनवाई बुधवार को 22 जनवरी तक के लिए टाल दी। जून 2022 में पार्टी दो गुटों में विभाजित हो गई थी। ठाकरे गुट की ओर से सोमवार को दायर की गई याचिका शीर्ष अदालत रजिस्ट्री द्वारा प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष 19 जनवरी के लिए सूचीबद्ध की गई थी। ठाकरे समूह की ओर अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि सुनवाई अगले सप्ताह सोमवार को की जाए।

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च का एफसीआरए पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। सरकार ने नियमों के कथित उल्लंघन के लिए प्रमुख थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा यह कदम एफसीआरए के तहत गैर-लाभकारी संस्था (एनजीओ) के पंजीकरण को निलंबित करने के लगभग एक साल बाद उठाया गया है। आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद से थिंक-टैंक जांच के दायरे में है। गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान कानून के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के लिए एनजीओ का एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया है।

पाकिस्तान ने हमलों पर ईरान को चेताया, राजदूत को वापस बुलाया

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत में एक सुन्नी आतंकी संगठन से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जाने पर ईरान को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के इन हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। ईरानी मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को मंगलवार को मिसाइलों से निशाना बनाया। यह कार्रवाई रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा इराक और सीरिया में किए गए हमलों के एक दिन बाद की गई। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की कड़ी निंदा करते हुए ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया तथा सभी आगामी उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्राएं निलंबित कर दीं।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने बयान जारी कर कहा कि ईरान का यह कृत्य उसके हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन है। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा, पाकिस्तान में जैश-अल-धुल्म (जैश-अल-अदल) आतंकवादी समूह के दो प्रमुख ठिकानों को विशेष रूप से लक्षित किया गया और सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया गया। ईरान ने बार-बार चेतावनी दी है कि जैश-अल-अदल आतंकवादी समूह उसके सुरक्षाबलों पर हमले करने के लिए पाकिस्तान की भूमि का इस्तेमाल कर रहा है और बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर पंजगुर में इसके ठिकाने हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस घटना को अपने हवाई क्षेत्र का उल्लंघनै करार देते हुए कहा कि इस हमले में दो बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

दलाल स्ट्रीट में कोहराम, सेंसेक्स ने लगाया 1,628 अंक का गोता

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में हालिया तेजी के बाद बुधवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,628 अंक का गोता लगा गया। पिछले डेढ़ साल से अधिक समय में यह सेंसेक्स में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बैंक, धातु और पेट्रोलियम शेयरों में जोरदार बिकवाली से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 1,628.01 अंक यानी 2.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,500.76 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,699.47 अंक तक लुढ़क गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 नुकसान में रहे।

पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 460.35 अंक यानी 2.09 प्रतिशत लुढ़क कर 21,571.95 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई है। प्रमुख सूचकांक...सेंसेक्स और निफ्टी... में यह प्रतिशत के संदर्भ में 13 जून, 2022 के बाद एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। हाल में शेयर बाजार में तेजी के बाद यह भारी गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को अबतक के उच्चतम स्तर 73,427.59 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी भी 22,124.15 अंक तक चला गया था।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक आठ प्रतिशत से अधिक नीचे आ गया। तिमाही परिणाम बाजार की उम्मीद के अनुरूप न रहने के बाद कंपनी का शेयर नीचे आया है। साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ से अधिक नीचे आ गया। एचडीएफसी बैंक ने वित्तीय परिणाम जारी किया। इसके अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 2.65 प्रतिशत बढ़कर 17,258 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछली सितंबर तिमाही में उसे 16,811 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। इसके अलावा, बैंकों में कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई और इंडसइंड बैंक नुकसान में रहे। अन्य शेयर जो प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र के लिए आम जनता से सुझाव मांगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने बुधवार को इस साल के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र तैयार करने के लिए नागरिकों को शामिल करने और उनके सुझावों को शामिल करने की घोषणा की। इस संबंध में सबसे पुरानी पार्टी ने लोगों का घोषणापत्र तैयार करने के लिए एक वेबसाइट और एक ईमेल आईडी लॉन्च की। कांग्रेस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जो कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के प्रमुख पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम, ने कहा कि पार्टी परामर्श कर रही है और घोषणापत्र के लिए जनता से सुझाव मांग रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का घोषणापत्र 'जनता का घोषणापत्र' होगा। चिदंबरम ने कहा, 'मौजूदा प्रक्रिया जनता के सदस्यों से सुझाव प्राप्त करना है। यह लोगों का घोषणापत्र होगा। इसलिए हमारे पास उपलब्ध कुछ हफ्तों में जितना संभव हो उतने सुझाव इकट्ठा करना महत्वपूर्ण है।'

उन्होंने कहा, यह कवायद लोगों से सुझाव प्राप्त करनेके लिए है। यह जन घोषणापत्र होगा। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हैकि हमारे पास अभी जो कुछ हफ्ते बचे हैं, उनमें यथासंभव सुझाव लिए जाएं। चिदंबरम ने कहा, हम घोषणापत्र बनाने में लोगों को शामिल करना चाहते हैं। हमें आशा है कि सभी तबकों के लोग अपनी राय देंगे। हम आपसे अपील करते हैं और आपको निमंत्रण देते हैं कि आप जो सुझाव इस घोषणापत्र में शामिल कराना चाहते हैं, वे दें, ताकि यह जन घोषणापत्र बने। पूर्व केंद्रीय

मंत्री चिदंबरम ने कहा कि हर राज्य में कमसे कम एक संवाद कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा, विचार यह है कि हर राज्य में कम से कम एक संवाद कार्यक्रम हो। कुछ राज्यों में एक से अधिक जन संवाद हो सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी इंडिया गठबंधन के सहयोगियोंसे भी संपर्क किया जाएगा, कांग्रेस नेता ने कहा कि जो भी संवाद से जुडना चाहता है उसका स्वागत है लेकिन सहयोगियोंके साथ घोषणापत्र पर चर्चा करने का निर्णय पार्टी प्रमुख द्वारा लिया जाएगा।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सुझाव वेबसाइट आवाजभारतकी डॉट इन पर या ईमेल आईडी आवाजभारतकी एट द रेटऑफ आईएनसी डॉट इन पर दिए जा सकते हैं। पार्टी की घोषणापत्र समिति के संयोजक टी एस सिंहदेवने कहा कि यह कवायद यह सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है कि लोगों की आवाज इस दस्तावेज में प्रतिध्वनित हो। इस सवाल पर कि क्या सरकार द्वारा हाल ही में पारित तीन आपराधिक कानूनों को निरस्त करना घोषणापत्र का हिस्सा होगा, चिदंबरम ने कहा, इन कानूनों के खिलाफ उनके पार्टी नेताओं दिग्विजय सिंह और अधीर रंजन चौधरी के कुछ असहमति नोट पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में थे। घोषणापत्र को अंतिम रूप दिए जाने की संभावित तारीख के बारे में कांग्रेस ने कहा कि उसे कांग्रेस कार्य समिति की मंजूरी के लिए 15 फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद है, क्योंकि घोषणापत्र को सीडब्ल्यूसी द्वारा अनुमोदित किया जाना है।

आर्यावर्त राज से होगा भगवान राम के आगमन का अनूठा स्वागत

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली/अयोध्या

आर्यावर्त (भारत का पूर्व नाम) की राग परंपरा को बनाए रखने के लिए देश के कोने-कोने से स्वदेशी तारों और टैपिंग (ताल) की एक शृंखला सोमवार दोपहर को प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले राम लला के नए परिसर को गूंजाएगी। संपूर्ण संगीतमय साज़-सज्जा को 'मंगल ध्वनि' के रूप में गढ़ा गया है। देशी अवध या उत्तर प्रदेश के पखावज, बांसुरी और ढोलक से लेकर कर्नाटक की कर्नाटक वीणा, दिल्ली की शहनाई, गुजरात के संतूर और अन्य मधुर वाद्ययंत्रों से मंदिर परिसर सुबह 10 बजे से दोपहर तक गूंजता रहेगा क्योंकि अंतिम पूजा समारोह 22 जनवरी को दोपहर 12.20 बजे होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई भक्त, गणमान्य व्यक्ति इस मौक पर उपस्थित रहेंगे।

पूरे संगीत समारोह का आयोजन प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी द्वारा किया गया है जो केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आता है। कार्यक्रम का संचालन अयोध्या संस्कृति के प्रसिद्ध साहित्यकार यतीन्द्र मिश्र कर रहे हैं। श्री राम जन्मभूमि प्राण-प्रतिष्ठा संवाद केंद्र के सूत्रों ने कहा कि इस संगीतमय अवसर का निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि सनातन धर्म की परंपरा रही है कि भगवान का आह्वान पूर्ण आनंद और सद्भाव के साथ होना चाहिए और भारत संगीत के मामले में सांस्कृतिक रूप से समृद्ध रहा है। और प्राचीन काल से ही संगीत वाद्ययंत्र। महाराष्ट्र की सुंदरी, पंजाब की अलगोजा, ओडिशा की मृदाल, मध्य प्रदेश की संतूर, मणिपुर की पुंग, असम की नागरा और काली, जबकि छत्तीसगढ़ की तंबूरा भी अपने क्षेत्र के प्रमुख उस्तादों द्वारा दो घंटे तक बजाया जाएगा। आयोजकों द्वारा

प्रसारित नोट के अनुसार, बिहार का पखावज, राजस्थान का रावणहत्था, पश्चिम बंगाल का श्रीखोल और सरोद, आंध्र प्रदेश का घट्टम, झारखंड का सितार, उत्तराखंड का हुड़का और संगीत की दृष्टि से समृद्ध तमिलनाडु के नागस्वरम, ताविल और मृदंगम भी इसमें शामिल होंगे और इस दिन दिव्य वातावरण बनाएंगे। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि प्रतिष्ठा समारोह के सुचारू और सफल संचालन के लिए व्यवस्था की जा रही है क्योंकि इस दिन देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री करेंगे और 8,000 से अधिक अतिथि मंदिर में आएंगे, जिसके बाद 23 जनवरी से लाखों भक्त आएंगे। दूरदर्शन द्वारा लाइव प्रसारण के अलावा राम की पैड़ी, श्री राम अयोध्या आए हैं नामक एक विशेष समाचार बुलेटिन, दैनिक अयोध्या राउंड-अप, अतिथि चर्चा, विशेष कहानियां और वोक्स-पॉप की व्यवस्था की गई है। अनूप जलोटा, गायक शान और कई अन्य जैसे प्रसिद्ध भजन कलाकार अयोध्या में सप्ताह भर चलने वाले अभिषेक समारोह के कई चरणों में अपनी आवाज देने के लिए कतार में हैं। इसके अलावा राम की पैड़ी, धर्मपथ, तुलसी उद्यान, (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी, 2024

भगवान श्रीराम के रंग में रंगने लगा गाजियाबाद

बाजारों से लेकर मिठाई की दुकानों पर विशेष इंतजाम, शहर के मंदिरों में हो रही भव्य सजावट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा का समय जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है वैसे ही शहर श्रीराम के रंग में रंगने लगा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जहां मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाएंगे वहीं रामभक्त घरों में भी सजावट से लेकर दीये जलाएंगे।

इस समारोह को भव्य बनाने के लिए शहर के बाजार भी पीछे नहीं हैं। समारोह से सम्बंधित सामग्री बाजारों में बिकने लगी है। तो वहीं मिठाई की दुकानों पर श्रीराम भोग उपलब्ध कराए जा रहा है। हालांकि रामभक्ति से इतर साइबर फ्राड भी सक्रिय हो गए हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन घरों में भी दिवाली मनाने की बात कही जा रही है। इसके चलते रामभक्तों ने घरों में सजावट को लेकर तैयारी शुरू कर दी हैं। वहीं बाजार भी इसके लिए पूरी तरह से तैयार हो गए हैं। बाजार श्रीराम के नाम और प्रतीक चिन्हों से युक्त झंडों व पातकाओं से अटे हुए हैं। शहर में बडे पैमाने पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन शोभायात्राएं निकलने की सम्भावना हैं। छोटे से लेकर बडे साइज की पताकाएं रखी गई हैं जिन्हें खरीदने वालों की भी कमी नहीं है।

इसके अलावा पूजन सामग्री, श्रीराम दरबार की प्रतिमाएं, पोस्टर आदि भी खूब डिमांड में हैं। इतना ही नहीं रामचरित मानस, सुंदरकांड पाठ पुस्तिका, हनुमान चालीसा, राम आरती की पुस्तकें भी खूब डिमांड में चल रही हैं। ऐसे में समारोह के दिन कोई कमी न हो, दुकानदारों ने इसके लिए विशेष इंतजाम किए हैं। दुकानदारों की मानें बाजारों में इस समय श्रीराम पताका और राम दरबार की प्रतिमा की डिमांड है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन दीवाली मनाए जाने की तैयारियां जोरो पर हैं।

लेकिन सर्दी का सितम दीये बनाने वाले कारीगरों पर पड रहा है। दीये बनाने के लिए ऑर्डर बडी संख्या में आ रहे हैं लेकिन मौसम ठंडा होने के कारण कच्चे दीये आसानी से नहीं सूख पा रहे हैं जिससे उनके बनने में दिक्कतें आ रही हैं। जटवाडा में दीये बनाने कारीगर श्रीचंद प्रजापति ने बताया कि पिछले 24 घंटे में ही 50 हजार दीये बनाने का ऑर्डर कैंसल कर चुके हैं, ऐसे में बाहर से रेडीमेड दीए मंगवाएं जा रहे हैं ताकि किसी तरह ऑर्डर को पूरा किया जा सके। श्रीचंद प्रजापति ने बताया कि इतना ऑर्डर कभी दीवाली में नहीं मिला।

अधिकतर कारीगरों का यही हाल है। ऐसे में यही उम्मीद है कि कुछ दिन मौसम ठीक हो जाए तो ऑर्डर पूरे कर सकें। 22 जनवरी के विशेष आयोजन को लेकर शहर के मंदिरों में भी सजावट का काम शुरू हो गया है। मंदिरों को श्रीराम मंदिर की तर्ज पर सजाया जा रहा है।

नवयुग मार्किट स्थित मां भगवती मंदिर में भी ऐसी सजावट की गई है। भगवा रंग के टैंट से जहां बाहरी परिसर को सजाया जा रहा है तो वहीं मंदिर के मुख्य गेट को श्रीराम मंदिर की भव्य तस्वीर के कटआउट से सजाया गया है। जिससे यह मंदिर भी श्रीराम मंदिर जैसे ही प्रतीत होता दिखाई दे रहा है। मंदिर के पुजारी ओपी चंद भारद्वाज ने बताया कि जब श्रीराम अपने स्थान पर विराजेंगे, यह सभी के लिए हर्ष का विषय होगा। इसके लिए मंदिर में विशेष आयोजन 22 जनवरी तक किए जा रहे हैं। जिसमें प्रतिदिन दोपहर ढाई से पांच बजे तक सुंदर कांड, सात से आठ बजे तक भजन कीर्तन, 20 जनवरी को शोभा यात्रा शहर भ्रमण, 21 जनवरी को भजन कीर्तन और 22 जनवरी को 11 कुणीय हवन, राम भजन श्रंखला, म्रगशिरा नक्षत्र में राम लाल विग्रह को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण किया जाएगा। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपरांत भोग प्रसाद वितरण का आयोजन भी होगा।

इसके लिए मिठाई की दुकानों पर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। यहां तक की शहर की बडी दुकानों ने बाकायदा इस सम्बंध में बैनर लगवाकर कम दामों में श्रीराम भोग प्रसाद, छप्पन भोग प्रसाद का प्रचार किया जा रहा है। मिठाई की दुकानों पर बडे पैमाने पर मोतीचूर के लड्डू, छप्पन भोग प्रसाद तैयार किया जा रहा है। दुकानदारों की मानें तो इसके लिए बडे ऑर्डर भी मिल रहे हैं। सबसे अधिक डिमांड मोतीचूर के लड्डू की है। इतना ही नहीं दुकानों पर अयोध्या की तर्ज पर प्रसाद के डिब्बे भी बनाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेक्टर-4 मेंसड़कों के किनारे कर्ब-स्टोन व डिवाइडर की मरम्मत तथा पेंटिंग का कार्य प्रगति पर है।

गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व का आयोजन

गाजियाबाद। बजरिया रेलवे रोड स्थित गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, गुरुद्वारा सी ब्लाक कविनगर एवं शहर के सभी गुरुद्वारों में दशमेश पिता महराज गुरु गोविंद सिंह के गुरु पर्व के अवसर पर चल रहे अखंड पाठ का समापन हुआ। उसके उपरांत कड़ा प्रसाद वितरित किया गया। बीवी चरणजीत कौर खालसा आस्ट्रेलिया वाली ने गुरु का जस गायन किया। रागी सिंह चरणजीत सिंह खालसा दिल्ली वालों ने कीर्तन गायन किया। इस अवसर पर सीएमओ के सहयोग से फ्री कैंप का आयोजन भी किया गया। इसमें अंबिका, रोही नाज, सागर अत्रि, अरविंद शर्मा, कुलदीप भाटी के सौजन्य से हड्डियों में कैल्शियम की एवं मधुमेह एवं रक्तचाप की जांच की गई। इस दौरान गुरुद्वारे के प्रधान सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू, महामंत्री सरदार एसपी सिंह ओबरॉय, अर्जुन नगर गुरुद्वारे के प्रधान हरविंदर सिंह, प्रितपाल सिंह, अवतार सिंह, गुरजीत सिंह, रितेश कसाना, शेरा भाई, आरपी सिंह आदि मौजूद रहे।

कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र में हुई एक अपराधिक घटना के दौरान मिसलगढ़ी गांव में ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स की दुकान करने वाले 28 वर्षीय अंकुर पुत्र बाबूराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक अंकुर का शव सिकरौड़ा गांव के पास पड़ा मिला। जहां उसका शव पड़ा था वहीं पर उसकी बाइक भी खड़ी हुई थी। उक्त वारदात की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची एसएचओ मसूरी नरेश कुमार शर्मा की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर उसकी मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिये। एसीपी मसूरी नरेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक का शव सिकरौड़ा गांव के पास पड़ा हुआ है। उक्त घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि युवक का नाम अंकुर है और उसकी मौत सल्फास की गोली खाने से हुई होगी। एसीपी मसूरी से जब यह पूछा गया कि क्या अंकुर ने आत्महत्या की अथवा उसकी हत्या हुई या फिर उसकी मौत के पीछे की वजह कुछ और है। तो उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आने और जांच पूरी होने पर ही मिल पाएगा।

श्याम चरण मिश्रा गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन का फर्जी बैनामा कर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले माफिया श्याम चरण मिश्रा गैंग के एक सदस्य को ग्रेटर नोएडा के थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में रिटायर्ड मेजर सहित 17 लोगों ने ग्रेटर नोएडा की दादरी तहसील के तार तत्कालीन उप निबंधक, अधिवक्ता सहित 19 लोगों के खिलाफनामजद मुकदमा दर्ज कराया था। एडीसीपी सेंट्रल हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाने, फर्जी बैनामा करने तथा षड्यंत्र रचने के आरोप में वांछित चल रहे श्याम चरण मिश्रा गिरोह के सदस्य दलवीर को नोएडा के सेक्टर 63 वेव सिटी मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ने ठगबाज गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर प्लॉटों के फर्जी बैनामे कर ठगी की सैकड़ों घटनाओं को अंजाम दिया था। इस संबंध में रिटायर सूबेदार मेजर सहित 17 लोगों ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस से शिकायत दर्ज कराई की थी। ठगी का शिकार बने रिटायर्ड सूबेदार मेजर फूल सिंह, अमरावती, भगवान देवी, बदरूनिशा, शबनम, मीनू देवी, नीतू देवी, विपिन बिहारी, सुनीता देवी, रीना राय, गीता देवी, खुशबू, सुलोचना देवी सहित 17 लोगों ने काफी समय पहले नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को शिकायती पत्र दिया था।

रवि काना के कई ठिकानों के बारे में पुलिस को मिली अहम जानकारी

● स्क्रैप माफिया काना के दो रिश्तेदार पुलिस हिरासत में

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सामूहिक बलात्कार के वांछित कुख्यात स्क्रैप माफिया रवि काना के दो चचेरे भाइयों को थाना बीटा. दो पुलिस ने आज पुलिस कस्टडी रिमांड में लेकर उनसे गहनता से पूछताछ शुरू कर दी है। उनसे पूछताछ के लिए पुलिस आयुक्त ने एक विशेष टीम बनाई है।

विशेष टीम के लोग गुप्त स्थान पर आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ने सवालों के एक लंबी लिस्ट बना रखी है। पुलिस उन्हें उन ठिकानों पर भी लेकर जाएगी जहां पर रवि काना की होने की संभावना होगी। या उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत मिलेगा। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सामूहिक बलात्कार और गैंगस्टर एक्ट के मामले में गिरफ्तार किए गए कुख्यात स्क्रैप माफि या रवि काना के चचेरे भाई राजकुमार नागर और आजाद को पुलिस ने आज 7 घंटे की पुलिस कस्टडी डिमांड पर लिया है। पुलिस ने न्यायालय से उनकी 14 दिन की कस्टडी रिमांड मांगी थी, लेकिन न्यायालय ने 7 घंटे की रिमांड दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस इनसे यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रवि कहां पर छुपा हो सकता है। रवि काना स्क्रैप के पूरे व्यापार को कैसे करता था। इसे कौन-कौन लोग शरण देते थे। पुलिस, मीडिया, राजनीति से जुड़े कितने लोग इसके गैंग को सहयोग करते थे।

पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रवि काना ने अब तक काले कारोबार से कितने की अकूत संपत्ति अर्जित की है। इसकी कहां.कहां पर संपत्ति है। पुलिस की अलग.अलग टीमें दोनों आरोपियों को अलग-अलग कमरे में बैठकर उनसे पूछताछ कर रही है। दोनों के बयानो को वेरीफ ाई भी किया जा रहा है। इनसे मिल रही जानकारी के आधार पर पुलिस की अन्य टीमें उन जगहों पर सर्च भी कर रही है जहां पर कुछ सो ठोस साक्ष्य या आरोपियों के मिलने की संभावना है।

सूत्र बताते हैं कि पुलिस कस्टडी रिमांड में लिए गए आरोपी पुलिस को कुछ ठोस जानकारी नहीं दे रहे हैं। ज्यादातर समय वे सवालों को टालने में व्यतीत कर रहे हैं। वहीं पुलिस के अनुभव अधिकारी इनसे रवि काना और उनके गैंग के पूरे राज को उगलवाने में जुटे हुए हैं।

बताया जाता है कि शाम 5 बजे के करीब दोनों को जेल में वापस भेज दिया जाएगा। आज सुबह ही पुलिस ने राजकुमार और आजाद को लुक्सर जेल से अपनी हिरासत में लिया तथा उनसे गुप्त स्थान पर पूछताछ शुरू कर दी है।

मालूम हो कि स्क्रैप माफि या रवि काना और इसके गैंग के कई लोगों के खिलाफएक युवती ने थाना सेक्टर. 39 में 30 दिसंबर को सामूहिक बलात्कार का मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले में रवि के चचेरे भाई राजकुमार नागर और आजाद सहित कई को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

करोड़ों की जमीन पर अतिक्रमण, चला बुलडोजर

● नलगढ़ा में प्राधिकरण की अधिसूचित व अधिग्रहीत जमीन पर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा के सेक्टर.145 में अभियान चलाकर करीब 8 हजार वर्ग मीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त करा ली। जमीन पर किए गए कब्जे पर बाबा का बुलडोजर चलाया गया। कब्जा मुक्त कराई गई जमीन की कीमत करीब 50 करोड़ रूपये बताई जाती है।

नोएडा प्राधिकरण के सर्किल-10 क्षेत्र में गांव नलगढ़ा में प्राधिकरण की अधिसूचित व अधिग्रहीत जमीन पर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। यहां प्लाट की चारदीवारी कर कालोनाइजर द्वारा कब्जा किया जा रहा था। पहले भी इसी प्लाट के आसपास पर अवैध निर्माण करने का प्रयास किया गया था। मौके पर पहुंचे नोएडा प्रधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जेसीबी चलवाकर बाउंड्री वाल को गिरा दिया। फेंसिंग कर जमीन को कब्जे में लिया। नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि ये जमीन नलगढ़ा गांव की है। मास्टर प्लान 2031 के अनुसार इस जमीन को नियोजित करते हुए सेक्टर.145 में शामिल किया गया। इस जमीन का एरिया करीब 8000 वर्गमीटर है। इसकी अनुमानित लागत करीब 50 करोड़ रुपये बताई जाती है। जमीन को अवैध तरीके से अपनी जमीन बताकर अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा था। जानकारी मिलते ही सर्किल.10 के वरिष्ठ प्रबंधक की अगुवाई में प्राधिकरण पुलिस और जेसीबी का दस्ता मौके पर पहुंचा और अवैध निर्माण को हटाया। साथ ही अतिक्रमणकर्ताओं को चेतवानी दी गई कि यदि दोबारा से वे अवैध निर्माण या प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करते है तो उनके खिलाफसख्त कार्यवाही करते हुए एफआरआई दर्ज कराई जाएगी।

जेवर एयरपोर्ट तक के लिए रैपिड रेल का सर्वे शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक रैपिड रेल लाने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। रैपिड रेल को गाजियाबाद से ग्रेटर नोएडा वेस्ट से होते हुए जेवर एयरपोर्ट तक लाया जाएगा।

रैपिड रेल के रुट के लिए सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। जहां जहां पिलर बनाए जाएंगे, वहां की मिट्टी के नमूने भी लिए जा रहे हैं। मिट्टी के इन नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा। दरअसल, ग्रेटर नोएडा में जल्द ही शुरू होने वाला जेवर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट यूपी के सीएम आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सरकार इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करना चाह रही है। इसी के साथ जेवर एयरपोर्ट तक यात्रियों को पहुंचाने के लिए भी सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। जिसके तहत गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक रैपिड रेल लाने के प्रोजेक्ट पर भी काम किया जा रहा है।

गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक आने वाली रैपिड रेल को ग्रेटर नोएडा वेस्ट और परी चौक से होते हुए लाया जाएगा। गाजियाबाद से शुरू होने वाली रैपिड रेल के लिए ठहराव के लिए कुल 11 स्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित है, जिनमें आरआरटीएस, गाजियाबाद , ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर.4, ग्रेनो सेक्टर.2, नॉलेज पार्क. 5, सूरजपुर, परी चौक और जेवर एयरपोर्ट शामिल है।

सार्वजनिक नोटिस

इसके द्वारा बड़े पैमाने पर जनता को नोटिस दिया जाता है कि एटरनल सनशाइन इंफ्रा एलएलपी ने गांव बरकताबाद, सैक्टर-40, बहादुरगढ़, जिला-झज्जर, हरियाणा की राजस्व संपत्ति में 286 कनाल 18 मरला 6.401 सरसई भूमि को गिरवी रखने का प्रस्ताव रखा है, जिसका विशेष रूप से नीचे **अनुसूची** में वर्णन किया गया है। ऋणदाता से प्राप्त ऋण के पुनर्भुगतान को सुरक्षित करने के लिए, आदित्य बिड़ला फाइनैंस लिमिटेड (**"ऋणदाता"**) के पक्ष में, जिसका कॉर्पोरेट कार्यालय डी-17, सैक्टर 3, नोएडा, यूपी में है।

किसी भी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति या उसके किसी हिस्से के संबंध में बिक्री, विनिमय, बंधक, किराये, ग्रहणाधिकार, शुल्क, रखरखाव, लाइसैंस, उपहार, विरासत के माध्यम से अधिकार, शीर्षक, स्वामित्व, दावा, मांग या हित है या दावा किया जा रहा है।, शेयर, कब्ज़ा, सुखभोग, ट्रस्ट, वसीयत, असाइनमैंट या किसी भी प्रकार का भार, या अन्यथा, प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर समर्थन दस्तावेज़ों के साथ नीचे उल्लिखित पते पर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करने के लिए कहा जाता है। यह नोटिस, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति की उक्त संपत्ति के खिलाफ किसी भी प्रकार का कोई अधिकार, शीर्षक, स्वामित्व, दावा, मांग या हित नहीं है, और वह अधिकार, शीर्षक, स्वामित्व, दावा, मांग या हित नहीं है। किसी भी प्रकार का, यदि कोई हो, माफ कर दिया गया है और लेनदेन तदनुसार पूरा किया जाएगा।

अनुसूची

(i) खेवट क्रमांक 474//426, आयत क्रमांक 41 में 119/120 हिस्सा, किला संख्या 16/2(4-0), 25/1(1-2) और आयत संख्या 42, किला नंबर 21(9-2) यानि कुल 14K -4M में से 14K-1.633M

(ii) खेवट संख्या 250//21 में 25/28 भाग, आयत संख्या 41, किला संख्या 17(8-0), 24/1(6-16), 25/2(6-18) यानि कुल 21K-14M में से 19K-7.5M

(iii) खेवट संख्या 394/346 आयत संख्या 40, किल्ला संख्या 16 (7-11), 17 न्यूनतम उत्तरपूर्व (7-1), आयत संख्या 41, किल्ला संख्या 2 न्यूनतम दक्षिण पश्चिम (2-6), 11(7-4), 12/1(2-0), 20/1(7-4) और खेवट संख्या 3 न्यूनतम, आयत संख्या 7/1(6-14), कुल माप 40K

(iv) (A) खेवट संख्या 160//136, आयत संख्या 37, किला संख्या 24/2(3-0), 25(8-0), 26(0-9); आयत संख्या 39, किला संख्या 5/1(0-18), 5/2(1-0); आयत संख्या 40, किला संख्या 1(7-13), 2(8-0), 3/2(3-12), 5(8-0), 6(7-7), 9/2(01-8), 10/1(1-2), 13/2(1-4), 14(8-), 15(8-0); आयत संख्या 41, किला संख्या 1/2 (6-15), 10/1(2-6); (B) खेवट संख्या 3//2 न्यूनतम, आयत संख्या 36, किला संख्या 22/2(4-0), 24/1(2-16), आयत संख्या 37, किला नंबर 24/1(3-12), आयत नंबर 39, किला नंबर 3/1(1-0), आयत नंबर 40, किला नंबर 4/1(2-13); और (C) खेवट नंबर 385/337 में 1/2 हिस्सा, आयत नंबर 39, किला नंबर 26(0-11) यानि 0K-5.5M, कुल माप लगभग 90K-11.5M;

(v) खेवट संख्या 26 न्यूनतम//23, आयत संख्या 40, किला संख्या 9/1(6-8), और खेवट संख्या 375//328 न्यूनतम, आयत संख्या 40, किला नंबर 18 न्यूनतम पूर्व (3-1), कुल माप लगभग 9K-9M;

(vi) खेवट संख्या 474//426 में 2/240 हिस्सा, आयत संख्या 41, किल्ला संख्या 16/2(4-0), 25/1(1-2) और आयत संख्या 42, किला संख्या 21(9-2) यानि कुल 14K-4M में से 0K-2.366M और खेवट नंबर 366/319 में 117/437 हिस्सा यानी 5 कनाल 17 मरला, कुल माप 5K-19.366M;

(vii) (A) खेवट नंबर 250/213 में 1/14 हिस्सा, आयत नंबर 41, किला नंबर 17(8-0), 24/1(6-16), 25/2(6-16) यानि 1K-11M; (B) खेवट संख्या 242 न्यूनतम//205, आयत संख्या 40, किला संख्या 24/2/2 (0-6), 25/1(4-16) कुल 5K-2M; (C) खेवट संख्या 383 न्यूनतम//336, आयत संख्या 39, किला संख्या 4 न्यूनतम उत्तर (7-6), 7 न्यूनतम उतरपूर्व (0-12), कुल माप 7K-18M; (D) 1/2 शेयर में खेवट नंबर 385//337, आयत नंबर 39, किला नंबर 26(0-11) यानि 0K-5.5M और (E) खेवट नंबर 386//338, आयत नंबर 39, किला नंबर 5/3 (5-11), 6/1(2-9) माप 8K, कुल माप 22K-16.5M;

(viii) खेवट संख्या 164 न्यूनतम //140, आयत संख्या 41, किला संख्या 7 न्यूनतम पश्चिम दक्षिण (0-15), 8 न्यूनतम दक्षिण (5-0), 9/1(5-10), 13/ 2(1-14) और 14 न्यूनतम दक्षिण पश्चिम (7 16), कुल माप 20K-15M;

(ix) खेवट नंबर 3 में 184/243 शेयर न्यूनतम//2 न्यूनतम, किला नंबर 19/3(1-10), 21 न्यूनतम पश्चिम (4-14.44), 22/2(4-0), कुल माप 10K-4.44M;

(x) खेवट संख्या 329 न्यूनतम/286, आयत संख्या 40, किला संख्या 3/3/1(1-0), 8(6-19), और 13/1(6-8); और खेवट संख्या 339/296, आयत संख्या 36, किला संख्या 18/2 न्यूनतम दक्षिण (0-15), 19/1(4 8), कुल माप 19K-10M;

(xi) खेवट नंबर 56//48, आयत नंबर 41, किला नंबर 18/1(4-12), 22/2(4-4) में 80/461 हिस्सा, 23(8-0), 24/1 (1-4), आयत संख्या 50 किला संख्या 2/1/2(1-0), 2/2(2-4), 3/1(7-12), 9/1(4-8),12/2(4-3), 13/1(2-13), 19(6-2), यानि 8K-0M, कुल 46K-2M में से;

(xii) खेवट नंबर 329/286, आयत नंबर 40, किला नंबर 3/3/2(0-14); खेवट नंबर 3//2 में 5/243 हिस्सा न्यूनतम, आयत नंबर 36, किला नंबर 19/3(1-10), 21(8-0), 22/2(4-0) कुल माप यानि 0K-1M 5 सरसई;

(xiii) खेवट संख्या 78 न्यूनतम, आयत संख्या 41, किला संख्या 12/2(6-0), 13/1(6-16), 18/2(3-8), 19 में 1/6 हिस्सा (8-0) 4K-0M-6S तक एकत्रित;

(i) से (xiii) तक भूमिकुल मिलाकर 265 कनाल 15 मरला 1.451 सरसाई

(xiv) 265 कनाल 15 मरला 1.451 सरसई में से, कुल 23K-12M भूमि का एक टुकड़ा (i) आयत संख्या 37, किला संख्या 24/1/1(3-12), आयत संख्या 39, किला क्रमांक 3/1(1-0) 4K-12M तक एकत्रित; (ii) आयत संख्या 37, किला संख्या 24/2(3-0), 25 न्यूनतम पश्चिम (3-12), आयत संख्या 39, किला संख्या 5/1(0-18), कुल मिलाकर 7K- 10M; (iii) आयत संख्या 39, किला संख्या 4/1(7-6), 7/1(1-12), कुल मिलाकर 7K-18M; और (iv) आयत संख्या 39, किला संख्या 5/1 न्यूनतम पश्चिम (2-10), 6/1 न्यूनतम पश्चिम (1-2), कुल 3K-12M, एचएल रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड और एचएल रेजीडेंसी, स्वामित्व फर्म, के साथ **44K-11M** के साथ का आदान-प्रदान निम्नानुसार किया गया था :

खेवट नंबर 56//48, आयत नंबर 41, किला नंबर 18/1(4-12), 22/2(4-4), 23(8-0), 24/1 (में 381/461 हिस्सा 1-4), आयत संख्या 50 किला संख्या 2/1/2(1-0), 2/2(2-4), 3/1(7-12), 9/1(4-8), 12 /2(4-3), 13/1(2-13), 19(6-2), यानि कुल 46K-2M में से 38K-2M; और खेवट संख्या 80/72, आयत संख्या 41, किला संख्या 9/2(1-17), 10/2(4-12), माप 6K-9M, कुल माप 44K-11M;

(xv) 265 कनाल 15 मरला 1.451 सरसाई में से, आयत संख्या 37, किला संख्या 26 में कुल मिलाकर 13 मीटर भूमि का एक टुकड़ा (0-9), और आयत संख्या 39, किला संख्या 26 न्यूनतम पश्चिम (0-4) को राकेश के साथ **15.5M** के साथ निम्नानुसार आदान-प्रदान किया गया था:

खेवट नंबर 250/213, आयत नंबर 41, किला नंबर 17(8-0), 24/2(6-16) और 25/2(6-18) यानि 0K-15.5M में 1/28 हिस्सा।

इस प्रकार, (i) से (xv) तक कुल भूमि **286 कनाल 18 मरला 6.401 सरसाई है।**

जारीकर्ताः महेश कुमार, अधिवक्ता
एन-13, दूसरी मंजिल
जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली 110014

जनवरी, 2024 का यह 18वाँ दिन दिनांकित।

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Sh. Surender Singh is the owner of Built on Property Bearing No. 4319 and Old No. 3581, Land area measuring 68.50 Sq. yds. out of Khasra No. 173min, 174min. 175min, situated in the area of Village Chowki Mubarakabad Abadi Known as Saroop Nagar, Gali No. 6, Jai Mata Market, Tri Nagar Delhi-110035. Initially Sale Deed dated 18.05.1962 vide doc. No. 5270, executed by Mr. Budhu in favour of Mr. Rai Singh and Mr. Padam Singh in respect of area measuring 192 Sq. yds. of Said property. Thereafter, Notarized Will dated 27.01.1981 executed by Mr. Padam Singh in favour of Mrs. Kanta Devi in respect of One-Half Share in the said property area measuring 192 Sq. yds. Thereafter Relinquishment Deed dated 04.11.2000 vide doc. No. 12304 executed by Mrs. Kunti Devi in favour of Mr. Surender Singh in respect of One-Half Undivided Share in the said property area measuring 138.5 Sq. yds. Finally Partition Deed dated 04.11.2000 vide doc. No. 12305 executed Between Sh. Surender Singh, Smt. Sathiri & Sh. Amar Singh (legal heirs of Mr. Rai Singh) by which Mr. Surender Singh became the owner of Said property. Sh. Surender Singh is now in the process of mortgaging the Ground and First Floor Without Roof Rights of above said property with IndusInd Bank, Our Client. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in

सार्वजनिक सूचना

पंजीकरणय प्लॉट नंबर 101, सेक्टर-31, औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद

प्लॉट नंबर 101, सेक्टर-31, औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद को 410.61 वर्ग मीटर का श्रीमान आवंटित किया गया था। ईश्वर चंद गोयल निवासी मकान नंबर 1263 सेक्टर-14, फरीदाबाद-121002 को एलओआई दिनांक 22.06.1999 के माध्यम से वेब ऑफसेट प्रिंटिंग मशीनों के एमएफजी की परियोजना स्थापित करने के लिए। इसके अलावा मूल आवंटी के अनुरोध पर सीआईसी को मेसर्स रघु ग्राफिक प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में अनुमति दी गई, जिसके शेयर धारक श्री हैं। ईश्वर चंद गोयल (51%) और श्रीमती। सुशीला देवी (49%) पत्र दिनांक 01.08.2002 द्वारा। फिर श्री के अनुरोध पर ईश्वर चंद गोयल (मूल आवंटी) पीटीएल श्री के पक्ष में जारी किया गया था। अजय कुमार गुप्ता के पत्र दिनांक 08.02.2023 द्वारा।

निगम को सूचित किया गया है कि कंपनी के शेयरधारक मैसर्स रघु ग्राफिक प्राइवेट लिमिटेड यानी श्रीमती। दिनांक. 01.11. 2017 को सुशीला देवी की मृत्यु हो गयी थी। अब, शेष शेयरधारक अर्थात् श्री. ईश्वर चंद गोयल ने निगम से उपरोक्त भूखंड को उनके वास्तविक पुत्र श्री के पक्ष में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। अजय कुमार गुप्ता (मृतक श्रीमती सुशीला देवी के कानूनी उत्तराधिकारी। ने इस आधार पर कि कंपनी मेसर्स रघु रघु ग्राफिक प्राइवेट लिमिटेड को पहले ही एमसीए रिकॉर्ड से हटा दिया गया है और आज की तारीख में कंपनी का कोई अस्तित्व नहीं है निगम उनके अनुरोध पर विचार करने और उक्त भूखंड को श्री के पक्ष में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में हैं। अजय कुमार गुप्ता ने इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से यह सूचित किया है कि कोई भी व्यक्ति जिसे उक्त स्थानांतरण पर आपत्ति/आपत्ति है वह लिखित रूप में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। इसके अलावा, किसी भी व्यक्ति को कंपनी मेसर्स रघु ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एमसीए रिकॉर्ड में कंपनी को कथित तौर पर बंद करने) के खिलाफ उक्त स्थानांतरण पर आपत्ति/ आपत्ति है, तो वह एक निश्चित अवधि के भीतर एक शपथ पत्र के साथ उक्त स्थानांतरण पर अपना आरक्षण/आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दाखिल कर सकता है। इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर। यदि उपरोक्त अवधि के भीतर कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं होती है, तो यह माना जाएगा कि उक्त भूखंड के हस्तांतरण पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है और निगम श्री के पक्ष में भूखंड के हस्तांतरण के लिए आगे बढ़ेगा। अजय कुमार गुप्ता

हस्ता
संपत्ति प्रबंधक)
के लिए एवं की ओर से
हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना
विकास। निगम. लिमिटेड
शाखा कार्यालय आईएमटी, फरीदाबाद

किराया बढ़ाने के खिलाफ कोर्ट में जल्द दाखिल होगा मुकदमा

● निगम द्वारा की गई बढ़ोतरी को लेकर व्यापारियों में रोष

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नगर निगम की ओर से अपनी 1702 दुकानों का किराया बढ़ाने के फैसले के खिलाफ गाजियाबाद उद्योग व्यापार मंडल गुरुवार या शुक्रवार को कोर्ट में वाद दाखिल करेगा। गाजियाबाद उद्योग व्यापार मंडल की ओर से वकीलों के माध्यम से कोर्ट के कागजात तैयार किए जा रहे हैं। संगठन के महानगर अध्यक्ष अवधेश शर्मा ने बताया कि नगर निगम ने मनमाने तरीके से अपनी दुकानों का किराया बढ़ाने का फैसला लिया है।

नगर निगम किराए को लेकर दुकानदारों के साथ किए गए अनुबंध को तोड़ रहा है। इसके खिलाफ गाजियाबाद उद्योग व्यापार मंडल की ओर से गुरुवार या शुक्रवार को गाजियाबाद जिला व सत्र न्यायालय में वाद दाखिल किया जाएगा। अदालत से किराया तय करने में व्यापारियों की राय लेने की गुजारिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि 1989 में नया बस अड्डा के पास की दुकानों को किराए पर दिया गया था।

उस समय सिटी बोर्ड और किराए पर लेने वाले दुकानदारों के बीच अनुबंध किया गया था। जिसमें एक लाख रुपए के प्रीमियम के साथ दो सौ रुपए महीना किराया तय किया गया था। अनुबंध में हर पांच साल बाद किराए में साढ़े बारह प्रतिशत की बढ़ोत्तरी का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि 1989 में एक लाख रुपए का काफी मूल्य होता था।

सड़कों पर नहीं दिखेंगे बिजली के तार

● काम पूरा करने के लिए 200 करोड़ रुपये की राशि मंजूर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में अब ग्रेटर नोएडा की तरह बिजली के खुले तार केबिल्स नजर नहीं आएंगे। अगले 1-2 वर्ष में नोएडा के सभी बिजली के तार अंडरग्राउंड कर दिये जांएगे।

नोएडा की सड़कों पर लगे खंभों को भी हटाने की दिशा में काम शुरू किया जाएगा। आपको बता दें कि नोएडा की सड़कों पर लगे बिजली के खंभों की वजह से बिजली के तारों का जाल नजर आता है। बिजली के तारों के जाल की वजह से कभी कभी परेशानी भी होती है। नोएडा शहर की सुंदरता को चार चांद लगाने के लिए नोएडा प्राधिकरण अब बिजली के तारों को अंडरग्राउंड करने की दिशा में काम कर रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ डा लोकेश एम ने बताया कि अगले एक दो सालों में नोएडा शहर के सभी बिजली के तारों को अंडरग्राउंड कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फिलहाल घनी आबादी वाले सेक्टरों के केबिल अंडरग्राउंड किये जाएंगे। इसके लिए पहले 3 सेक्टरों में यह कार्य किया जाएगा। सीईओ ने बताया कि अभी इस कार्य के लिए 200 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी गई है। जैसे.जैसे यह योजना परवान चढ़ेगी, राशि का आवंटन किया जाता रहेगा। उन्होंने बताया कि समूचे नोएडा में अंडरग्राउंड केबिल करने में 1-2 वर्ष लग जाएंगे।

फि लहाल नोएडा के तीन सेक्टरों में अंडरग्राउंड केबिल डालने का कार्य आगामी 1.2 माह में पूरा हो जाएगा। आपको बता दें कि ओवरहेड केबिल के कारण आंधी व बारिश में तार टूटने तथा पेड़ों में करंट आने का हमेशा खतरा बना रहता है। लेकिन अंडरग्राउंड होने से इस समस्या से निजात मिल जाएगी।

PUBLIC NOTICE

I, Sumanta Kumar Sen S/o Sh. Hem Chandra Sen Lost R/o Flat no. 9, Sahridaya Apartment, Sahridaya CGHS Ltd., A-4, Paschim Vihar, New Delhi-110063 have Lost Original Share Certificate No. S-205/144 of the above Property. Finder Please Contact :- 9871997200

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Vibha Rathor, W/o Late Dr. R.S. Rathor, aged about 62 Years having Ph No. 9945466870, email- vibharathor@gmail.com, is having physical possession of property bearing Flat no. 68 on Ground Floor, First Floor, Pocket B, Kalkaji, Delhi ('Aforesaid Property') being the allottee vide letter no. 120 (1)/84/SFS/VV/III dated 13/4/1987 executed in my favour and given possession vide letter no. 120(1)/84/SFS/VV/III dated 19/06/1990 and have applied for the conversion of Afore said Property. The original documents related to the aforesaid property including the **possession letter, allotment letter, demand letter** etc. have been lost. An FIR to this effect has been logged online vide reg. no. LR no. 56058/2022 dated 5th July, 2022. Any person(s) claiming any right, having any objection or found in possession of the original documents may write/contact the above named person at the above address within 15 days of date of publication of this notice. contact -Deputy Director (LAB) Housing, SFS, D-Block, IIIrd Floor, DDA Vikas Sadan, INA, New Delhi

अमेरिका की तर्ज पर विकसित होगा ग्रेटर नोएडा

● वर्जीनिया के इकोनॉमिक डेवलपमेंट विभाग के अधिकारी गौतमबुद्ध नगर पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के विकास को अब और अधिक पंख लगेंगे। ग्रेटर नोएडा को अमेरिका के लोउडन काउंटी सिटी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, इससे जहां विदेशी निवेशकों के लिए राह खुलेगी, वहीं दूसरी ओर ग्रेटर नोएडा को भी चार चांद लगेंगे। इस कार्य के लिए अमेरिका के वर्जीनिया के इकोनॉमिक डेवलपमेंट विभाग के अधिकारी ग्रेटर नोएडा पहुंचे।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और अमेरिका के लोउडन काउंटी सिटी के साथ जल्द ही सिस्टर सिटी एग्रीमेंट शहरों की ट्विनिंग होने जा रहा है। इससे ग्रेटर नोएडा में आर्थिक व्यापारी, शैक्षणिक और इनवायर्नमेंट आदि क्षेत्रों में निवेश की राह खुलेगी।

अमेरिका के लोउडन काउंटी सिटी, वर्जीनिया के इकोनॉमिक डेवलपमेंट विभाग के कार्यकारी निदेशक बडी राइजर अपनी टीम के साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर पहुंचे और प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार व एसीईओ मेधा रूपम के साथ बैठक की तथा एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने पर चर्चा की। दोनों संस्थानों की तरफसे ड्राफ्ट एग्रीमेंट में एक.दो सुझाव दिए गए हैं, जिन पर अमल करते हुए शासन से जल्द अप्रूवल लेकर एमओयू किये जाने की तैयारी है। दरअसल, ग्रेटर नोएडा और अमेरिका के लोउडन काउंटी सिटी के साथ सिस्टर सिटी के रूप में एग्रीमेंट करने के लिए प्राधिकरण काफी समय से प्रयासरत है।

अब इस प्रयास पर जल्द अमल होने की उम्मीद है। अमेरिका के लोउडन काउंटी सिटी वर्जीनिया के इकोनॉमिक डेवलपमेंट विभाग के कार्यकारी निदेशक बडी राइजर तीन अन्य प्रतिनिधियों के साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर बैठक हुई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और लोउडन काउंटी सिटी के प्रतिनिधियों ने सभी अधिकारियों की मौजूदगी में प्रस्तुतिकरण दिया गया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से प्रस्तुतिकरण में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर, रोड इंफ्र इस्ट्रक्रर, मेट्रो कनेक्टीविटी, एक्सप्रेसवे, ग्रीनरी, बड़ी कंपनियों, शिक्षण संस्थानों, डाटा सेंटर हब, आईआईटीजीएनएल, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब व मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब आदि के बारे में जानकारी दी गई।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी, 2024

दिल्ली में निकाली श्री राम मंदिर उत्सव यात्रा

घर-घर तक प्रतिष्ठा के संदेश को पहुंचाना ही इस अभियान का लक्ष्य : वीरेंद्र सचदेवा

● पांच सौ साल के इंतजार के बाद सनातनियों के जीवन यह शुभ दिन आया है इसलिए यह बड़ा दिन है : लेखी

राम भक्तों में उत्साह: प्रदेश भाजपा मंदिर प्रकोष्ठ ने बुधवार को श्री राम मंदिर उत्सव यात्रा निकाली। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा मंदिर प्रकोष्ठ ने बुधवार को श्री राम मंदिर उत्सव यात्रा निकाली। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने झंडे दिखाकर प्रदेश कार्यालय यात्रा को रवाना किया जो कनॉट प्लेस, दिल्ली गेट, जामा मस्जिद, लाल किला, बस अड्डा, तीस हजारी, झंडेवालान, मंदिर मार्ग हो कर वापस प्रदेश कार्यालय पर समाप्त हुई। इस रैली में बड़ी संख्या में साधु संत, मंदिर पुजारी एवं भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि साल 2024 भारत के लिए स्वर्णिम काल है और इसे रामराज की शुरुआत मान सकते हैं। यह ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में संभव हो पाया है जिसके लिए देशवासियों ने लंबी प्रतिक्षा भी की है। मंदिर बनाने की प्रतीज्ञा भी भाजपा ने की थी। पीएम मोदी के इस पावन कार्य के लिए देश अनंतकाल तक उनके यश को संजोकर रखेगा।

सचदेवा ने कहा कि यह सिर्फ बाइक रैली नहीं बल्कि यह सभी राम भक्तों का उत्साह है जो राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन का इंतजार कर रहे हैं। राम लला सबके हैं और सभी को इस पवित्र कार्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। 14 वर्षों के बाद भगवान श्री राम बनवास समाप्त कर जब अयोध्या आए थे तो पूरी अयोध्या नगरी सजाई गई थी और इस बार तो पाँच सौ वर्षों के बाद राम लला अयोध्या में आ रहें हैं। इसलिए यह उत्सव भी दिवाली की तरह होगी।

केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने कहा कि पाँच सौ साल के इंतजार के बाद सनातनियों के जीवन यह शुभ दिन आया है। इस दिन के लिए हमारे पूर्वजों ने न जाने कितने अत्याचार और यातनाएं सही है। इसलिए रामलला के प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन को इस तरह से मनाना कि चिरकाल तक इसकी भव्यता इतिहास की शोभा बढ़ाते रहे।

सांसद डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि यह बाइक रैली राम भक्तों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव को मनाने का एक तरीका है। सभी लोग अपने घरों व पास के मंदिरों को फूलों से सजायें, राम नाम का दीपक जलायें, रंगोली बनाये और इसे उत्सव के तौर पर मनाये। दिल्ली व देश भर के लोगों के अंदर एक अलग उत्साह है क्योंकि भगवान श्री राम सभी मानवता के लिए आदर्श हैं। दिल्ली प्रदेश मंदिर प्रकोष्ठ के संयोजक करनैल सिंह ने कहा कि 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के पावन उत्सव कार्यक्रम का संदेश दिल्ली के घर घर तक पहुँचे और अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बने।

इस लक्ष्य को लेकर हजारों की संख्या में बाईक रैली निकाला है। उन्होंने कहा की पाँच सौ साल के बाद हम सनातनियों का इंतजार खत्म हुआ है।

हर अच्छे काम का बायकॉट करना विपक्ष की आदत : अनुराग ठाकुर

● बोले -कांग्रेस राम भक्तों को राम से दूर करेगी तो उनकी कोई नहीं सुनेगा

बाल्मीकि मंदिर परिसर की सफाई करते कंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार करने पर कांग्रेस समेत विपक्ष पर हमला बोला है।

ठाकुर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से देश में जो भी अच्छा हो रहा है विपक्ष उसका बॉयकॉट करता आया है। विपक्ष ने नए संसद भवन, पीएम मोदी के भाषण का बायकाट किया। मगर इन्हें पता होना चाहिए कि इन्हीं कारणों से जनता इनका बॉयकॉट करती है। आज इन्हें लग रहा है की कहीं श्री राम के बॉयकॉट से फिर से जनता इनका बॉयकॉट ना कर दे इसलिए यह श्री राम के शरण में आ रहे हैं पर अयोध्या जाने से बच रहे हैं। यह लोग महर्षि वाल्मीकि के नाम पर बने भव्य एयरपोर्ट पर नहीं आना चाह रहे। अमृत भारत, वंदे भारत ट्रेन में सफर नहीं करना चाह रहे। भारत में जो भी अच्छा हो रहा है इन्हें उसका विरोध करना है। कांग्रेस नेताओं द्वारा 22 जनवरी को श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बहिष्कार किए जाने पर अपनी राय देते हुए ठाकुर ने कहा, कांग्रेस लोगों को न्याय देने की बात करती है पर अपनी ही पार्टी के लोगों पर अन्याय करती है।

कांग्रेस को पता होना चाहिए कि राम भक्तों को राम से दूर करेंगे तो उनकी कोई नहीं सुनेगा। इसीलिए कांग्रेस में भी उनकी कोई नहीं सुन रहा। रामभक्तों को राम से दूर करने की कांग्रेस की कोशिश निराधार है।

जिसे लोग अनसुना कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन ने सदैव सनातन को नीचा दिखाने और कुचलने की बात की है। इससे पहले अनुराग सिंह ठाकुर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ मंदिर मार्ग स्थित बाल्मीकि मंदिर परिसर की साफ सफाई के लिए श्रमदान किया और भगवान बाल्मीकि की पूजा आराधना भी की।

इस मौके पर ठाकुर ने कहा आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल रंग ला रही है और देश के हर कोने में लोग अपने पूजा स्थलों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं।

इसी क्रम में कनॉट प्लेस के प्राचीन हनुमान मंदिर में स्वच्छता सेवा देने के बाद आज बाल्मीकि मंदिर में भी श्रमदान दिया है।आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल से जुड़े राजनीतिक सवाल पूछे जाने के जवाब में अनुराग ने कहा आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार के कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इनके उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद सभी जेल में हैं।

सतर्कता विभाग के तीन अधिकारियों पर गिरी गाज

कांवड शिविर मामला

● जांच के बाद उपराज्यपाल को सौंपी रिपोर्ट, सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्य सचिव से वर्ष 2022 में कांवड़ शिविर के लिए 23.40 करोड़ रुपये की लागत वाले टेंट कार्य के आवंटन में भ्रष्टाचार के खिलाफ राजस्व विभाग के 3 कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा है।

उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव द्वारा पेश की गई तथ्यात्मक रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन एसडीएम आर.आर. सिंह, अनुभाग अधिकारी संजय कुमार मदान और कनिष्ठ सहायक अनुराग के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि सरकार के राजस्व विभाग की केयरटेकिंग ब्रांच द्वारा कांवड़ शिविरों के लिए टेंट का काम देने में घोटाला हुआ था।

उपराज्यपाल सचिवालय को 19 जुलाई 2022 को इस संबंध में शिकायत मिली थी जिसको मुख्य सचिव को भेज दिया था और मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया था। इसके अनुरूप मुख्य सचिव ने 21 अक्टूबर 2022 को रिपोर्ट उपराज्यपाल के समक्ष पेश की। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से इन अधिकारियों के कदाचार को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि, क्योंकि बोली लगाने वालों को दिए गए काम को सक्षम प्राधिकारी की पूर्व मंजूरी के बिना बदला गया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ था।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि साधारण टेंट (शामियाना) 3.45 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से लगाए गए, जो वर्ष 2019 में 2.25 रुपये थे। आरोप लगाया गया कि साधारण टेंट के स्थान पर वाटरप्रूफ टेंट का उपयोग 3.45 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से किया जा सकता था।

इसके अलावा, राजस्व विभाग ने पहले 3.90 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से इस्तेमाल किए गए पाइप स्ट्रक्चर्ड स्टील हैंगर के स्थान पर 7.90 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से टिन शेड का ऑर्डर दिया। इसके अतिरिक्त, मात्र 1 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध हैलोजन लाइट के बजाय एलईडी पार कैन लाइट को 8 रुपये के हिसाब से ऑर्डर किया गया था। पूछताछ के दौरान, राजस्व विभाग ने सतर्कता विभाग को बताया कि कांवड़ यात्रा के लिए टेंट और बिजली के सामान को किराए पर लेने का वर्क ऑर्डर, विस्तार के आधार पर, एल1 बोली लगाने वाले को दिया गया था, जिसे पहले वर्ष 2019 में भी ठेका दिया गया था। वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना महामारी के कारण कांवड़ यात्रा का आयोजन नहीं किया गया था। कानून मंत्री के माध्यम से, राजस्व विभाग को 1 जुलाई 2022 को तीर्थयात्रा विकास समिति, के अध्यक्ष का कांवड़ यात्रा की व्यवस्था शुरू करने के लिए एक पत्र प्राप्त हुआ था। विभाग ने शहर भर में आवश्यकता अनुसार 181 कांवड़ शिविरों (172 कांवड़ और 9 सुरक्षा शिविर) लगाने का आकलन किया, जिसके लिए 23,40,15,481 रुपये के वित्तीय अनियमिता का आकलन किया गया। क्योंकि एल-1 बोलीदाता ने अकेले इस काम को पूरा करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी इसलिए यह काम एल-2 और एल-3 बोलीदाताओं के बीच एल-1 दरों पर वितरित किया गया।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2024 के लिए रिहर्सल के दौरान सीमा सुरक्षा बल की ऊंट घुड़सवार टुकड़ी कदमताल करतीं हुई।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में सुरक्षा कड़ी की गई

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस एवं अयोध्या में होने वाले राम मंदिर समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जॉय टिर्की ने कहा, 22 जनवरी और 26 जनवरी से पहले (दिल्ली की) सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने के मद्देनजर उत्तर पूर्वी दिल्ली के वन इलाकों में रोशनी के लिए मंगलवार रात को फ्लेयर गन का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली को संवेदनशील इलाका माना जाता है। टिर्की ने कहा, आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर यमुना नदी के किनारे और खादर क्षेत्र में सघन गश्त एवं तलाशी अभियान जारी है। किसी को भी कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

केजरीवाल 22 जनवरी के बाद सपरिवार जाएंगे अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बुजुर्ग तीर्थ यात्री से आर्शिवाद लेते मुख्यमंत्री केजरीवाल।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि वह 22 जनवरी के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद सपरिवार अयोध्या जाएंगे और वहां राममंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। केजरीवाल ने बुधवार को मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत तिर्थयात्रियों के 87वें जत्थे को द्वारकाधीश रवाना करने के बाद यह बात कही।

केजरीवाल ने बताय कि उन्हें एक पत्र मिला, जिसमें कहा गया है कि सुरक्षा कारणों से (प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए) केवल एक व्यक्ति को ही अनुमति है। उन्होंने कहा था कि एक टीम व्यक्तिगत निमंत्रण देने आएगी, लेकिन कोई नहीं आया। उन्होंने कहा, वह अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ रामलला के दर्शन के लिए जाना चाहते हैं। उनके माता-पिता की भी रामलला के दर्शन करने की इच्छा है। द्वारकाधीश तिर्थयात्रियों का जत्था रवाना करने के दौरान केजरीवाल ने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत ज्यादातर ट्रेनें अयोध्या के लिए भेजेगी। तीर्थयात्रियों को रवाना करने त्यागराज स्टेडियम पहुंचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर का शुभारम्भ होगा। उसके बाद कोशिश करेंगे कि वहांज्यादा से ज्यादा ट्रेनों को रवाना करें। लोगों में अयोध्या जाकर रामलला का दर्शन करने को लेकर बहुत जबदरदस्त उत्साह है। इसलिए उनकी कोशिश रहेगी कि अयोध्या के लिए ज्यादा ट्रेनें भेजी जाएं। केजरीवाल ने कहा कि वह भी सपरिवार अयोध्या जाना चाहते हैं। यह 87वीं ट्रेन द्वारकाधीश जा रही है।

इससे पहले 86 ट्रेनों से करीब 82 हजार लोग विभिन्न तीर्थस्थलों की यात्रा कर चुके हैं। द्वारकाधीश के लिए ट्रेन रवाना होने से पहले तीर्थयात्रियों के लिए त्यागराज स्टेडियम में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जहां तीर्थयात्रियों से मिलने पहुंचे सीएम केजरीवाल पहुंचे। इस अवसर पर राजस्व मंत्री आतिशी भी

● मुख्यमंत्री द्वारकाधीश के लिए तीर्थयात्रियों का जत्था रवानाकर बोले रामलला के दर्शन के लिए भेजेंगे ज्यादा ट्रेनें

मौजूद रहीं। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने बुजुर्ग तीर्थयात्रियों का पांव छूकर उनका आशीर्वाद लिया और तीर्थयात्रियों ने सीएम को अपने गले से लगा लिया। सीएम ने बुजुर्ग तीर्थयात्री शकुंतला देवी को टिकट का प्रतिरूप भेंट किया। सभी तीर्थयात्रियों को एक किट दी गई, जिसमें कंबल, तौलिया, चद्दर समेत रोजमर्रा के सामान हैं।

सनातन धर्म के अनुसार द्वारकाधीश का दर्शन करने जाने वाले यात्री एक छतरी अपने साथ लेकर जाते हैं।

भाजपा सांसदों की खोलेंगे पोल: लवली

● प्रदेश अध्यक्ष ने जिला अध्यक्षों के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा सांसदों की पोल खेलेगी। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने बुधवार को लोस चुनाव की रणनीति को लेकर सभी जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने जिला अध्यक्षों से आह्वान किया कि लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रत्येक बूथ पर पूरी तरह सक्रिय होकर तैयारी करनी होगी। पिछले दस वर्षों में सातों भाजपा सांसदों द्वारा जनहित में कोई काम नहीं किया और उनकी कार्यशैली में निष्क्रियता रही। लोसचुनाव से पहले कांग्रेस भाजपा सांसदों के वादों बनाम प्रदर्शन की विफलताओं को उजागर करेगी तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनकी उदासिनता और दोहरे मापदंड की नीति को उजागर करना होगा क्योंकि भाजपा सांसदों ने गरीब, मध्यम वर्ग व निम्न वर्ग के लिए कोई काम नहीं किया गया है।

अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने के लिए पूरी ताकत से सड़कों पर उतर कर भाजपा सांसदों तथा अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बेनकाब करना चाहिए, जिन्होंने वोट पाने के लिए लोगों से झूठे वादे किए और लोकसभा, एमसीडी चुनाव जीतने के बाद लोगों को भूल गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली के लोगों को कांग्रेस द्वारा किए गए विकास और कल्याणकारी कार्यों के बारे में याद दिलाना होगा, क्योंकि जब कांग्रेस दिल्ली में सत्ता में थी तब यहां चहुँमुखी विकास हुआ था। कोविड-19 महामारी के दौरान जब राजधानी में दहशत थी तब भाजपा सांसद और उनके नेता अपने घरों के अंदर बंद रहे, परंतु कांग्रेस कार्यकर्ताओं अपनी जान जोखिम में डालकर संकट में लोगों की मदद करने के लिए आगे आए थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने उर्स पर भेजी चादर

● राम निवास गोयल ने ख्वाजा गरीब नवाज से दिल्ली में अमन चैन कायम रहने की दुआ की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने विधानसभा से ख्वाजा गरीब नवाज के 812वें उर्स के लिए चादर भेजी। गोयल ने चादर पेश करते हुए कहा की उन्होंने ख्वाजा गरीब नवाज से दिल्ली के लोगों के लिए अमन चैन की दुआ की है।

साथ ही यह भी कहा की ख्वाजा साहब ने जीवनभर धर्म, जाति, सम्प्रदाय से ऊपर उठकर सिर्फ लोगों की भलाई, खुशहाली और भाईचारे के लिए ही सोचा और काम किया । गोयल ने कहा की दिल्ली सरकार हर वर्ष अजमेर जाने वाले जायरीनों के लिए बुराडी में उर्स कैम्प का इंतजाम करती है। जहां जायरीनों को सब प्रकार की सुविधाएं मुफ्त मुहैया कराई जाती है। इस अवसर पर दिल्ली उर्स कमेटी के चैयरमैन एफ आई इस्मायली के साथ साथ कई जायरीन भी उपस्थित थे। इससे पहले गत रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर चादर भेजी है।

सीएम ने चादर भेजकर पूरे देश में आपसी भाईचारे, अमन चैन और देश की तरककी के लिए कामना की है। केजरीवाल ने चादर के साथ भेजे अपने संदेश में कहा था कि देश भर में सामाजिक भाई-चारे को बढ़ावा मिलना चाहिए, इससे देश मजबूत होता है। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती ने यही संदेश दिया है। उन्होंने कामना की कि दिल्ली के साथ-साथ पूरे भारत में रहने वाले लोगों की जिंदगी आसान हो। सरकारें लोगों के लिए काम करें और लोगों की जिंदगी को आसान बनाएं। सीएम ने कामना की है कि दिल्ली और पूरे देश की तरक्की हो और भारत पूरी दुनिया में अपना नाम रोशन करे।

झुग्गी वालों को बेघर करना चाहती है भाजपा : दिलीप पांडे

● बोले- जब तक सीएम केजरीवाल हैं, गरीबों के घरों को तोड़ने नहीं दिया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आप नेता 'घर बचाओ-भाजपा हटाओ' अभियान के तहत वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित झुग्गियों में रह रहे लोगों से मिले। इस दौरान विधायक दिलीप पांडे और राजेश गुप्ता ने यहां की झुग्गियों में रह रहे लोगों को भाजपा सरकार की साजिशों से उनको अवगत कराया।

पांडे कहा कि केंद्र सरकार झुग्गियां तोड़कर गरीब लोगों को बेघर करना चाहती है। भगवा पार्टी झुग्गियों को तोड़ने का फरमान जारी किया है। लेकिन जब तक आम आदमी पार्टी और सीएम अरविंद केजरीवाल हैं, उनकी झुग्गियों को तोड़ने नहीं दिया जाएगा। दिलीप पांडे ने कहा कि भाजपा चुनाव से पहले वादा करती है कि जहां झुग्गी हैं, वहीं मकान देंगे और चुनाव खत्म होते ही झुग्गीवालों के पीछे पड़ जाती है। चुनाव से पहले कालकाजी विधानसभा में झुग्गियों के बदले मकान देने का वादा करने वाली भाजपा ने चुनाव के बाद हजारों लोगों को बेघर कर उनके सिर से छत छीन ली है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने रेलवे, डीडीए, एमसीडी और एलएनडीओ को बुलाकर निर्देश दिया कि अब दिल्ली के अंदर झुग्गियों को नहीं रहने दिया जाएगा। जब जी-20 सम्मेलन हुआ तो दिल्ली की झुग्गियों को ढक दिया गया था। इस वक्त कड़ाके की ठंड पड़ रही है और इस कड़कड़ती ठंड में गरीबों के सिर से छत छीनने की साजिश रची जा रही है। सर पर छत और पेट में रोटी ईश्वर देता है। ऐसे में किसी सरकार को कोई अधिकार नहीं है कि लोगों से उनका घर छीन ले।

सनातन के गौरव की प्राण प्रतिष्ठा का हर्ष मनाने को गुरुग्राम तैयार: जीएल शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

22 जनवरी को गुरुग्राम होगा भव्य सनातन हर्ष महोत्सव

मोदी जी के आह्वान पर मंदिरों में चलाया जा रहा साफ-सफाई अभियान

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं हरियाणा डेयरी सहाकारी प्रसंघ के पूर्व चेयरमैन जीएल शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी अयोध्या में केवल रामलला के विग्रह की प्राण पतिष्ठा का दिन नहीं है, बल्कि यह सर्व सनान के गौरव की प्राण प्रतिष्ठा का शुभ अवसर है। यह अवसर पीढियों के संघर्ष के बाद आया है। सदियों के तप, त्याग और संकल्प के बाद भगवान राम की कृपा से धर्मावलंबियों के गौरव के इस पाल को सहर्ष मनाने को गुरुग्राम तैयार है। जीएल शर्मा शीतला मंदिर और और भगवान परशुराम वाटिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर साफ-सफाई अभियान के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को सदर बाजार के हनुमान मंदिर में अयोध्या के भव्य और नव्य मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर को सनातन हर्ष महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस महोत्सव के जरिए पूरा गुरुग्राम एतिहासिक पल

का गवाह बनेगा। इस दिन नए भारत का आगाज हो रहा है। देश भर में मनाए जाने वाले उत्सव के जरिए विश्व को पूरी मानवता को प्रेरणा देगा।

सुबह करीब सात बजे जीएल शर्मा पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ शीतला माता मंदिर पहुंचे और झाड़ू से पहले मंदिर परिसर की सफाई की बाद में पोंछा लगाकर डस्टिंग भी की। करीब डेढ़ घंटे के श्रमदान के बाद शर्मा शक्ति नगर स्थित भगवान परशुराम वाटिका पहुंचे और यहां मंदिर परिसर से लेकर बाहर सडक़ तक की सफाई की। उन्होंने मंदिर पहुंचते ही मंदिर के बाहर सफाई कर रहे सफाई कर्मचारियों के हाथों से झाड़ू लेकर उन्हें कुछ देर आराम करने को कहा और खुद सफाई के कार्य में जुट गए।

बाद में उन्होंने इन कर्मचारियों के साथ चाय पी और 22 जनवरी को सदर बाजा के हनुमान मंदिर में होने वाले सनातन हर्ष महोत्व में सपरिवार शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। इस दौरान उनके साथ आदर्श ब्राह्मण सभा के प्रधान आरपी कौशिक, सीएम विंडो के एमिनेंट सिटीजन महेश वशिष्ठ, भाजपा दयानंद मंडल के पूर्व महामंत्री अजीत भारद्वाज, पंडित अनिल कौशिक, प्रतीक शर्मा, मदन शर्मा, उत्तराखंड प्रकोष्ठ के गंगा सिंह नेगी सहति कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जीएल शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को सनातन हर्ष महोत्सव का का शुभारंभ सुबह नौ बजे सुंदरकांड के पाठ से होगा। तत्पश्चात प्रसिद्ध कलाकारों की ओर से भजनों के द्वारा श्री राम जी की महिमा का गुणगान होगा।

22 जनवरी को राम लला की भव्य शोभायात्रा का साक्षी बनेगा गुरुग्राम

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम के तहत पाठ का आयोजन रॉयल पब्लिक स्कूल गुरुग्राम में चेयरमैन विजय सिंह चौहान ने किया। जिसमें गजेंद्र गोसाईं द्वारा 11 बार संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा पाठ करने के उपरांत बोधराज सीकरी ने 700 से अधिक विद्यार्थियों को 50 के करीब अध्यापक को संबोधित किया। रॉयल पब्लिक स्कूल में 700 विद्यार्थी, 50 अन्य लोगों ने 11-11 बार पाठ किया गया। सर्वप्रथम उन्होंने जय श्रीराम का नारा लगवाया।

विद्यार्थियों को आने वाले ऐतिहासिक दिन 22 जनवरी के दिन के बारे में जानकारी दी। बच्चों से आग्रह किया कि उस दिन 5 दीप आने घर में अवश्य जलाएं। दो दीप घर के मंदिर के आगे, 2 दीप दहलीज के आगे और एक दीप तुलसी के आगे। पांच दीप का अभिप्राय उन्होंने बताया कि 500 वर्ष की कड़ी प्रतीक्षा व संघर्ष के बाद यह जो शुभ दिन आया है। हम भाग्यशाली हैं। ईश्वर का आभार प्रकट करते हैं कि जिन बुजुर्गों ने कार-सेवक के नाते अपने प्राण दिए या जो अब बहुत वृद्ध हो चुके हैं। वो इसके साक्षी नहीं बन पा रहे हैं।

कांग्रेस 55 सालों तक महिलाओं के नाम पर सिर्फ राजनीति करती रही

ईडी स्वतंत्र रूप से भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई कर रही है: नायब सैनी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को बताया सबसे बड़ी भ्रष्ट पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में सबसे बड़ी भ्रष्ट पार्टी बनने की होड़ लगी है। श्री सैनी ने केजरीवाल के कट्टर ईमानदारी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे 'हाथी के दांत दिखाने के और तथा खाने और 'होते हैं, केजरीवाल भी इसी कहावत को चरितार्थ करते हैं। वे बात कट्टर ईमानदार होने की करते हैं, लेकिन केजरीवाल के मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हैं। श्री सैनी ने कांग्रेस को बिखरी हुई पार्टी बताया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री सैनी ''शक्ति वंदन'' कार्यशाला के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस महिलाओं के नाम पर सिर्फ राजनीति करती रही है। 55 सालों में महिलाओं को कोई अधिकार कांग्रेस पार्टी ने नहीं दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन बिल लाकर महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उनको अधिकार दिया है। अब महिलाएं देश और प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभा सकेंगी।

एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल पर बोलते हुए श्री सैनी ने कहा कि कांग्रेस मुफ्त की रेवड़ियां बांट रही है। जनता को प्रलोभन के जाल में फंसाने के मंसूबों से प्रदेश के स्ट्रक्चर को धराशायी करने में कांग्रेस जुटी है। कांग्रेस का काम सिर्फ दुष्प्रचार करना ही रह गया है। किसानों की खराब हालत कांग्रेस ने की। स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट कांग्रेस ने डस्टबीन में डाल दी और रिपोर्ट को लागू नहीं किया, जबकि खुद भूपेंद्र सिंह हुड्डा आयोग के चेयरमैन थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के हितों के लिए अनेकों योजनाएं बनाई। मोदी सरकार में देश और प्रदेश के किसान स्मृद्धि की और बढ़े हैं। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस बिखर चुकी है। जिस तरह से दो धाराएं आपस में नहीं मिलती वही हालत कांग्रेस की है। राहुल गांधी ने जब भारत जोड़ो यात्रा निकाली तो चुनाव हार गए। उन्होंने कहा कि राहुल को अपने पूर्वजों की तरफ देखना चाहिए कि उन्होंने किस तरह से भारत को कमजोर करने का काम किया है। राहुल की न्याय यात्रा पर पूछे गए सवाल पर श्री सैनी ने कहा कि इस यात्रा के बाद कांग्रेस पूरी तरह से साफ हो जाएगी। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा हर चुनाव को मजबूती के साथ लड़ती है। देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी से स्नेह करती है।

मोदी की सरकार बनाएं और देश को आगे बढ़ाएं

गुरुग्राम। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम सरस्वती मंडल के बूथ नंबर 294 पर कार्यकर्ताओं के साथ ''दीवार लेखन कार्यक्रम'' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ''एक बार फिर से मोदी सरकार'' के स्लोगन के साथ भाजपा के कार्यकर्ता प्रदेश भर में हर बूथ पर स्वयं को जोड़कर इस कार्यक्रम को सफल बना रहे हैं। श्री सैनी ने प्रदेश के लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोदी सरकार बनाएं और देश को आगे बढ़ाएं। नायब सैनी ने कहा कि देश में स्थिरता और स्थिर सरकार की जरूरत है। मोदी के नेतृत्व में देश मजबूत और आर्थिक रूप से संपन्न हो रहा है। भारत को विकसित करने के लिए मोदी सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस अभियान के जरिए मोदी सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार कर लोगों को ज्यादा से ज्या पार्टी के साथ जोड़ें। इस मौके जिला अध्यक्ष कमल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, जिला महामंत्री मनीष गाड़ौली, जिला महामंत्री महेश यादव आदि उपस्थित रहे।

गुरु गोबिंद सिंह जी ने धर्म की रक्षा के लिए की थी खालसा पंथ की स्थापना: गोयल

गरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर गुरुद्वारा में मत्था टेकने पहुंचे नवीन गोयल

समाज को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए गुरुजी ने हर पल कार्य किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल ने गुरुद्वारा सिंह सभा में मत्था टेका। उन्होंने सभी के सुखी, स्वस्थ होने, गुरुग्राम की तरक्की व खुशहाली की कामना की। शौर्य और साहस के प्रतीक गुरू गोबिंद सिंह जी सिख धर्म के दसवें गुरु थे। इस अवसर पर गुरुद्वारा की ओर से शेर दिल सिंह संधू, मनजीत सिंह, जसमाल संधू, कमलजीत सिंह, गगन सिद्धू आदि ने नवीन गोयल का सम्मान किया।

इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए नवीन गोयल ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन और उनके द्वारा अपने पुत्रों का दिया गया बलिदान सर्वोच्च बलिदान कहा जा सकता है। इतिहास में दर्ज है कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने ही खालसा पंथ की स्थापना की थी। नवीन गोयल ने कहा कि नेकी, ईमानदारी, सच्चाई, परहित की सोच की हमें गुरु गोबिंद सिंह जी से सीख लेनी चाहिए। उनका जीवन समस्त मानव जाति के लिए बहुत बड़ा संदेश है। समाज को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए गुरुजी ने हर पल कार्य किया। उन्होंने ही सिखों को पंच ककार धारण करने को कहा था। तभी से केश, कृपाण, कंघा, कड़ा और कच्छा पांच ककार सिखों की पहचान हैं। उन्होंने ही बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी। गुरु गोबिंद सिंह जी ने ही खालसा वाणी, वाहे गुरु की खालसा, वाहेगुरु की फतेह दिया था। खालसा पंथ की स्थापना के पीछे उनका उद्देश्य धर्म की रक्षा करना और मुगलों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाना था। उन्होंने अन्याय, अत्याचार और पापों को खत्म करने के लिए और धर्म की रक्षा के लिए मुगलों के साथ 14 युद्ध लड़े। धर्म की रक्षा के लिए समस्त परिवार का बलिदान किया, जिसके लिए उन्हें सरबंसदानी (पूरे परिवार का दानी) भी कहा जाता है।

राव बनाए गए रोहतक, हिसार व सिरसा के चुनाव प्रभारी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर हरियाणा को चार कलस्टर में विभाजित किया है। एक कलस्टर रोहतक, हिसार व सिरसा का पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह को पार्टी ने प्रभारी लगाया है।

भाजपा ने देशभर में लोकसभा चुनाव को लेकर 146 कलस्टर बनाए हैं। हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर चार कलस्टर बनाए गए हैं। इसके लिए तीन प्रभारी नियुक्त किए हैं। एक कलस्टर पर पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह को प्रभारी बनाकर उनका राजनीतिक कद भी पार्टी ने बढ़ाया है। उनके कलस्टर में तीन लोकसभा सीटें रोहतक, हिसार और सिरसा होंगी। इस जिम्मेदारी को लेकर राव नरबीर सिंह ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका वे बखूबी पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि देशभर में बीजेपी का लगातार ग्राफ बढ़ता जा रहा है। बीजेपी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पार्टी ने कलस्टर बनाए हैं, ताकि चुनाव की बारीकी से तैयारियां की जा सके। उन्होंने कहा कि अपने कलस्टर में शामिल रोहतक, हिसार व सिरसा में वे पूरी निष्ठा से काम करते हुए पार्टी को मजबूती देने का काम करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करेंगे।

शाहरूख खान बने सीएनएन-न्यूज18 इंडियन ऑफ द ईयर 2023

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीएनएन-न्यूज 18 इंडियन ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कारों का 13वां संस्करण बुधवार को नई दिल्ली में संपन्न हुआ। न्यूज टेलीविजन के सबसे बड़े पुरस्कार मंच ने बॉलीवुड के किंग शाहरूख खान को प्रतिष्ठित इंडियन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया।

सम्मान लेते समय अपने भावुक संबोधन में, SRK ने अपने जीवन और करियर के बारे में ऐसी तमाम बातें कहीं, जो पहले कभी नहीं कही थीं। उन्होंने अपने करीब 10 मिनट के संबोधन में कई विषयों पर बात की। जैसे ब्रेक लेने से पहले उनकी फ्लॉप फिल्में, उनके परिवार के संघर्ष और उनकी 2023 की सफलता की बातें शामिल थीं। उन्होंने कहा कि वह एक 'थोड़ा बेशर्मीभरा (Brash)' वक्तव्य देना चाहते हैं कि वह न केवल वर्ष 2023 के इंडियन ऑफ द ईयर महसूस करते हैं, बल्कि इंडियन ऑफ ऑल ईयर्स महसूस करते हैं।

सीएनएन-न्यूज 18 इंडियन ऑफ द ईयर सात श्रेणियों-व्यवसाय, मनोरंजन, खेल, यूथ आइकन, उभरते स्पोर्ट्स स्टार, सामाजिक बदलाव और क्लाइमेट वॉरियर्स (जलवायु के योद्धा) में उल्लेखनीय व्यक्तियों के असाधारण योगदान को मान्यता देता है। जहां शाहरूख खान को सीएनएन-न्यूज18 इंडियन ऑफ द ईयर 2023 का ताज पहनाया गया, वहीं फिल्म निर्माता मणिरत्नम को मनोरंजन श्रेणी में सीएनएन-न्यूज 18 इंडियन ऑफ द ईयर नामित किया गया। कर्नाटक की पहली ट्रांसजेंडर डॉक्टर और अभिनेता त्रिनेत्रा हलदर को यूथ आइकन ऑफ द ईयर अवार्ड (जूरी) से सम्मानित किया गया। संगीतकार और गायक अनिरूद्ध रविचंदर को सीएनएन-न्यूज 18 इंडियन ऑफ द ईयर 2023 में यूथ आइकन (पापुलर) खिताब से सम्मानित किया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए इंडियन ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार ने अंतरिक्ष अन्वेषण की सीमाओं को आगे बढ़ाने में इसरो द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान को मान्यता दी। नीरज चोपड़ा ने अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों और भारतीय खेलों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए खेल श्रेणी में इंडियन ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता। शतरंज ग्रैंडमास्टर आर प्रागनानंदा को सीएनएन-न्यूज 18 इंडियन ऑफ द ईयर 2023 में राइजिंग स्पोर्ट्स स्टार नामित किया गया। क्लाइमेट वॉरियर्स श्रेणी में, अरूण कृष्णमूर्ति और सालूमरदा थिमक्का ने पुरस्कार जीता। अरूण कृष्णमूर्ति एनवायर्नमेंटलिस्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया (ईएफआई) के संस्थापक हैं।

मंदिर दिखाने के बहाने पहाड़ी पर ले जाकर किया था दुष्कर्म

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर ब्लाइंड मर्डर का किया खुलासा

गुरुग्राम। दुष्कर्मी युवक ने महिला की इसलिए हत्या कर दी थी, क्योंकि वह दुष्कर्म की शिकायत करना चाहती थी। इससे पहले कि वह कुछ कदम उठाती, दुष्कर्म करने वाले युवक ने दुष्कर्म के बाद उसकी पत्थर मारकर हत्या कर दी। यह खुलासा खुद हत्यारोपी ने अपनी गिरफ्तारी के बाद पुलिस के समक्ष किया है।

पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बुधवार को बताया कि आरोपी महिला के साथ ही मजदूरी करता था। तभी उसकी जान-पहचान हुई थी। आरोपी ने पुलिस के समक्ष बताया कि वह पहले मजदूरी करता था। उसी दौरान उसकी पहचान सुखी बाई (मृतका) से हुई थी। यह बाद में यह फलों की रेहड़ी लगाने लगा। सात जनवरी को वह सुखी बाई को मंदिर दिखाने के बहाने भोंडसी की पहाड़ियों पर ले गया। वहां पर उसने सुखी बाई के साथ दुष्कर्म किया। सुखी बाई ने इसका विरोध करते हुए इसकी शिकायत करने की धमकी दी। आरोपी ने अपने जुर्म का भेद खुलने के डर से पत्थर मारकर सुखी बाई की हत्या कर दी। उसकी पहचान ना हो, इसलिए उसने सुखी बाई के मुंह पर पत्थर मारकर चेहरा बिगाडने की भी कोशिश की।

जेटसिंथेसिस के ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन (जीएमजे) ने हरियाणवी लोकप्रिय कलाकार सपना चौधरी के साथ गठबंधन किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आज के युग की डिजिटल मनोरंजन और प्रौद्योगिकी कंपनी जेटसिंथेसिस की डिजिटल मनोरंजन सहायक कंपनी, ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन वेस्टर्न बीट्स (हरियाणा आर्म) ने प्रतिभाशाली भारतीय कलाकार सपना चौधरी के साथ अपनी विशेष साझेदारी की घोषणा की है।

इस नए सहयोग द्वारा ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन सपना के लिए व्यापक आर्टिस्ट मैनेजमेंट, लाइव इवेंट, कंटेंट निर्माण, वितरण, ब्रांड मैनेजमेंट और इवेंट्स के समन्वय के साथ अन्यसेवाओं का दायित्व संभालेगा। जीएमजे की हरियाणा शाखा, 'वेस्टर्न बीट', इस बिल्कुल नए सहयोग के प्रबंधन की देखरेख में अहम किरदार निभाएगी। इस सहयोग के बाद रिलीज़ किया गया पहला गाना 'जले 2' ज़बरदस्त हिट हुआ, और इसने अपने लॉन्च के कुछ ही हफ्तों में कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। पहले महीने में 6 मिलियन रिल्स तक पहुँचने वाला यह अब तक का सबसे तेज गाना है, और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल सनसनी बन चुका है। इसे अकेले इंस्टाग्राम पर लगभग 10 बिलियन से ज़्यादा इंप्रेशन मिले। यूट्यूब पर इस संगीत वीडियो को 300 मिलियन से ज्यादा इंप्रेशन मिले हैं और यह 100 मिलियन बार देखा गया है। ये आँकड़े इस गाने की लोकप्रियता प्रदर्शित करते हैं, क्योंकि यह दुनिया के हर कोने तक पहुँच गया है और अनुमान है कि हर तीन में से एक व्यक्ति यह ट्रैक सुन चुका है। ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन के फाउंडर और सीईओ राजकुमार सिंह ने इस सहयोग के बारे में कहा, ''हम सपना चौधरी को अपने एक्सक्लूसिव कलाकारों में लाकर बहुत उत्साहित हैं। क्षेत्रीय संगीत में उनकी लोकप्रियता पूरे देश के दर्शकों के लिए क्षेत्रीय संगीत और मनोरंजन पेश करने का हमारा मकसद पूरा करेगी। हमें पूरा विश्वास है कि हमारा सहयोग इस उद्योग में कई रिकॉर्ड तोड़ेगा। वेस्टर्न बीट के सीईओ साहिल संधू ने कहा, 'जले 2' की सफलता हमारी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का सबूत है। सपना चौधरी के साथ हमारी साझेदारी ने देश भर में प्रशंसकों के दिलों में गूंजने वाले शानदार संगीत देने के नए मानक को स्थापित किया हैं। हम इस सफर को कायम रखने और अपने दर्शकों के लिए और अधिक अभूतपूर्व संगीत लाने के लिए काफी उत्साहित हैं।

इस सहयोग के बारे में सपना चौधरी ने कहा, ''मुझे संगीत उद्योग को एक नए आयाम तक पहुंचाने के इस सफर में जेटसिंथेसिस के ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन और वेस्टर्न बीट्स के साथ हाथ मिलाकर बड़ी खुशी हो रही है। 'जले 2' को मिल रहे प्यार को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं हमारे पाइपलाइन में मौजूद अन्य सभी गानों पर उनकी प्रतिक्रिया देखने के लिए बेकरार हूं। इस साझेदारी के साथ, मैं अपने संगीत को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचा सकूंगी और 'जले 2' की सफलता इसका एक शानदार उदाहरण है। जीएमजे और मेरा लक्ष्य मिलकर नए रिकॉर्ड तोड़ना और भविष्य में और अधिक अभूतपूर्व संगीत के लिए मंच तैयार करना है।

नवकल्प और जन्म फाउंडेशन ने वैदिक कन्या स्कूल के 300 बच्चों को पहनाए जूते

गुरुग्राम। बच्चों के कपड़े के जूते बांटने के अभियान के तहत नवकल्प फाउंडेशन और जन्म फाउंडेशन ने वैदिक कन्या स्कूल के 300 बच्चों को सर्दी से बचाने के लिए जूते वितरित किए। नवकल्प का आओ हाथ बढ़ाओ अभियान के तहत मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया गया।

नवकल्प फाउंडेशन को जन्म फाउंडेशन की ओर से 300 कपड़े के जूते उपलब्ध कराए गए, जिन्हें वैदिक कन्या स्कूल के बच्चों में वितरित किया गया। दोनों संस्थाओं की टीम ने बच्चों को स्वयं जूते पहनाए भी। समाजसेवा के क्रियाकलापों को सांझा करते हुए नवकल्प के महासचिव डॉक्टर सुनील आर्य ने बताया कि अभियान के तहत अभी तक करीब 2700 कंबल और जूते वितरित किए जा चुके है। उन्होंने अभियान में सहयोग करने वाले सभी सहयोगकर्ताओं का धन्यवाद किया। जन्म फाउंडेशन की अध्यक्षा शैलजा भाटिया ने कहा कि वो इस अभियान से जुडक़र खुश हैं। उन्होंने अपनी फाउंडेशन द्वारा जनहित विशेषकर लड़कियों के लिए किए जा रहे अभियानों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

एडिक्टिव लर्निंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ 19 जनवरी, 2024 को खुलेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एडिक्टिव लर्निंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, एक पेशेवर अपस्केलिंग और कैरियर सेवाओं से संबंधित एक विज्ञापन कंपनी है, 19 जनवरी को एक प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के साथ बाजार में प्रवेश कर रही है। कंपनी का लक्ष्य 60.15 करोड़ रुपये जुटाने का है, जिसमें एनएसई एमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध शेयर हैं।

इस्यू का कद 41,37,000 शेयरोका है. और बिक्री के लिए प्रस्ताव (एफएस) 1,60,000 शेयरो तक है, जो 10 रुपये के अंकित मूल्य पर है। **शेयर आवंटन:** क्यूआईबी एंकर पार्ट-11,92,000 इक्विटी शेयर, पात्र संस्थागत खरीदार (QIB)- 95,000 इक्विटी शेयर, गैर-संस्थागत निवेशक (NII)- 5,99,000 इक्विटी शेयर, खुदरा व्यक्तिगत निवेशक (RII)- 13,95,000 इक्विटी शेयर, बाजार निर्माता-3,16,000 इक्विटी शेयर तक। आईपीओ से शुद्ध आय का उपयोग अधिग्रहण (भारत या विदेशों में) के लिए किया जाएगा और अधिग्रहण, प्रौद्योगिकी में निवेश, नए पाठ्यक्रमों का विकास, ब्रांडिंग और विपणन, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट लागतों की पहचान की जाएगी। एंकर के लिए बोली 18 जनवरी, 2024 को खुलेगी और यह इस्यू 23 जनवरी, 2024 को बंद हो जाएगा।

इस्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर नार्नोलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड है। रजिस्ट्रार मशीत्ला प्राइवेट लिमिटेड है।

''हम अपने आगामी आईपीओ की घोषणा करने के लिए उत्साहित हैं, एक नए अध्याय की शुरूआत को चिह्नित करते हुए आनंदित है ऐसा एडिक्टिव लर्निंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री रामानुज मुखर्जी ने कहा। अनुभवी पेशेवर और व्यापक अनुभव सहित, प्रयोगात्मक शिक्षा हमारे अविश्वसनीय समर्पण एडटेक परिदृश्य में बढ़ी है। इपीओका यह महत्वपूर्ण पडाव बहुत महत्व रखता है, उठाए गए धनराशि शैक्षिक समाधानों के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदान करने के लिए हमारे मिशन का समर्थन करने के लिए सहायक होगी। हम एक निरंतर वृद्धि की उम्मीद करते हैं और हमेशा विकासशील संपादन परिदृश्य में एक स्थायी प्रभाव डालने का लक्ष्य रखते हैं।'' नार्नोलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) के निदेशक श्री विपिन अग्रवाल ने कहा, ''एडिक्टिव लर्निंग टेक्नोलॉजी का आईपीओ एक महत्वपूर्ण लक्ष्य दिखाता है, हम उनकी यात्रा का हिस्सा बनकर खुश हैं।

टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ केन्या से श्री विश्वकर्मा कौशल विवि का समझौता

रिसर्च प्रोजेक्ट और कंसलटेंसी में मिलकर करेंगे काम

फेकल्टी व विद्यार्थियों का भी होगा आदान-प्रदान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ केन्या के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय मिलकर कौशल एवं तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच स्टूडेंट्स एक्सचेंज और फेकल्टी एक्सचेंज के साथ-साथ रिसर्च प्रोजेक्ट में भी साझेदारी होगी।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ केन्या के डिप्टी वाइस चांसलर प्रोफेसर पॉल वांबुआ ने इस समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इसे एक सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ केन्या के साथ मिलकर कुछ रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू होंगे। इसका फेकल्टी और विद्यार्थी सभी को फायदा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि यह समझौता पांच साल के लिए हुआ है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि शोध एवं अकादमिक प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों की एक संयुक्त प्रबंधन समिति का गठन होगा। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों के तीन-तीन सदस्यों को शामिल किया जाएगा। यह समिति वार्षिक प्रगति की भी समीक्षा करेगी। इस समझौते के अंतर्गत श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को वैश्विक परिवेश के नूतन तकनीकी और कौशल आयामों से रूबरू होने का मौका मिलेगा। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि फेकल्टी भी अंतराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे नवाचारों पर शिक्षण करने में और सक्षम होगी। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने बताया कि इस समझौते के अंतर्गत हमारे विद्यार्थी टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ केन्या जा सकेंगे और उनके विद्यार्थी हमारे यहां आकर रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम कर सकेंगे। इसी तरह से फेकल्टी का भी एक्सचेंज होगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पलवल। नेशनल हाईवे पर बहरोला मोड़ के निकट कार्यक्रम में शामिल होकर फरीदाबाद लौट रहे एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जबकि एक घायल हो गया। सदर थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। सदर थाना प्रभारी छत्रपाल के अनुसार, करमन गांव निवासी सुनील कुमार ने दी शिकायत में कहा है कि उसका दोस्त फरीदाबाद सेक्टर-23 निवासी राहुल उसके घर पर एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद पीड़ित व उसका दोस्त राहुल बाइक पर फरीदाबाद जा रहे थे। लेकिन जब उनकी बाइक नेशनल हाईवे पर बहरोला मोड़ के पास पहुंची तभी किसी अज्ञात गाड़ी ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। बाइक को पीड़ित स्वयं चला रहा था और उसका दोस्त राहुल पीछे बैठा हुआ था। टक्कर लगने से दोनों सड़क पर जा गिरकर घायल हो गए। उसको मामूली चोटें लगी थी। जबकि उसका दोस्त राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित राहगीरों की मदद से राहुल को लेकर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचा।

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

सार्वजनिक सूचना प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री हेतु निविदा-सह-ई-नीलामी

[नियम 8(6) का परंतुक देखें]
चल आस्तियों की बिक्री हेतु सूचना

चल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनः निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन

सर्वसाधारण तथा विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित चल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, जिसका भौतिक कब्जा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, नीचे दिए गए संक्षिप्त विवरण अनुसार **"जैसा है जहां है", "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है;

क्र. सं.	उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/ गारंटर्स का नाम	सुरिक्षत आस्तियों का विवरण ज्ञात भार के साथ यदि कोई हो	बकाया राशि	आरिक्षत मूल्य / जमा धरोहर राशि	निरिक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)	(G)
1.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00034874752 UVPUN00041122284	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET0681 वर्ष : 2016	रु. 57,77,756.80/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
2.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00034889485 UVPUN00041122262	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1063 वर्ष : 2016	रु. 58,74,388.20/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
3.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00034889542 UVPUN00041122306	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1061 वर्ष : 2016	रु. 58,74,388.20/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
4.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00034889700 UVPUN00041122265	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1062 वर्ष : 2016	रु. 58,74,388.20/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
5.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035024940 UVPUN00041122158	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1416 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
6.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035024948 UVPUN00041122149	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1415 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
7.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035024964 UVPUN00041122182	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1419 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
8.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035024971 UVPUN00041122207	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1420 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
9.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035024984, UVPUN00041122134	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1412 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
10.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035025005 UVPUN00041122109	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1413 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
11.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035025012 UVPUN00041122112	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1409 वर्ष : 2016	रु. 59,86,589.10/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
12.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035025021 UVPUN00041122128	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1410 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
13.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035027693 UVPUN00041122101	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1411 वर्ष : 2016	रु. 59,81,103.90/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
14.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035054044 UVPUN00041122238	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1423 वर्ष : 2016	रु. 60,87,257.70/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
15.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035054053 UVPUN00041122086	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1421 वर्ष : 2016	रु. 60,95,734.20/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
16.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035054069 UVPUN00041122220	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1422 वर्ष : 2016	रु. 60,95,734.20/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
17.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035054113 UVPUN00041122248	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1424 वर्ष : 2016	रु. 60,95,202.20 दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे
18.	एम्पायर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (उधारकर्ता) एम पी एंटरप्राइजेज एंड एसोसिएट्स लि., अभिषेक मधुकर पाठक (सह उधारकर्ता) – लैन नं. LVPUN00035025002 UVPUN00041122191	जेबीएम सिटी लाइफ बस सीएनजी बीएस IV एसी, पंजीकरण सं. UP16ET1418 वर्ष : 2016	रु. 59,87,437.30/- दिनांक 10.01.2024 तक	रु. 15,50,000/- / रु. 1,55,000/-	जनवरी 22, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे	फरवरी 09, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजेंसी **कार देखो** की वेबसाइट (यूआरएल लिंक-**https://auctions.cardekho.com/#/**) पर आयोजित की जाएगी। बंधकदाताओं / सूचना प्रेषितकर्ताओं को फरवरी 08, 2024 को शाम 05:00 बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/इन संरक्षित आस्तियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बोलीदाताओं को अपना प्रस्ताव बयाना राशि (कॉलम ई देखें) के साथ एक सीलबंद लिफाफे में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टावर तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली-110005 या हमारे मार्केटिंग एजेंट कार देखो- 11वीं मंजिल, टावर बी, एम्मार डिजिटल ग्रीन्स, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन, रोड, सेक्टर-61, गुरूग्राम, हरियाणा-122011 में 08 फरवरी 2024 को शाम 05:00 बजे से पहले जमा करना होगा जिसमें "संपत्ति की खरीद के लिए प्रस्ताव" का उल्लेख हो। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/शैडूल्ड बैंक द्वारा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की दिल्ली शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी या निविदाएं जमा करने के नियमों और शर्तों के संबंध में किसी भी अतिरिक्त स्पष्टीकरण हेतु, कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, 8584874809/9372730494/8126013708 पर या कार देखो 7701827194 से संपर्क कर सकते है।

वे निविदाएँ जो बैंक/ई-नीलामी विक्रेता अधिकारी द्वारा स्वीकार की गई हों और पूर्ण विवरण के साथ कट-ऑफ समय से पहले पंजीकृत हों, केवल नीलामी के लिए विचार किया जाएगा।

प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई और कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया **www.icicibank.com/n4p4s** पर जाएं।

दिनांक : जनवरी 18, 2024
स्थानः दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

भाई पर लाठी-डंडों से हमला, पत्नी बच्चों को किया घायल

पलवल। भाई की प्रॉपर्टी पर कब्जा करने के नीयत से उसके सगे भाई ने घर में घुसकर तोडफोड़ कर उसकी पत्नी, बच्चों को लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी भाई ने धमकी दी है कि वह उसके मकान व जमीन जायदाद पर कब्जा करेगा। विरोध किया तो उन्हें जान से खत्म कर देगा। चांदहट थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर उसके भाई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

चांदहट थाना प्रभारी दलबीर के अनुसार, अलावलपुर गांव निवासी नरेश कुमार ने दी शिकायत में कहा है कि वह घर पर मौजूद नहीं था। उसी दौरान उसका छोटा भाई दिनेश ने उसके घर में घुसकर तोड़-फोड़ की और विरोध करने पर उसकी पत्नी व बच्चों के साथ मारपीट की। आरोप है कि दो दिन पहले उसके भाई दिनेश ने उसके ट्यूबवेल पर जाकर सर्विस बगैरा तोड़ दी थी और पीड़ित व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी कहता है कि तुम्हें मारकर तुम्हारी जमीन जायदाद व घर मकान पर कब्जा करूंगा। आरोपी से उसे व उसके परिवार को जान का खतरा बना हुआ है।

एसपीएस इंटरनेशनल के टैलेंट शो से तैयार होगी कलाकारों की पौध

अभिनेता शर्मन जोशी होंगे ओपन टैलेंट शो के मुख्य अतिथि

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हुडा सेक्टर-2 स्थित एसपीएस इंटरनेशनल में 20 जनवरी को एक ओपन टैलेंट शो का आयोजन किया जा रहा है। इस शो में पलवल एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी विद्यालयों के तीन से आठ वर्ष तक की आयु के छात्र भाग ले सकते हैं।

विद्यालय के अध्यक्ष सुरेश भारद्वाज ने प्रेस वार्ता के माध्यम से बताया कि इस वर्ष के ओपन टैलेंट शो में थ्री ईडियट्स, ढोल, रंग दे बसंती और गोलमाल जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शर्मन जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि उनके विद्यालय की प्राथमिकता प्रत्येक विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, जिसके लिए वह प्रतिवर्ष इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। विद्यालय की अकादमिक डायरेक्टर डॉ. संतुष्टि थापर ने बताया कि ओपन ओपन टैलेंट शो में तीन से आठ वर्ष तक के छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं। जिसमें नाटक, बेबी शो, फैशन शो, रोल प्ले, मिमिक्री, क्ले मॉडलिंग, गायन, नृत्य, मैजिक शो, कविता वाचन और खेलकूद जैसी कई प्रतियोगिताएं शामिल हैं। विद्यार्थी अपनी किसी भी कला का खुले रूप से प्रदर्शन करने के लिए स्वतंत्र रूप से आमंत्रित हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रतिभागी को पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट तथा विजेता विद्यार्थियों को आकर्षित पुरस्कारों से पुरस्कृत भी किया जाएगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता छाबड़ी ने कहा कि इस प्रेस वार्ता के माध्यम से एसपीएस इंटरनेशनल पलवल एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी विद्यालयों के तीन से आठ वर्ष तक की आयु के छात्र इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं।

वहीं सुरेश भारद्वाज का कहना है कि एसपीएस इंटरनेशनल समय-समय पर विद्यार्थियों के समूचे विकास के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। हाल ही में विद्यालय ने समाज कल्याण में अपना अहम योगदान देते हुए नशा मुक्त भारत एवं अखंड भारत के बैनर तले मैराथन का आयोजन किया था, जिसमें पांच से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और तीन दिवसीय स्पोर्ट्स मीट का भी आयोजन किया था। जिसमें न केवल पलवल, बल्कि आसपास के जिलों से भी करीब 58 विद्यालयों के छात्रों ने भाग लेकर अपनी खेलों की कला का प्रदर्शन किया था। विद्यालय प्रतिवर्ष इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। उसी कड़ी में इस ओपन टैलेंट शो का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य कला को निखारना है।

गणतंत्र दिवस का आयोजन शानदार ढंग से होगा : द्विजा

प्रारंभिक तैयारियों का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिलास्तर पर स्थानीय नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन बड़े ही भव्य ढंग से किया जाएगा। इस समारोह में स्कूली बच्चों की देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व विभिन्न विभागों की विकासात्मक गतिविधियों व योजनाओं से संबंधित झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

यह निर्देश गणतंत्र दिवस समारोह को सफलतापूर्वक मनाने के उद्देश्य से नगराधीश द्विजा ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में प्रारंभिक तैयारियों का जायजा लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व है, इसलिए इसका आयोजन भी बडे ही शानदार ढंग से होना चाहिए। उन्होंने विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि समारोह की भव्यता में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके आयोजन के लिए सौंपी गई जिम्मेवारियों को सभी विभाग तय समय सीमा में पूर्ण कर समारोह के शानदार आयोजन में अपनी अहम भागीदारी सुनिश्चित करें। नगराधीश द्विजा ने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी समय से पहले आयोजन स्थल के परेड ग्राउंड की साफ-सफाई व लेबलिंग, सड़क मार्ग को दुरुस्त करवाने, सड़क मार्ग के दोनों ओर कच्चे रास्ते में घास लगवाने, पेड़ों पर रोगन करवाने, एंट्री प्वाइंट पर लेबलिंग, टेंट, स्टेज, मोबाइल शौचालय, एंबुलेंस, फायर बिग्रेड व झंडों, साउंड सिस्टम, कार्यक्रम के लिए बिजली की निर्बाद उपलब्धता के निर्देश दिए।

जनता फाड़ेगी विधायक के कपड़े इसी डर से उतारे

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य धर्मवीर भड़ाना एवं आम आदमी पार्टी जिला सचिव मेहरचंद हरसाना ने अपने एक संयुक्त बयान में कहा कि फरीदाबाद-86 का विधायक नीरज शर्मा अपने क्षेत्र में विकास करने की बजाय नए-नए ड्रामा और नए-नए स्वांग रचता रहता है।

फरीदाबाद-86 की हर गली सीवर के पानी से और गंदगी से पटी हुई है। शिविरों के ढक्कन खुले हुए हैं, प्रतिदिन उसमें लोगों के गिरकर मरने की खबर आती रहती है। बात करें पीने के पानी की तो मीठे पानी की एक एक बूंद को तरसते लोग टेंकरों के सहारे जिंदा हैं। मूलभूत सुविधाओं की बात करें तो इसमें पानी के बाद बिजली का नंबर आता है, जो फरीदाबाद-86 की जनता हमेशा इससे वंचित रहती है। बिजली आती नहीं है और लंबे-लंबे बिल लोगों के घर में भेज दिए जाते हैं। लगातार बिजली बोर्ड कर्मचारी घरों में घुसकर दिन प्रतिदिन छापेमारी कर मोटा जुर्माना वसूलते हैं।

कांग्रेस विधायक ने सीएम आवास के सामने कपड़े उतारे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सरकारी आवास पर वस्त्र त्यागने जा रहे कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा को विधायक हॉस्टल के बाहर ही पुलिस ने रोक लिया। इसके बाद उन्होंने हॉस्टल के सुभाष पार्क में ही अपने कपड़ों का त्याग कर दिया। इस दौरान उन्होंने सरकार के विरोध में लिखे गए स्लोगन वाले वस्त्र पहने। इस दौरान काफी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

उन्होंने यह आरोप लगाया है कि सरकार की ओर से उन्हें उनकी विधानसभा में विकास कार्यों के लिए 28 करोड़ रुपए देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक यह राशि रिलीज नहीं की गई है।

उन्होंने बताया कि इस कारण से उनकी विधानसभा में नारकीय स्थिति बनी हुई है। इसके विरोध में उन्होंने अपने सिले हुए वस्त्रों का त्याग किया है। एनआईटी से कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा एक बार पहले भी अपने सिले हुए वस्त्रों का त्याग कर चुके हैं।

राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा व अन्य नेताओं के साथ अयोध्या में भगवान राम के दर्शन के बाद विधायक ने यह ऐलान किया। विधानसभा में विधायक ने एक माह में फाइल पास न होने पर कपड़े त्यागने की चेतावनी दी थी। इससे पहले फरीदाबाद नगर निगम में भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर विधायक शर्मा कपड़े त्याग चुके हैं।

नीरज शर्मा ने बताया कि विधानसभा के पिछले सत्र में उन्होंने सरकार से एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर फाइल अटकाने को लेकर सवाल पूछा था। इस पर सरकार ने जवाब दिया था कि संबंधित विकास कार्य नगर निगम के कार्यक्षेत्र में आते हैं।

निगम के पास 626.59 करोड़ रुपये का फंड उपलब्ध है। यदि निगम विकास कार्यों के लिए धन उपलब्ध कराने में असमर्थ है, तो सरकार निगम को अतिरिक्त अनुदान देगी।नीरज शर्मा ने विधानसभा में कहा था कि दो महीने से विकास कार्यों की फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय में लंबित है। इसे पास नहीं किया जा रहा है।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री चाहत राम पुत्र श्री रामफल ने गांव हरौला मकनपुर, तहसीलः दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश में स्थित एक आवासीय निर्मित प्लॉट एरिया परिमाप 300 वर्ग मीटर, और कुल कवर एरिया परिमाप 900 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 796 में से, खतौनी के माध्यम से मालिक हैं। सभी व्यक्तियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री प्रमोद कुमार अवाना श्रीमती सुदेश अवाना उक्त संपत्ति को एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड) के पास गिरवी रख रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।

श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद 201014
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 8130200837

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुदेश रुस्तोगी पत्नी श्री मुकेश रुस्तोगी 'आवासीय लीजहोल्ड संपत्ति मकान सं./प्लॉट नंबर 39, ब्लॉक-ए, चोरोसिया एस्टेट, सेक्टर-सिग्मा IV, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, एरिया परिमाप 220.00 वर्ग मीटर के कब्जा का 'स्वामित्व धारक' है।' (इसके बाद 'उक्त संपत्ति' के रुप में संदर्भित) लीज डीड दिनांक 30.10.2006 के तहत 31.10.2006 को उप रजिस्ट्रार-सदर, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के कार्यालय में बही नंबर 1, ज़िल्ड नंबर 1436, पृष्ठ 221 से 348, पार क्रमांक नंबर 12708 में पंजीकृत किया गया है। वह मूल दस्तावेज डब्ल्यू. आर.टी. उक्त संपत्ति दिनांक 30 अक्टूबर, 2006 की लीज डीड है, जैसा कि ऊपर बताया गया है, खो गई है, गुम हो गई है और आज की तारीख में अप्राप्य है। जिसके बदले में सूचना रिपोर्ट दिनांक 17.01.2024 को दिल्ली पुलिस को दिया गया है जिसका एलआर नंबर 1354175/2024 है। इसलिए, यह आम जनता को बड़े पैमाने पर सूचित किया जाता है, यानी किसी भी व्यक्ति, कंपनी, प्राधिकरण, सोसायटी, संगठन, वित्तीय संस्थान, अन्य बैंक, एचयूएफ आदि, उपर्युक्त खोए हुए/गुम हुए मूल दस्तावेजों के बारे में कोई जानकारी, अभिरक्षा या कब्ज़ा होना या अन्यथा उक्त संपत्ति में स्वामित्व, उत्तराधिकार, विरासत, बिक्री, बंधक के माध्यम से कोई दावा, अधिकार, शीर्षक, हित, कब्ज़ा आदि। (भारतीय स्टेट बैंक को छोड़कर), विनिमय, शुल्क, उपहार, ट्रस्ट, ऋणभार इत्यादि। सहायक दस्तावेजों के साथ आगे आ सकते हैं, जिन्हें इस प्रकाशन की दिनांक से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सौंप दिया जाना चाहिए, जिसकी समाप्ति के बाद, कोई भी दावा या आपत्ति, यदि उठाया या प्राप्त किया जाता है, तो उसे अमान्य शून्य माना जाएगा और माफ कर दिया जाएगा।

अपेक्षा शरण (अधिवक्ता)
[भारतीय स्टेट बैंक की ओर से]
खुदरा संपत्ति केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र,
डी-40, द्वितीय और तृतीय तल, साउथ एक्सटेंशन-1,
नई दिल्ली-110049 मोबाइल नंबर. 9873318178
ईमेलः sbi.16683@sbi.co.in

अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछडे वर्ग का खास ध्यान

रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी विधानसभा के जवाहर कॉलोनी और नंगला क्षेत्र के मुस्लिम रंगरेज समाज के प्रमुख लोगों और नौजवानों ने रंगरेज फाउंडेशन ऑफ इंडिया के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष व आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश महामंत्री मोहम्मद सिराज के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष राज कुमार वोहरा से मुलाकात की।

उन्होंने जिला अध्यक्ष को फूल मालाएं पहनाकर शुभकामना दी। उन्होंने जिला अध्यक्ष को अपने इलाके की समस्याओं से अवगत करवाया और समस्याओं को हल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने मुस्लिम समाज द्वारा उनके स्वागत व अभिनंदन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और साथ ही सभी आये हुए मुस्लिम समाज के लोगों को उनकी समस्याओं के हल करने का आश्वासन दिया। वोहरा ने कहा कि भाजपा ने हमेशा से मुस्लिमों के विकास के लिए कार्य किया है। पीएम मोदी ने तीन तलाक के मुद्दे पर भी मुस्लिम समाज को बड़ा तोहफा दिया है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और हरियाणा में मनोहर लाल की सरकार कोई भेदभाव नहीं करती और भाजपा के राज में हर समाज सुरक्षित और भयमुक्त है। सरकार सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के मूलमंत्र पर चल सभी वर्ग और संप्रदाय के लोगों के हित में योजनाएं बनाती है और उनको क्रियान्वित करती है, ताकि समाज व देश मजबूत एवं समृद्ध बने। भाजपा सरकार में बिना भेदभाव के हर वर्ग के लोगों का विकास हो रहा है। अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़े वर्ग का खास ध्यान रखा जा रहा है। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि 22 जनवरी को श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आप सभी अपने-अपने घरों पर दिये जलाएं और इस शुभ दिन को दीपावली की तरह मनाकर सामाजिक सौहार्द का संदेश दें।

बसपा की रणनीति

गठबंधन को चुनौती

बसपा की रणनीति ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के समक्ष चुनौती पेश की है। उसके संभावित सहयोगी अकेले चलने का फैसला कर सकते हैं और सीट-साझा की समस्या गंभीर हा जाएगी। 'इंडिया' गठबंधन का उद्देश्य विपक्षी शक्तियों को एकजुट कर लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करना है, लेकिन उसे लगातार झटके लग रहे हैं। नवीनतम समस्या बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्णय से पैदा हुई है कि वे इस गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेंगी। इससे गठबंधन का मूलभूत आधार ही संकट में पड़ जाता है क्योंकि इससे विपक्षी वोटों में विभाजन रोकने का मुख्य उद्देश्य विफल हो जाता है। मायावती के निर्णय से उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन को तगड़ा धक्का लगा है जो लोकसभा में सर्वाधिक सांसद भेजता है। 'इंडिया' के लिए दूसरी बाधा उसकी अपनी कतारों के भीतर से आती है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस ने केन्द्रीय नेतृत्व को सलाह दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस-टीएमसी से गठबंधन न करे। यह आंतरिक टकराव भाजपा के खिलाफ मजबूत चुनौती पेश करने के लिए संयुक्त मोर्चा बनाने के गठबंधन प्रयासों में बड़ी बाधा है। इसके पहले टीएमसी ने कांग्रेस को दो सीटों का प्रस्ताव किया था जिससे इस बड़ी पार्टी में भारी गुस्सा पैदा हुआ था। लेकिन बात केवल इतनी ही नहीं है। यह समस्या सीटों की साझा व्यवस्थाओं की तुलना में बहुत कम है, लेकिन उस पर अभी विचार तक नहीं हुआ है। क्षेत्रीय पार्टियां अपने संबंधित गढ़ों में ज्यादा वोट पाना चाहती हैं, लेकिन वे कांग्रेस को बहुत ज्यादा सीटें देने की इच्छुक नहीं हैं। स्वयं को मुख्य राजनीतिक पार्टी के रूप में पुन: स्थापित करने का प्रयास कर रही कांग्रेस काफी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन क्षेत्रीय शक्तियों को कांग्रेस के पक्ष में अपने दावे छोड़ने के लिए तैयार करना एक जटिल चुनौती है। इसके लिए संवेदनशील विचार-विमर्श तथा समझौते की जरूरत है।

क्षेत्रीय पार्टियों द्वारा कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने में हिचक के अनेक कारण हैं। अनेक क्षेत्रीय क्षत्रपों को भय है कि ज्यादा संख्या में सीटें देने से उनकी अपनी राजनीतिक जमीन तथा लेन-देन की शक्ति कमजोर हो सकती है। व्यापक परिदृश्य में देखा जाए तो 'इंडिया' समूह आज जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, वे उसके गठन के समय से ही मौजूद हैं। विपक्ष ने विपक्षी दलों का ऐसा गठबंधन तैयार करने में सफलता पाई जो वैचारिक रूप से एक दूसरे से अलग तथा चुनावी दृष्टिकोण से परस्पर विरोधी थे। उनके बीच समान मुद्दा केवल भाजपा को हराना था। लेकिन समय बीतने के साथ नेताओं को लगा कि यदि भाजपा को हरा दिया जाए तो भी यदि वे फौरन स्वयं को मजबूत नहीं करते हैं तो हाशिए पर धकेल दिए जाएंगे। यह 'इंडिया' समूह की मुख्य समस्या है। इसका समाधान केवल तभी हो सकता है जब क्षेत्रीय पार्टियां अपनी महत्वाकांक्षा घटाने तथा संबंधित राज्यों में थोड़ा स्पेस छोड़ने को तैयार हों, लेकिन यह बहुत कठिन है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी अपनी ही समस्याओं से परेशान है क्योंकि उसके नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीतिक नेतृत्व, लेनदेन का कौशल तथा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं पर सामूहिक हितों को रखने की प्रतिबद्धता चाहिए। इन बाधाओं को पार करने की 'इंडिया' की क्षमता आम चुनाव में उसकी प्रभावशीलता निर्धारित करेगी।

लोकसभा चुनाव की चुनावी गणित

जनता पार्टी, संयुक्त मोर्चा व राष्ट्रीय मोर्चा जैसे सफल गठबंधनों के रास्ते पर चलना विपक्षी दलों के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में लाभदायक हो सकता है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जनता पार्टी, संयुक्त मोर्चा व राष्ट्रीय मोर्चा जैसे सफल गठबंधनों के रास्ते पर चलना विपक्षी दलों के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में लाभदायक हो सकता है। हालांकि, यह रास्ता बहुत आसान नहीं है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिार्जुन खड़गे को गठबंधन का अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समन्वयक का पद ठुकरा दिया है, हालांकि विपक्षी नेता उनको मनाने के प्रयास कर रहे हैं। चुनावों के पहले चुनावी साझेदारी करना तूलनात्मक रूप से आसान हो सकता है, लेकिन असली चुनौती सीटों पर साझा करने के समझौते में सामने आएगी। ऐसे में सवाल है कि 'इंडिया' समूह में सीटों का साझा कितना कठिन होगा और क्या विपक्ष चुनावों के पहले इन बाधाओं को दूर करने में सफल होगा? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिार्जुन खड़गे को गठबंधन का औपचारिक रूप से अध्यक्ष बनाने के बाद अब कांग्रेस पार्टी 26 पार्टियों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। उसके सामने ऐसा समाधान निकालने की चुनौती है जो सभी गठबंधन साझीदारों को संतुष्ट कर सके।

गठबंधन ने तय किया है कि हर सीट पर भारतीय जनता पार्टी-भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार खड़ा हो ताकि विपक्ष के वोटों में बंटवारे को रोका जा सके। लेकिन कांग्रेस-नीत गठबंधन को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियां अधिकाधिक सीटों के लिए उस पर भारी दबाव डाल रही हैं। क्षेत्रीय पार्टियों की यह मांग केवल कांग्रेस की कीमत पर पूरी की जा सकती है। मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी की ओर से निर्देश दिया गया है कि वे अन्य गठबंधन दलों के नेताओं से बातचीत कर यह विरोधाभासी स्थिति दूर करने का प्रयास करें। इस निर्देश से संकेत मिलता है कि कांग्रेस इस बार साझीदारों को संतुष्ट करने के लिए थोड़ी कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। कांग्रेस पार्टी ने कुछ राज्यों में चुनाव के पहले अन्य राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन बनाए थे। वह तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम-द्रमुक, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल-राजद व जनता दल युनाइटेड-जदयू और झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा-जेएमएम के साथ गठबंधन में है।

हालांकि, ये गठबंधन जारी हैं, लेकिन कांग्रेस जानती है कि कुछ राज्यों में सीट-साझा की चुनौती बहुत गंभीर है। खासकर दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल व उत्तर प्रदेश में उसके सामने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीटों का समझौता बहुत जटिल व परेशानियों में घिरा हुआ है। अपनी पार्टी को मजबूत करने की इच्छा तथा स्वयं को राजनीतिक रूप से मजबूत करने के प्रयासों के बीच कांग्रेस पार्टी वर्तमान समय में अपनी पार्टी और गठबंधन सहयोगियों के हितों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास कर रही है। उसके सामने क्षेत्रीय साझीदारों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने की चुनौती है। गठबंधन साझीदारों को सीटें देने के मामले में कांग्रेस की स्थानीय इकाइयों व सर्वोच्च नेतृत्व के बीच मतभेद व्याप्त हैं। कहा जाता है कि पश्चिम बंगाल की कांग्रेस ने टीएमसी के साथ सीट साझा न करने की सलाह दी है और लगभग यही स्थिति पंजाब कांग्रेस की है जो आम आदमी पार्टी-आप से सीट साझे को तैयार नहीं है। इस यथार्थ को देखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिार्जुन खड़गे ने पार्टी की गठबंधन समिति को सहयोगियों को समाहित करने के लिए प्रयास तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन में शामिल विपक्षी दलों के नेताओं से भी समन्वय का अनुरोध किया है।

कांग्रेस पार्टी 13 राज्यों में सीधे भाजपा से मुकाबला करेगी, जबकि आंध्र प्रदेश, केरल, ओडिशा और तेलंगाना में उसका मुकाबला गैर-भाजपा पार्टियों से होगा। कांग्रेस पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-माकपा से भी सीटों का साझा करेगी। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस एक मजबूत राजनीतिक शक्ति है। लेकिन यहां आम आदमी पार्टी-आप कांग्रेस प्रभुत्व के खिलाफ मजबूत विरोधी के रूप में उभरी है। अब आम आदमी पार्टी-आप की दिल्ली और पंजाब में सरकारें हैं। हालांकि, कांग्रेस दिल्ली में चार तथा पंजाब में सात सीटें मांग रही है, पर यहां सत्तारूढ़ आप पार्टी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। इसके साथ ही आप अन्य राज्यों, जैसे गोवा, हरियाणा और गुजरात में भी चुनाव लड़ना चाहती है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी-सपा, बिहार में राजद व जदयू, जम्मू कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी-पीडीपी तथा तमिलनाडु में द्रमुक सीटों के आबंटन में अपना वर्चस्व चाहती हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीटों पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहती हैं। इस बीच झारखंड में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा-जेएमएम व राष्ट्रीय जनता दल-राजद 'इंडिया' समूह में शामिल अन्य साझीदारों की तुलना में ज्यादा सीटें चाहते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 421 सीटों पर चुनाव लड़ा था, पर वह केवल 52 सीटें जीतने में सफल हुई थी।

कांग्रेस ने कुछ राज्यों में गठबंधन बनाए थे और वहां वह कम सीटों पर लड़ी थी। कांग्रेस ने बिहार में 9, झारखंड में 7, कर्नाटक में 21, महाराष्ट्र में 25 तथा तमिलनाडु में 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 70 पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस केवल अपने दम पर भाजपा को हराने में ज्यादा सक्षम नहीं है। कांग्रेस 272 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी जो लोकसभा में स्वतंत्र रूप से सरकार बनाने के लिए जरूरी हैं, लेकिन वह अब तक की सबसे कम 255 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो सकती है। ऐसी स्थिति में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने पर वह 125 सीटें जीत सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस को 190 से अधिक सीटों पर भाजपा को सीधे चुनौती देने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। इसके लिए उसे इन सीटों पर मजबूत नेताओं को चुनाव मैदान में उतारना होगा। कांग्रेस को जमीनी स्तर पर बूथ समितियों को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

विडंबना है कि कांग्रेस द्वारा स्वयं को मजबूत करने के प्रयासों का निकट अतीत में कोई खास नतीजा नहीं निकला है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' भी विवादों से बच नहीं सकी है। जदयू के वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी ने कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं कि उसने विपक्षी समूह 'इंडिया' में साझीदार राजनीतिक पार्टियों के साथ मिल कर यात्रा क्यों नहीं निकाली। उनका कहना है कि इस प्रकार की संयुक्त यात्रा से विपक्षी दलों को लाभ होता। हालांकि, कांग्रेस ने अपने साझीदार राजनीतिक दलों को इस यात्रा में शामिल करने का आमंत्रण दिया है, पर अभी यह तय नहीं है कि उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी। केवल नेशनल कान्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने यात्रा में शामिल होने का वादा किया था।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता का श्रेय राहुल गांधी को मिलेगा। वर्तमान समय में अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के मामले मे भी विपक्ष कठिन स्थिति में फंस गया है। विपक्षी गठबंधन ने इस समारोह के बहिष्कार का निर्णय किया है। अनेक विपक्षी नेताओं का मानना है कि इसमें शामिल होने से केवल भाजपा के 'राजनीतिक आयोजन' और उसके विमर्श को सहायता मिलती। हालांकि, कांग्रेस ने तय किया है कि 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में वह भाग नहीं लेगी, लेकिन कांग्रेस में इस मामले पर भी आंतरिक मतभेद थे और बहुत से नेताओं का मानना था कि इस आयोजन में भाग लेना चाहिए।

माकपा नेता सीताराम येचुरी ने भी सज्जनता से इस आमंत्रण ठुकरा दिया है। हालांकि, चुनाव सर्वेक्षणों ने अनुमान लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी चुनाव में विजयी होंगे, लेकिन यदि एकजुट रहे तो विपक्ष के पास अब भी संभावना है। विपक्षी दलों को जनता पार्टी, संयुक्त मोर्चा और राष्ट्रीय मोर्चा के सफल प्रयोगों से सबक लेना चाहिए। चुनाव जीतने के लिए विपक्ष को मोदी सरकार की विफलताओं तथा अपनी वैकल्पिक योजनाओं का प्रभावी प्रचार करना चाहिए। यह महत्वपूर्ण हिंदी पट्टी में चुनौतीपूर्ण होगा। आखिरकार यह मतदाताओं को तय करना है कि क्या वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन जारी रखेंगे?

तीसरी पारी की तैयारी में भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगामी चुनावों में निर्णायक जीत के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की, गठबंधन और मोदी के करिश्मे पर भरोसा किया।

केएस तोमर
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

वर्ष 2024 में मोदी की तीसरी जीत हासिल करने के लिए भविष्य की रणनीति पर चर्चा करते हुए, नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि देश के लोग प्रधानमंत्री को एक और अवसर देने के इच्छुक हैं, जिसका लक्ष्य भारत को विकसित देशों की श्रेणी में आगे बढ़ाना है। राज्य चुनावों के नतीजे मोदी की गारंटी में विश्वास पर निर्भर हैं, जो विपक्ष के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहे हैं, विश्वसनीयता और सुसंगतता की कमी है। नड्डा का अनुमान है कि भारत को क्षेत्रीय अहंकार, अति-महत्वाकांक्षा, आंतरिक विरोधाभास और कांग्रेस पर गांधी परिवार के नियंत्रण के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा, स्थिरता का प्रतीक, और मोदी, इसके उपरिकेंद्र, एक महत्वपूर्ण %मंत्र% बनाते हैं, जिससे 2024 के चुनावों में बड़ी संख्या में लोकसभा सीटें हासिल करने में प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है। नड्डा ने उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे निहित स्वार्थों की आलोचना की और कहा कि ऐसी रणनीति विफल हो जाएगी, खासकर विभाजनकारी एजेंडे को विफल करने की भाजपा की प्रतिबद्धता के साथ।

तेलंगाना और कर्नाटक में हार को संबोधित करते हुए, नड्डा आशावादी रूप से 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग मतदान गतिशीलता की उम्मीद करते हैं। हिमाचल विधानसभा चुनावों में असफलताओं के बावजूद, वह राज्य के लोगों के साथ मोदी के विशेष संबंध पर भरोसा करते हुए, सभी चार लोकसभा सीटें जीतकर फिर से जमीन हासिल करने की योजना बना रहे हैं।.

नड्डा ने 2024 के चुनावों के लिए भाजपा की तैयारी पर जोर दिया, और उन 150 संसदीय सीटों पर जीत हासिल करने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिन पर पहले पार्टी ने दावा नहीं किया था। पार्टी

का लक्ष्य सीट बंटवारे और साझा एजेंडे पर विपक्ष के आंतरिक संघर्ष के विपरीत लचीला रुख अपनाते हुए नए गठबंधन बनाना है। कांग्रेस के विपरीत, भाजपा राज्यों में पीढ़ीगत बदलाव के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है, जो मुख्यमंत्रियों के सहज चयन से स्पष्ट है। नड्डा ने सांसदों को मैदान में उतारने, कार्यकर्ताओं की बलिदान के लिए तत्परता दिखाने में पार्टी के अनुशासित दृष्टिकोण की सराहना की। नड्डा ने आरएसएस के साथ भाजपा के सहयोग पर जोर दिया, यह रिश्ता नब्बे के दशक की शुरुआत से चला आ रहा है। मोदी के साथ नड्डा का घनिष्ठ संबंध नब्बे के दशक की शुरुआत से है, जब मोदी हिमाचल के पार्टी मामलों के प्रभारी थे और वे शिमला में लैंब्रेटा स्कूटर पर एक साथ घूमते थे। जमीनी स्तर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लिए यह एक लंबी, कठिन यात्रा रही है। कार्यकर्ता और पूर्व छात्र नेता, 63 वर्षीय जगत प्रकाश नड्डा, जिन्हें शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें गतिशीलता, दृढ़ता, संयम और परिपक्वता का प्रतीक माना जाता है। बाद में वह 20 जनवरी, 2020 को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुने गए और राज्य चुनावों और आम चुनावों के कारण उन्हें जून, 2024 तक विस्तार दिया गया।

एक आरएसएस कार्यकर्ता से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का नड्डा का सफर मोदी और शाह में उनके विश्वास से चिह्नित है। वह शाह के मानकों से मेल खाने की चुनौती को स्वीकार करते हुए अपनी सफलता का श्रेय उन्हें देते हैं। धूमल से मतभेद के कारण 2010 में हिमाचल की राजनीति से नड्डा के बाहर होने से उन्हें संगठन में काम करने का मौका मिला।

2017 में हिमाचल विधानसभा चुनावों के बाद, सीएम के रूप में नहीं चुने जाने पर नड्डा की अप्रभावित प्रतिक्रिया ने उन पर पार्टी नेतृत्व के विश्वास की पुष्टि की। मोदी और शाह की रणनीतिक योजना, जो अग्रिम घोषणाओं से स्पष्ट है, ने अनुराग ठाकुर और नड्डा को महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए तैनात किया। जयप्रकाश नारायण के बिहार आंदोलन और आरएसएस के साथ जुड़ाव ने उनके राजनीतिक करियर को आकार दिया। वाजपेयी, शेखावत और आडवाणी द्वारा निर्देशित, नड्डा को उनके उदारवादी और खुले विचारों वाले दृष्टिकोण के लिए पहचाना जाता है। 2024 के चुनावों में युवाओं, महिलाओं के विकास, किसानों और गरीबों पर ध्यान केंद्रित करने के मोदी के दृष्टिकोण को प्रमुखता से लेते हुए, नड्डा ने विपक्ष की जाति जनगणना चाल को खारिज कर दिया।

नड्डा अटल बिहारी वाजपेयी, भैरों सिंह शेखावत और लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गजों के प्रभाव में आगे बढ़े, जिन्होंने उनके राजनीतिक जीवन के हर कदम पर उनका मार्गदर्शन किया। वह उदारवादी और खुले विचारों वाले अपने गुणों के लिए जाने जाते हैं। अंत में, जाति जनगणना के विपक्षी चाल को नकारते हुए, नड्डा को लगता है कि बीजेपी राष्ट्रीय जाति जनगणना पर उचित निर्णय लेगी, लेकिन मोदी की चार जातियों का दृष्टिकोण 2024 के चुनावों में प्रमुख होगा, जो मानते हैं कि युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों का विकास होगा। भविष्य में भारत को अगले स्तर पर ले जाएं।

आप की बात

पर्यटन को विस्तार

हमारे देश में गत कुछ वर्षों में बनारस, उज्जैन व अयोध्या में मंदिरों को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। सभी आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ खाने-पीने तथा कम खर्च में ठहरने की व्यवस्था की गई है। आम भारतीय के मन मे धार्मिक आस्था कूट-कूट कर भरी हुई हैं। ऐसे में विख्यात मंदिरों व धर्मस्थलों को पर्यटकों के लिए आकर्षण केंद्र बनाने से व्यवसाइयों, सार्वजनिक परिवहन सेवा देने व व्यापारियों को भरपूर रोजगार मिल रहा है। इससे एक पंथ दो काज हो रहे हैं धार्मिक आस्था के अनुरूप देव दर्शन के साथ धूमने-फिरने की इच्छा भी पूरी हो जाती है। वाराणसी में गोवा से अधिक पर्यटक आने से सिद्ध होता है कि यदि देश के विख्यात स्थलों को आधुनिक सुविधाओं, मनोरंजन के साधनों, आवास व भोजन व्यवस्था से लैस कर दिया जाए तो देश का पर्यटन उद्योग बढ़कर चार गुना हो सकता है। इससे रोजगार बढ़ेगा और लोग पर्यटन के लिए विदेश जाने के बजाय अपना देश में ही खर्च करेंगे। धार्मिक पर्यटन स्थलों पर विदेशी पर्यटक भी अधिक संख्या में आने लगे हैं। विदेशी पर्यटक अपने साथ भारतीय सभ्यता और संस्कृति की छाप ले जाते हैं। ऐसे में सरकार के साथ ही आम जनता को भी पर्यटकों के स्वागत में अधिकाधिक सहयोग करना चाहिए।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

श्रीराम का व्यक्तित्व

सदियों के संघर्ष के पश्चात अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा व मंदिर का 22 जनवरी को उद्घाटन समारोह है। इस शुभ अवसर पर संकुचित राजनीति व धार्मिक पद्धतियों से ऊपर उठाकर मानवीय-भावनाओं की क़द्र करते हुए सभी देशवासियों को एकमत होकर श्रीराम का हर्षोल्लास से अभिवादन करना चाहिए। राम भक्ति हैं, राम शक्ति हैं तथा राम भारतीय संस्कृति व संस्कार के कण-कण और प्रत्येक व्यक्ति के मन में बस कर उसके भविष्य को उज्जवल बनाने में सहयोगी भी हैं। राम परमेश्वर के प्रतीक और प्रतिबिम्ब ही नहीं, एक आदर्श एवं प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। अत: मंदिर बनवाने में असहयोग, सहयोग, आंदोलन व योगदान आदि को भूलकर सबको सम्मिलित करने और सम्मिलित होने के प्रयास होने चाहिए। भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही सभी सरकारों व सारी जनता को देश में रामराज्य लाने की दिशा में काम करना चाहिए जहां कोई दु:खी या दरिद्र न हो, किसी की अकाल मृत्यु न हो और सबको न्याय मिले। भगवान राम वन्यजीवों और पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति प्रेम के भी प्रतीक हैं। अत: रामराज्य का अर्थ विकसित भारत में विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन भी है।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

ट्रंप का रास्ता

अमेरिकी राज्य आयोवा में रिपब्लिकन पार्टी काकस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2024 चुनाव में पार्टी प्रत्याशी बनाने को लेकर हुए प्राइमरी चुनाव में भारी विजय मिली। इसे इस तरह पेश किया जा रहा है मानो ट्रम्प व्हाइट हाउस पहुंच गए हों। लेकिन ऐसा नहीं है और उनकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगले कुछ महीनो के भीतर तमाम 50 राज्यों में नामांकन जीतने की दौड़ जारी रहेगी। शायद ट्रंप को उस अति-राष्ट्रवाद या धुर-दक्षिणपंथ विचारों का लाभ मिल रहा है जो आज पश्चिमी देशों में उभार पर है। ट्रंप पर आर्थिक गड़बड़ियों संबंधी अनेक मुकदमे चल रहे हैं। इसके साथ ही उन पर सबसे गंभीर आरोप यही है कि उन्होंने अपने देश में लोकतंत्र का मंदिर कहे जाने वाले कैपिटल हिल पर हमला करवाया था ताकि जो बाइडेन को मिला जनादेश रद्द किया जा सके। ट्रंप ने एक बार फिर मैक्सिको सीमा से आने वाले प्रवासियों व पर्यावरण-प्रेमियों के खिलाफ जहर उगला है और वे देश को बहुसंख्यकवाद के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने मुस्लिम प्रवासियों पर प्रतिबंध की बात भी कही है। ऐसे में दुनिया भर के लोकतंत्र समर्थकों को इस राजनीतिक परिघटना पर विचार करना होगा जो अमेरिका जैसे देश में भी हावी हो रही है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

दवाओं का दुरुपयोग

जर्नल आफ फार्मास्यूटिकल एंड प्रेक्टिस के अध्ययन के अनुसार देश में गंभीर बीमारियों के लिए प्रयुक्त एंटीबायोटिक दवाओं में 70 प्रतिशत डोज प्रतिबंधित दवाओं के है। हमारे देश में बिना डिग्री के झोलाछाप डॉक्टर धड़ल्ले से इलाज कर रहे हैं। वह एंटीबायोटिक क्या स्टेरॉयड तक देने से नहीं चूकते हैं। स्टेरॉयड से तत्काल राहत भले ही महसूस हो मगर भविष्य में इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। देश में योग्य डाक्टर से दवा, जांच और इलाज का खर्च अधिक होने के कारण लोग नीम हकीम के चक्कर में पड़ जाते हैं या मेडिकल स्टोर वाले से ही अपनी बीमारी बता कर दवाई ले लेते हैं। ऐसे लोग हैवी एंटीबायोटिक डोज देते हैं जिससे मरीज तुरंत ठीक हो जाता है। मगर अगली बार के लिए उसका शरीर उस एंटीबायोटिक का एंटीडोट बना लेता है जिससे बाद में वह बेअसर हो जाती है। दवाओं में मुनाफाखोरी तथा डाक्टरों में निरंतर कौशल विकास के अभाव में भी मरीजों को अद्यतन सुविधायें नहीं मिल पाती हैं। भारत में व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने तथा जनता में व्याप्त स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियां दूर करने की जरूरत है।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

सीएम योगी ने कोलकाता से अयोध्या के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का किया शुभारंभ

● वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर की वायु सेवा की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोलकाता से अयोध्या के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का शुभारंभ किया। लखनऊ में अपने सरकारी आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर इस सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अयोध्या आने वाले समय में देश और दुनिया में टूरिस्ट डेस्टिनेशन के लिए सबसे प्रमुख शहर होने जा रहा है। अयोध्या वैसे भी स्थानीय श्रद्धालुओं की बहुत बड़ी संख्या है, लेकिन पूरे देश में जिस तरह की आतुरता है उसे देखते हुए श्रद्धालुओं के यहां आवागमन को सुलभ बनाने का दायित्व हमने निभाया है। इसके लिए नागर विमानन मंत्रालय ने जो काम किया है वो सराहनीय है।

सीएम योगी ने कहा कि नागरिक विमान मंत्री ज्योतिरादित्य और जनरल वीके सिंह को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी पर विशेष फोकस करते हुए उसे हर संभव सहयोग प्रदान किया है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में बेहतरीन परिणाम सामने दिए हैं और विगत साढ़े 9 वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश में न केवल नए एयरपोर्ट्स आए हैं बल्कि 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश एयर कनेक्टिविटी की दृष्टि से एक अहम राज्य हो गया है। सीएम योगी ने कहा कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने अयोध्या के महर्षि बाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम को संपन्न किया और प्रसन्नता हो रही है कि एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद के साथ वायु सेवा के उपरांत अब कोलकाता और बेंगलुरू के लिए भी एयर इंडिया एक्सप्रेस की यह वायुसेवा प्रारंभ होने जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में अयोध्या भारत की सनातन आस्था का प्रतीक तो है ही, साथ ही प्रभु श्रीराम भी हमारे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष से जुड़े पुरषार्थ के प्रतीक हैं। अयोध्या के अंदर 500 वर्षों के एक लंबे अंतराल के बाद पूरे देश ने अपनी आस्था को अयोध्या के प्रति व्यक्त किया है। आज उसका परिणाम हमारे सामने है। 22 जनवरी 2024 को रामलला अपनी जन्मभूमि पर अपने मूर्त रूप में विराजमान होंगे। स्वाभाविक रूप से पूरे देश में अयोध्या आगमन के लिए एक उत्सुकता और आतुरता है। उनके अयोध्या आगमन के लिए क्या संभावनाएं हो सकती हैं। आज से 6 वर्ष पहले यह कल्पना थी कि अयोध्या के अंदर भी 4 लेन कनेक्टिविटी होगी। अयोध्या रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य से जुड़ेगा। अयोध्या की पवित्र सरयू नदी में क्रूज सेवा प्रारंभ होगी और अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। आज यह एक हकीकत है कि अयोध्या में यह सभी सेवाएं लोगों को प्राप्त हो रही हैं। ये सब कुछ यदि वहां हम करने में सफल हुए हैं तो इसमें प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन और नेतृत्व, डबल इंजन सरकार द्वारा समय पर और तेजी के साथ निर्णय लेने की सामर्थ्य और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका रही है।

कर्नाटक से हनुमान जी का संदेश अयोध्या लाने में होगी सुविधा

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही 821 एकड़ भूमि नागर विमानन मंत्रालय को उपलब्ध करा चुकी है। अभी वहां 500 यात्री एक साथ इस विमान तल का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही 8 विमान वहां लैंड कर सकते हैं। पार्किंग की सुविधा उन्हें उपलब्ध कराई गई है। भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जो योजना नागर विमानन मंत्रालय ने बनाई है, राज्य सरकार इस पूरे कार्यक्रम के साथ सकारात्मक सहयोग करेगी। उन्होंने खुशी जताई कि अब बेंगलुरू से अयोध्या की कनेक्टिविटी होने से अब कर्नाटक से हनुमान जी के संदेश को अयोध्या तक लाने में सुविधा होगी। अयोध्या धाम को कोलकाता और बेंगलुरू से वायुसेवा से जोड़ने के इस कार्यक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राज्य मंत्री जनरल डॉ वीके सिंह, अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह, एयर इंडिया के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर अंकुर गर्ग, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश दुर्गा शंकर मिश्र एवं अपर मुख्य सचिव नागरिक उड्डयन एसपी गोयल समेत एयर इंडिया एक्सप्रेस और अयोध्या के गणमान्य लोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

मात्र 17 दिन में देश के चारों कोनों से जुड़ गया अयोध्या धामः ज्योतिरादित्य सिंधिया

भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जहां राम का नाम, वहां पूरे होते हैं काम। आज एक और महत्वपूर्ण दिन है। पीएम मोदी और सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और प्रगति के मामले नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि एक दीवाली हमने पिछले वर्ष मनाई थी, दूसरी दीवाली हाल ही में तीन राज्यों के चुनाव नतीजों के समय मनाई गई थी और अब तीसरी दीवाली 22 जनवरी को मनाई जाने वाली है। संपूर्ण विश्व की 800 करोड़ जनता में जितने भी रामभक्त हैं 22 जनवरी 2024 उनके जीवन का सबसे स्मरणीय दिन होगा। यह 500 साल का सपना था। हम सबकी कई पीढ़ियों का सपना था कि अयोध्या नरेश भगवान श्रीराम अपने महल में विराजमान हों। अब वह सपना पूरा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में अयोध्या पूरे भारत का सबसे प्रमुख विमान दल बनेगा। कनेक्टिविटी की बात करें तो सीएम योगी ने अयोध्या का पूर्ण कायाकल्प किया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या को दिल्ली और अहमदाबाद से जोड़ने के बाद आज बेंगलुरू और कोलकाता के साथ जोड़ा जा रहा है। 30 दिसंबर को उद्घाटन के बाद से 17 जनवरी तक हमने महज 17 दिन में अयोध्या को देश के चारों कोनों से जोड़ दिया है। यह किसी करिश्मे से कम नहीं है। देश का हर एक श्रद्धालु अपनी श्रद्धा को अर्पित करने के लिए तीव्र गति से अपने पुष्पक विमान से अयोध्या आ सकेगा। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह एयर इंडिया को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अयोध्या धाम की कनेक्टिविटी को और बेहतर बना दिया है। उन्होंने कहा कि यह पहल और आगे चलती रहे जिससे उत्तर प्रदेश की वायु सेवा और बढ़ती रहे। अयोध्या धाम के लिए और भी एयरलाइंस जुड़ना चाहती हैं। जैसे.जैसे वो आगे आएंगी उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राम मंदिर आंदोलन की वजह से संन्यासी हूंः योगी

● सीएम योगी ने कहा- उनके गुरु, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में राम मंदिर आंदोलन आगे बढ़ा था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठता समारोह का श्रेय नहीं ले रहे हैं। हम तो वहां सेवक बनकर जा रहे हैं। मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत सबको मिला है। उन्हें राम मंदिर में आने से किसी ने रोका नहीं है। वो राम के सेवक बनकर आएं, जो राम का सेवक बनकर आएगा, उसका स्वागत है। राम मंदिर आंदोलन में हम सब बहुत पहले से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से वह संन्यासी हैं। सीएम योगी ने बुधवार को ताज होटल में एक टीवी चैनल द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उनके पूज्य गुरुदेव राम मंदिर के आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उस कालखंड में भी उनके मन में इस आंदोलन का नेतृत्व था और गोरखपीठ उनके साथ थी। सीएम योगी ने कहा कि उनके गुरु, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में ये आंदोलन आगे बढ़ा था। अब रामलला प्रकट हो रहे हैं, इससे ज्यादा उत्साह की बात और क्या हो सकती है। सीएम योगी ने कहा कि हम लोग रामभक्त और राम के सेवक के रूप में मंदिर में मौजूद रहेंगे। हमें सौभाग्य मिला है कि हम रामकाज में सहभागी बन गए हैं। जिस काम को दर्जनों पीढ़ियां नहीं देख पाईं, वो समय 500 साल बाद आया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए 3 लाख से ज्यादा लोग शहीद हुए और 76 से ज्यादा बार संघर्ष हुआ। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोग गोरखपीठ आते रहते थे। आज परिणाम के रूप में राम मंदिर सबके सामने है। मेरे गुरु और दादा गुरु इस आंदोलन में शामिल रहे। अब मैं इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनूंगा, ये मेरा सौभाग्य है। सीएम योगी ने कहा कि एक बार फिर रामलला और राम राज्य की अवधारणा सिद्ध हो रही है। राम मंदिर का काम कठिन था। लेकिन ये प्रभु की पहले से रची हुई कृपा है। हम सब उस अभियान के हिस्से हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य असंभव था अगर केंद्र में मोदी सरकार नहीं होती। अब पूरे देश को रामलला के दर्शन करने के लिए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य पार्टियों के चरित्र को जनता जानती है। सीएम योगी ने बताया कि अगर वह सीएम नहीं होते तो भी राम मंदिर आंदोलन में जुड़े होते और सबसे पीछे की कुर्सी पर बैठकर भी गौरवान्वित होते। उन्होंने कहा कि ये समय श्रेय लेने का नहीं है। राम तो परम पिता परमेश्वर हैं।

हर दुकान-हर मकान, गूंज रहा केवल जय श्रीराम-सीताराम

रामोत्सव 2024

● गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सज रही रामनगरी

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या, लखनऊ

अध्यात्म से परिपूर्ण रामनगरी में पौष मास, शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि से श्रीराम मंदिर की प्राण.प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया। इस अयोध्या की हर दुकान, हर मकान, हर सड़क, हर रास्ते पर सिर्फ जय श्रीराम की आध्यात्मिक अनुभूति महसूस की जा रही है तो विरासत और आधुनिकता का समावेश बैठाती नव्य अयोध्या भी दिख रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में राममय हुई आधुनिक अयोध्या त्रेतायुगीन वैभव सी सजने लगी है तो वहीं रामपथ की दुकानों पर फहरा रही राम पताका बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। महज पांच दिन और शेष, जब श्रीरामलला अपने दिव्य.भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो यकीनन दृश्य बेहद भव्य होगा। यह सोच कर ही रामभक्तों का रोम.रोम पुलकित हो उठ रहा है। यहां तक की विंटेज आर्टिस्टिकली क्राफ्टेड स्ट्रीट लाइट लैंप पोल पर भी राम की पताका फहरा रही है।

अयोध्या में दिख रही दीपावली सी रौनक

जैसे दीपावली के पहले रंगते-पुतते घरों की साज.सज्जा समेटी जाती हैए अयोध्या के लिए भी समय कम और काम बहुत अधिक है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में 5 दिन शेष हैं। सरयू के तटों पर मकर संक्रांति की रौनक ने जैसे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का मंगलाचरण कर दिया है। यहां घाटों पर श्रीराम की स्तुतियां, भजन और मंदिर निर्माण के लिए हुए अथक संघर्ष के विजय गीत गूंज रहे हैं। रामघाट से अयोध्या में प्रवेश करते समय दिख रही रौनक दीवाली सी अनुभूति भी करा रही है। अयोध्या अब सजने लगी है, अयोध्या के राजा भारत है आपका.महलों में आओ, स्वागत है आपका आदि गीत श्रद्धालुओं के रोम.रोम को पुलकित कर रहे थे।

विंटेज आर्टिस्टिकली क्राफ्टेड स्ट्रीट लाइट लैंप पोल पर भी राम की पताका

विरासत और आधुनिकता का समावेश बैठाती नव्य अयोध्या में विंटेज आर्टिस्टिकली क्राफ्टेड स्ट्रीट लाइट लैंप पोल लगाया जा रहा है। यह देखने में आकर्षक तो है ही, इस पर भी श्रीराम का धनुष बाण अलग ही सौंदर्य बयां कर रहा। सज रही आधुनिक अयोध्या में इस लैम्प तक पर धनुष बाण और राम पताका फहर रही ह, जो खुद ही बरबस ध्यानाकृष्ट कर रही है।

दीवारों के पत्थर और घरों के दरवाजों पर भी जयश्रीराम

यहां जीर्णोद्धार किए जा रहे मकान-दुकान और मंदिरों पर लगाए जाने वाले पत्थरों पर भी जय श्रीराम की गूंज है। हनुमानगढ़ी से पहले सब्जी मंडी के समीप सप्तसागर कॉलोनी के पास के मकान हों या तुलसी उद्यान के पीछे की कॉलोनी, यहां पर भी लगाए गए दरवाजे रामनाम से अतिथि देवो भव के रूप में स्वागत कर रहे हैं। किसी मकान के दरवाजे पर श्रीराम तो किसी पर गजानन महराज की फोटो लगी है। रामनगरी में ठहरने वालों के लिए बनाए गए होम स्टे.गेस्ट हाउस आदि पर इसी आकृति से आगन्तुकों का स्वागत हो रहा है।

सरयू की पवित्र मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी राम ज्योति

● योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव में दिया बड़ा बाजार, अब तो साल में दो बार दीपावली मनाएंगे रामनगरी के कुम्हार

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या, लखनऊ

जिस पावन धरा की मिट्टी में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र ने जन्म लिया, उस अयोध्या की मिट्टी के दर्शन करने निरंतर श्रद्धालु आ रहे हैं और 22 जनवरी के बाद असंख्य श्रद्धालु यहां आएंगे भी। जिस माटी पर 500 वर्षों के इंतजार के बाद रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है। 22 जनवरी को अब उसी धरा की पावन मिट्टी से एक बार फिर राम ज्योति न केवल अयोध्या, बल्कि देश.दुनिया में प्रज्वलित होगी। फिलवक्त श्रीरामलला व हनुमानगढ़ी का दर्शन करने आए श्रद्धालु यहां के कुम्हारों से दीप खरीदकर ले जा रहे हैं, जिसे 22 जनवरी को प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत शाम को अपने घरों पर राम ज्योति जलाकर दीपावली मनाएंगे। योगी आदित्यनाथ की सोची गई कल्पना साकार हुई तो चीन की झालरों से दूर यहां के कुम्हारों को दीपोत्सव पर बड़ा बाजार मिला। अब कुम्हारों को आर्थिक रूप से और स्वावलंबी बनाते हुए योगी सरकार इन्हें साल में दो बार दीपावली मनाने का अवसर मुहैया करा रही है। योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पर्यटन विभाग भी स्थानीय कुम्हारों के बनाए गए मिट्टी के 10 लाख दीपों से 22 जनवरी को रामनगरी को सजाने की तैयारी में जुट गया है।

कुम्हारों के पसीने ले रहे आकार, घर-घर में राम ज्योति बिखरने को बेताब

22 जनवरी में महज पांच दिन शेष हैं। जैसिनपुर के कुम्हारों के पसीने अब दीपक के रूप में आकार ले रहे हैं। उन्हें बेकरारी है कि घर-घर में उनके बनाए दीपों से राम ज्योति प्रज्वलित होगी। इसके लिए विपरीत मौसम में भी वे रात-दिन काम कर अधिक से अधिक दीप बना रहे हैं। कुम्हार अशोक प्रजापति बताते हैं कि देहात के दर्शननगर, किशुनदासपुर, बैसिंग, कुसमाहा से मिट्टी मंगाई जा रही है, क्योंकि मौसम प्रतिकूल और समय कम है, लिहाजा फिलहाल छोटा दीपक बना रहे हैं। अपने घरों के लिए दीप जलाने के लिए अयोध्या के लोग सीधे यहां भी आकर खरीदारी कर रहे हैं। फिलहाल चार से पांच ट्राली मिट्टी मंगाई है और उसी से अपने यहां दीपक बना रहे हैं।

योगी सरकार ने कुम्हारों को स्वावलंबन से जोड़ा

योगी आदित्यनाथ ने जब 2017 में सत्ता संभाली, तभी से वे निरंतर दीपोत्सव का आयोजन करा रहे हैं। साल दर साल यह आयोजन दिव्य से दिव्यतम होता जा रहा है। सीएम योगी भी कहते हैं कि अब अयोध्या की गलियों में गोली नहीं चलती बल्कि दीपोत्सव होता है। 2017 में 1.71 लाख दीपों से शुरू हुआ दीपोत्सव महज सात वर्षों में 22.23 लाख दीपों तक पहुंच गया। यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही प्रदेश व देश की समृद्धि को भी बढ़ाता जा रहा है। कुम्हार राजेश प्रजापति कहते हैं कि योगी बाबा के कारण एक काम तो हुआ कि हम लोगों को भी बड़ा काम मिलने लगा और दाल.रोटी की ठीक व्यवस्था होने लगी। पहले दीपोत्सव में लंबा काम मिलता था लेकिन अब राम मंदिर उत्सव से हर साल ऐसा होगा।

रामलला के लिए दिल खोलकर दान कर रहे श्रद्धालु

● प्रतिदिन तीन से चार लाख और डेढ़ से दो करोड़ रुपये का प्रतिमाह चढ़ रहा चढ़ावा

अयोध्या, लखनऊ। डबल इंजन की मोदी.योगी सरकार में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व आधुनिक अयोध्या का निर्माण हो रहा है। अयोध्या आकर श्रीरामलला का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी बेतहाशा वृद्धि हो रही है। श्रद्धालु यहां भगवान श्रीरामलाल का दर्शन.पूजन भी कर रहे हैं और भगवान श्रीरामलला के लिए दिल खोल कर दान भी कर रहे हैं। फिलहाल यहां रोजाना तीन से चार लाख का दान भगवान रामलला की दान पेटी में आ रहा है। पूरे महीने की बात करें तो यह राशि डेढ़ से 2 करोड़ रुपये दानपेटी के माध्यम से आ रहा है। ऑनलाइन दान की अभी तक कोई काउंटिंग नहीं की जा सकी।

22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में लाखों भक्त पहुंचेंगे। वे यहां भगवान श्रीराम का दर्शन पूजन करेंगे और अपने इच्छा भाव से श्रीराम मंदिर के लिए दान भी करेंगे। फिलहाल यहां अस्थायी मंदिर में भी अपने रामलला के दर्शन.पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी है। अपनी श्रद्धा से दान करने वालों का यह आलम तब है, जब भगवान श्री रामलला अपने अस्थायी मंदिर में हैं। जब वे अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो इसका कोई अंदाजा नहीं है कि प्रतिदिन कितना दान आएगा। हालांकि यह जरूर है कि मंदिर बन जाने के बाद श्रद्धालुओं की ओर से दान.चढ़ावे का आंकड़ा चार गुना बढ़ जाएगा।

सामर्थ्य के अनुरूप दान कर रहे हैं लोग: श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट कार्यालय के प्रभारी प्रकाश गुप्ता के मुताबिक हमारे यहां दान पात्रों में रोजाना धन पड़ता है। जब भर जाता है तब उसकी गिनती होती है। कैसे कह दिया जाए कितना आ रहा है, लेकिन काउंटर पर जो आ रहा है, वह प्रतिदिन तीन से चार लाख के बीच है। महीने में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए आ रहा है। दानदाताओं की कमी नहीं है। अपने सामर्थ्य से लोग बढ़चढ़ कर दान दे रहे हैं।

छह जिलों से अयोध्या धाम के लिए शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा, सरकार ने तय किया किराया

● साढ़े तीन हजार रुपये में अयोध्या नगरी और राम मंदिर के हवाई दर्शन भी कराएगी योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या, लखनऊ

● लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा और मथुरा से मिलेगी हेलीकॉप्टर सेवा

योगी सरकार राम भक्तों और पयर्टकों को हेलिकॉप्टर से अयोध्या धाम के दर्शन कराएगी। सरकार प्रदेश के 6 जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलीकॉप्टर सेवा की शुरुआत लखनऊ से करेंगे। सरकार की ओर से प्रदेश के 6 जिलों से शुरू होने वाली हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता आपरेटर का चयन किया गया है, जो ऑपरेशनल मॉडल पर हेली सर्विसेस की सेवायें प्रदान करेगा। राम भक्तों और पर्यटकों को हेलीकॉप्टर सेवा गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, मथुरा और आगरा से मिलेगी। वहीं आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जिलों से भी इस सुविधा को जल्द शुरू किया जाएगा। इतना ही नहीं, योगी सरकार श्रद्धालुओं को अयोध्या नगरी और राम मंदिर के हवाई दर्शन भी कराएगी। इसकी जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को दी गई है। इस सुविधा के लिए श्रद्धालुओं को पहले से बुकिंग करानी होगी।

राम मंदिर ऐरियल दर्शन के लिए देने होंगे 3539 रुपये: प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम भक्तों को हेलिकॉप्टर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये थे। इसी के तहत प्रदेश के 6 जिलों से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जा रही है। यह सुविधा भक्तों और पर्यटकों को ऑपरेटर मॉडल पर उपलब्ध करायी जाएगी। इसके अलावा राम भक्तों को राम मंदिर ऐरियल दर्शन भी कराए जाएंगे। इसके लिए रामभक्त सरयू तट स्थित टूरिज्म गेस्ट हाउस के पास बने हैलीपेड से उड़ान भर सकेंगे। इसके तहत श्रद्धालुओं को राम मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट समेत प्रसिद्ध दर्शनीय स्थलों की हवाई सैर भी करायी जाएगी। इस हवाई सफर का अधिकतम समय 15 मिनट होगा जबकि प्रति श्रद्धालु किराया 3539 रुपये तय किया गया है। इस सुविधा के जरिये एक हवाई सफर का लुत्फ5 श्रद्धालु उठा सकेंगे। इसकी भार सीमा 400 किग्रा है। वहीं एक श्रद्धालु अधिकतम 5 किग्रा सामान के साथ सफर कर सकेगा। इसके अलावा श्रद्धालु गोरखपुर से अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भर सकेंगे। यह दूरी 126 किमी की होगी, जिसे 40 मिनट में पूरा किया जाएगा। इसके लिए प्रति श्रद्धालु किराया 11,327 रुपये तय किया गया है।

वाराणसी के नमो घाट से मिलेगी अयोध्या धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा: पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पहले चरण में राजधानी लखनऊ समेत 6 धार्मिक स्थलों से हेलिकॉप्टर सेवा की शुरुआत की जा रही है। वहीं आने वाले समय में मांग के अनुरुप सेवा का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु वाराणसी के नमो घाट से हेलीकॉप्टर की सेवा का लाभ ले सकेंगे। यह दूरी 160 किमी की होगी, जिसे 55 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इसके लिए प्रति श्रद्धालु किराया 14,159 रुपये तय किया गया है। इसी तरह श्रद्धालु लखनऊ के रमाबाई से हेलीकॉप्टर की सेवा का लाभ ले सकेंगे।

रामनगरी में महिलाओं ने निकाली जल कलश यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या, लखनऊ

सरयू मैया के तट से श्रीराम लला के मंदिर तक पहुंची यात्रा

प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले बुधवार को महिलाओं ने जल कलश यात्रा निकाली। इसमें लगभग 500 से अधिक महिलाएं शामिल रहीं। बुधवार को प्राण.प्रतिष्ठा अनुष्ठान का दूसरा दिन रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर समूचा समाज इस आयोजन से जुड़ गया है। श्रीराम नगरी में अयोध्या महानगर की महिलाओं ने सुबह सरयू तट से यात्रा का शुभारंभ किया। श्रीराम की पताका फहराते सिर पर कलश में भरा मां सरयू का जल लेकर महिलाएं राम धुन पर झूमते व राम की जयकार करते निकलीं। यात्रा महापौर गिरीश पति त्रिपाठी के संयोजकत्व में निकाली गई। इसका नेतृत्व महापौर की धर्मपत्नी रामलक्ष्मी त्रिपाठी ने किया। यात्रा में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की धर्मपत्नी नम्रता पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह समेत 500 से अधिक महिलाएं शामिल रहीं।

दोनों हाथ में लड्डू और सर कढ़ाही में: दोनों हाथ में लड्डू और सर कढ़ाही में, से मिलता जुलता यह मुहावरा, मिठाई बेचने वाले, इनसे जुड़े कारीगरों पर कारोबार के लिहाज से रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन चरितार्थ होने जा रहा है। संभव है किसी खुश किस्मत या इनोवेटर का राम नाम से जुड़ा लड्डू, पेड़ा जैसी कोई मिठाई ब्रांड भी बन जाय। ऐसा हो चुका है। बर्डपुर की राम कटोरी इसका सबूत है।

कार सेवा के दौरान चर्चित हुई थी सिद्धार्थनगर की रामकटोरी बन गई थी ब्रांड: बात 1990 की है। तब राम मंदिर आंदोलन चरम पर था। संतों, धर्माचार्यों और विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या में कारसेवा का ऐलान किया था। पूर्वी उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के बर्डपुर कस्बे के विनोद मोदनवाल कारसेवा के लिए अयोध्या जाते समय 2 नवंबर 1990 गिरफ्तार हो गए। उनको बस्ती जेल में रखा गया। 28 दिन बाद वहां से छूटे तो घर पर कटोरी के आकार की एक मिठाई तैयार की। इसका नाम रखा रामकटोरी। तब उन्होंने इसे बतौर प्रसाद लोगों में बांटा। नाम और स्वाद के कारण यह मिठाई हिट हो गई । खासकर बस्ती और गोरखपुर मंडल में। चूंकि इन दोनों मंडलों के बहुत से लोग रोजी रोजगार के चलते देश के महानगरों और विदेशों में रहते हैंए लिहाजा इनके जरिए यह बाकी जगहों पर भी पहुंचती है। संभव है प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भी किसके उपर रामजी की कृपा हो जाय।

पैकेजिंग और परिवहन से जुड़े लोगों की भी चांदी: सिर्फ मिठाई ही नहीं इसके पैकेट्स के लिए भी भगवान श्रीराम और राम मंदिर बने अलग अलग साइज के पैकेट्स की खासी मांग है। लिहाजा पैकेजिंग इंडस्ट्री को भी बूम मिलेगा। इसका लाभ इनको तैयार करने वाले कारीगरों को भी मिलेगा। लोडिंग अनलोडिंग और ट्रांपोर्टेशन से मिलने वाला रोजगार अलग से। पैकेट बनाने वाले एट्रांपोर्टेशन और लोडिंग अनलोडिंग करने वाले किसी मजहब के हो सकते हैं।

भाजपा नगर अध्यक्ष बनें धर्मेन्द्र कौशल

नव मनोनीत भाजपा नगर अध्यक्ष का स्वागत करते लोग।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। दिल्ली के पूर्व भाजपाध्यक्ष एवं भाजपा क्षेत्रीय मंत्री के भाई धर्मेन्द्र कौशल जो कि व्यापारी हित की राजनीति के साथ भाजपा के निष्ठावान सिपाही के रुप में जानें जाते हैं। उन्हें पार्टी नेत्त्व द्वारा नगर अध्यक्ष के पद मनोनयन किये जानें से कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड गई। बुधवार को नगर के जीटीरोड स्थित प्रतिष्ठान कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने नव मनोनीत भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र कौशल, चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, क्रय बिक्रय समिति अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी, विहिप जिला कार्याध्यक्ष नीरज मिश्रा का फूल मालायें पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर भव्य स्वागत किया। चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता ने कहा कि बडे भाई धर्मेन्द्र कौशल के मनोनयन से भाजपा को मजबूती मिलेगी। क्रय बिक्रय समिति के अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी नें कहा कि उनके मनोनयन से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हुआ है। इस दौरान सभासद बीरेन्द्र गुप्ता, संतोष गुप्ता सहित शशिकांत गुप्ता, विपिन कौशल, दिलीप गुप्ता आदि मौजूद रहे। बीतीशाम नगर के चौराहा स्थित श्री राधे कम्पियुटर सेन्टर पर परशुराम देबल, अनिल चौरसिया, रघुनन्दन कुशवाहा, राकेश चक, भानू प्रताप देवल, सचिन चौरसिया, अमित गुप्ता, भोलाचक, लकी नें फूलमालायें पहनाकर व मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया।

गलन, शीतलहर, कड़ाके की ठंडी में हृदय गति रुकने से वृध्द की मौत

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना एवं कस्वा में आज गलन शीतलहर, कड़ाके की ठंड में 62 वर्षीय वृद्ध की हृदय गति रूकने से मौत हो गई। ग्रामीण चर्चाओं के अनुसार राजेपुर थाना एवं कस्बा निवासी वृध्द वालिस्टरसिंह उम्र करीब 62 वर्ष, गलन, शीतलहर एवं कड़ाके की ठंड में आज बुधवार को प्रात: करीब 7.30 बजे घर के दरवाजे से पड़ोस में लगे खेत को देखकर घर पर लौटेते ही हृदय गति रुकने से अचानक मौत हो गई। इसके बाद परिवारी जन वृध्द वालिस्टर सिंह को समीपवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए ।जहां सरकारी चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस प्रभारी निरीक्षक कामिल खान एवंअमृतपुर तहसीलदार कर्मवीर सिंह मौके पर अपनी टीम के साथ घटना का जाएजा लेने पहुंचे। तहसीलदर कर्मवीर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया 62 वर्षीय वृद्ध वालिस्टर सिंह आज प्रात: करीब 7. 30 बजे घर से निकले लेकिन इसके वाद उनका शव घर के अंदर पाया गया।

सिटी मजिस्ट्रेट की छापामारी, दो नमूने लेकर 1388 लीटर तेल सीज

फर्रुखाबाद। नगर के लिंजीगंज बाजार में अचानक उस समय हडकंप मच गया जब एफएसडी द्वारा छापामार कार्यवाही कर 1388 लीटर सरसों का तेल सीज किया गया दो नमूने संग्रहित किये गये। नगर मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र के नेतृत्व में सहायक आयुक्त (खा।) द्वितीय सय्यद शाहनवाज हैदर आबिदी के साथ खा। सुरक्षा टीम नें लिंजीगंज के (गणेश प्रसाद स्ट्रीट) स्थित विशाल गुप्ता उर्फ राजू पुत्र सुरेश चन्द्र गुप्ता के खा। प्रतिष्ठान मेसर्स ओम सांई ट्रेडर्स पर छापेमारी की गयी। जिसमे उनकी दुकान से सरसों का तेल के 02 नमूने जाँच हेतु संग्रह किये गये। नमूना संग्रह के उपरान्त शेष बचे कुल 1388 लीटर सरसों का तेल जिसका अनुमानित मूल्य रूपया 145740 हैं।

गांव से होकर शहरों की ओर आई मोदी की गारंटी गाड़ी: साध्वी निरंजन

● छूटे लाभार्थियों में योजनाओं का लाभ मिलने की जाग रही उत्सुकता

फतेहपुर। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने नगर पालिका परिषद के तांबेश्वर नगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। जनप्रतिनिधियों के साथ नागरिकों ने एलईडी वीडियो वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित राष्ट्र/आत्मनिर्भर बनाने संबंधी वीडियो क्लिप को देखा और सुना। केंद्रीय राज्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कि विकसित भारत संकल्प यात्रा अब गांव से होते हुए शहरों की ओर आई है, ये मोदी की गारंटी गाड़ी है। इस यात्रा के माध्यम से छूटे लाभार्थियो के अंदर भी उत्सुकता हो रही कि हमें भी योजना का लाभ मिलेगा। फतेहपुर विकास के नित्य नए आयाम विकसित कर रहा है। इसके पीछे डबल इंजन की सरकार है। वह सरकार और फतेहपुर के बीच निमित्र मात्र हैं। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली है जिसके माध्यम से हर पात्र व्यक्ति को लाभ मिल रहा है। अब तक जनपद में लगभग सवा दो लाख लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। यात्रा गांव को लाभान्वित कराते हुए अब शहरो की ओर आई है। यही मोदी की गारंटी गाड़ी है। जिससे हर पात्र को समस्त योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को दो हज़ार सैंतालीस तक विकसित राष्ट्र/आत्मनिर्भर बनाने की शपथ दिलाई।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने बच्चो को खीर खिलाकर अन्नप्रासन कराया। गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर पोषण किट प्रदान की। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत शौचालय, घरौनी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के स्वीकृत प्रमाण पत्र का वितरण किया। प्रधानमंत्री के स्टैंडी सेल्फी प्वाइंट पर केंद्रीय मंत्री व नागरिकों ने सेल्फी भी ली। इसी तरह धाता ग्राम पंचायत के घरवासीपुर में ब्लाक प्रमुख हसवा विकास पासवान के अलावा विकास खण्ड बहुआ के ग्राम पंचायत लादिगांवा, बाबन, ब्लॉक धाता के ग्राम पंचायत कबरा, ब्लाक खजुहा के ग्राम पंचायत बनियानी, बेनू के ग्राम पंचायतों में खंड विकास अधिकारी की देखरेख व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया।

ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। कादरी गेट थाना पुलिस ने ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह की जानकारी मिलने पर कादरी गेट थाना प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला की टीम ने 4ठगों को पकड़ लिया। जिनमें प्रिंस गुप्ता पुत्र प्रदीप कुमार निवासी बढ़पुर। आर्यन पुत्र सुनील सिंह निवासी 6੮36 आवास विकास कालोनी हाल निवासी सृजना एनक्लेव निकट रेडियेन्टो हास्पिटल लकूला रोड।रोहित कुमार पुत्र रामऔतार शुक्ला निवासी शान्ति नगर पजाबा एवं अनमोल सिंह उर्फ अन्नू पुत्र संजीव सिंह निवासी ग्राम गाँधी थाना राजेपुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 7 मोबाइल फोनए 3 सिम कार्डए 2 आधार कार्डए11 एटीएम कार्डए 5 फर्जी कूट रचित बिल बाउचरए2 अदद आईडी कार्डए03 बैंक कार्डए2 पेन कार्ड एवं100 वर्क स्क्रीन शॉट बरामद किए।

अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि हम सभी लोग एक साथ मिलकर मोबाइल पर जस्ट डायल एप पर ट्रान्सपोर्ट के लिये डील करते है। उनको कम्प्यूटर के माध्यम से फर्जी कूटरचित दस्तावेज को एप व व्हाट्सएप के माध्यम से दिखाकर फर्जी खुलवाये गये खातों में पैसे डलवाते हैं। जिनके एटीएम कार्ड हम लोग अपने पास रखते हैं। एटीएम कार्ड के माध्यम से पैसा निकाल कर आपस में बांट लेते हैं। जब कोई व्यक्ति काम न होने पर अपने पैसे वापस मागंता हैए तो हम लोग कम्प्यूटर से आरटीजीएस की फर्जी रसीद बनाकर उसको व्हाट्सएप कर देते है।

मडौली काण्ड में नहीं हो सकी सुनवाई, 30 जनवरी को होगी सुनवाई

कानपुर देहात। मड़ौली गांव के बहुचर्चित दोहरे हत्यकाण्ड में आरोपपत्र में निकाले गए आरोपियों तत्कालीन उपजिलाधिकारी मैथा ज्ञानेश्वर प्रसाद तत्कालीन रूरा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम आदि व आरोपपत्र के आरोपियों को हत्या की धारा सहित अन्य संगीन धाराओं में तलब करने हेतु मामले के वादी शिवम दीक्षित द्वारा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अलंकृता शक्ति त्रिपाठी की न्यायालय में पूर्व में दाखिल प्रार्थना पत्र में वादी शिवम दीक्षित की तरफ से बहस जारी है जिसमें नियत तिथि 17 जनवरी को न्यायालय पीठासीन अधिकारी के अवकाश में होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। मामले में अब शेष बहस हेतु अगली सुनवाई की तिथि 30 जनवरी नियत करने के आदेश न्यायालय ने पारित किए हैं।अधिवक्ता जितेन्द्र चौहान ने बताया कि वादी शिवम दीक्षित ने थाना रूरा में लिखित तहरीर देते हुए तत्कालीन एसडीएम ज्ञानेश्वर प्रसाद, कानूनगो, लेखपाल अशोक सिंह तत्कालीन थानाध्यक्ष रूरा दिनेश कुमार गौतम अज्ञात तीन लेखपाल सहित 11 नामजद सहित 15 से 20 महिला व पुरूष पुलिसकर्मियों के विरुद्ध 14 फरवरी 2023 को इस आरोप के साथ थाना रूरा में मुकदमा पंजीकृत कराया था कि आरोपियों ने विधि विरुद्ध तरीके से वादी की झोपड़ी से बेदखल करने की नीयत से झोपड़ी को जेसीबी से गिराया गया उसमे आग लगा कर उसमे मौजूद वादी की माँ बहन को जिन्दा जला कर मारा गया तथा वादी को आग में फेंक कर जला कर मारने का प्रयास किया गया घटमा में वादी के पिता गम्भीर रूप से जल गए थे।मामले में पूरे देश में घटना को लेकर आक्रोश फैला था। मामले को राजनीतिक दलों ने प्रदेश विधानसभा में भी उठाया था। मामले में शासन ने विवेचना हेतु एसआईटी गठित कर करने के आदेश दिए थे।एसआईटी ने विवेचना पूर्ण करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की न्यायालय में दो अलग अलग आरोपपत्र दाखिल किए पहले आरोप पत्र में जेसीबी चालक के बिरुद्ध 304ए व लेखपाल अशोक सिंह के विरुद्ध 427 व 120बी में पहला आरोप पत्र व 3 अन्य आरोपियों के विरुद्ध 427 व 120बी भारतीय दण्ड संहिता में दूसरा आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल करते हुए एसडीएम अन्य कानूनगो तत्कालीन थानाध्यक्ष रूरा अन्य सिपाहियों व आरोपियों की मामले में नामजदगी गलत बताते हुए उन्हें विवेचना मे निर्दोष बताते हुए आख्या भेजी है।मामला अब इसी बिन्दु पर सुनवाई हेतु न्यायालय में नियत है और न्यायालय ने वादी शिवम को अपना पक्ष रखने हेतु पूर्व में सम्मन भेजा था। वादी शिवम दीक्षित न्यायालय में मौजूद रहे।

टीएसआई अरशद अली प्रयाग गौरव सम्मान से सम्मानित हुये

कन्नौज। सराहनीय सेवाओ के लिए जनपद में तैनात टीएसआई अरशद अली को प्रयागराज की धरती पर भारतीय जनहित कल्याण समिति द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित खिचड़ी भंडारा प्रोग्राम में मुख्य अतिथि न्यायाधीश सिद्धार्थ द्वारा प्रयाग गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। बताते चलें कि टीएसआई अरशद जो जनपद में नए-नए तरीकों से यातायात जागरुकता अभियान को सुचारू रूप से चलाने का कार्य कर करते रहते हैं। कभी-कभी तो वह किसी को नमस्ते और सलाम करके यातायात नियमों के लिए जागरुक करते हैं। तो कभी गुलाब का फूल देकर, कभी हाथ जोड़कर तो कभी हेलमेट पहना कर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हैं। जिससे कन्नौज की आम जनता उनकी कार्यशैली से काफी प्रभावित है और उनके द्वारा चलाए जा रहे यातयात जागरूकता अभियान का जनता पालन भी कर रही है।

क्विक न्यूज

पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

निघासन खीरी। प्रभारी निरीक्षक निघासन एस के मिश्र ने चार्ज संभालते ही भगोड़े वांछित अभियुक्तों और समाज विरोधी अराजक तत्वों की खबर लेनी शुरू कर दी है । पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा के निर्देशानुसार संपूर्ण जनपद में जनपद स्तर पर संचालित वारंटी वांछित तथा संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी निघासन श्री यादवेंद्र यादव के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक एसके मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में निघासन पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर कोतवाली निघासन के मुकदमा अपराध संख्या 467੮2023 धारा 363 ए 366 ए 376 ;घ ए के द्ध तथा 5੮6 पाक्सो एक्ट में

वांछित अभियुक्त छोटेलाल पुत्र श्री राम निवासी ग्राम गडरियन पुरवा मजरा रकेहटी को निघासन चौराहे से पुलिस हिरासत में लिया गया है ए सूत्रों के अनुसार अभियुक्त पुलिस से बचने के लिए बाहर भागने की फिराक में था । अभियुक्त छोटेलाल के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है । ज्ञातव्य है कि दिनांक 6 जुलाई 2023 को तहरीरी सूचना के आधार पर वादी की नाबालिग पुत्री को भाग ले जाने के संबंध में दो अभियुक्तों के विरुद्ध कोतवाली निघासन में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था । दूसरे अभियुक्त की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है । कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी झंडी राज उप निरीक्षक दुर्गेश कुमार शर्मा तथा हेड कांस्टेबल श्याम कुमार वर्मा शामिल रहे ।

निर्बलों की सेवा के लिए लें सकल्पः अशोक रावत

संडीला (हरदोई)। क्षेत्रीय सांसद ने नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। लाला गंगा प्रसाद मानवकल्याण समिति और इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय के संयुक्त प्रयास से इस शिविर का आयोजन किया गयाए जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय सांसद अशोक रावत ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंनें कहा कि इस प्रकार के आयोजन कर दीन दुखियों की सहायता करना एक सराहनीय प्रसास है तथा डॉ0 सत्यप्रकाश आर्य और उनकी टीम इस कार्य के लिए बधाई की पात्र है। इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल से आए डॉ0 योगेन्द्र सिंहए डॉ0 पूनम गुप्ताए कविता यादवए डॉ0 पूजा मौर्यए डॉ0 स्वाती यादव ने रोगियों का परीक्षण कर 35 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया। इस अवसर पर छय रोगियों को पोषण किट भी सांसद के द्वारा वितरित की गयीं। इस अवसर पर समाजसेवी आलोक अस्थाना समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

निर्धनों को नपाप अध्यक्ष ने बांटें कंबल

संडीला (हरदोई)। नगर पालिका परिषद के चेयरमैन हाजी मो0 रईस अंसारी ने भीषण ठंड से परेशान गरीबों को कंबल वितरित किए। चेयरमैन हाजी मो0 रईस अंसारी तथा अधिशासी अधिकारी विजेता गुप्ता ने गरीबों को कंबल वितरित करते हुए कहा कि नगर पालिका परिषद ठंड से पीड़ित लोगों की यथासंभव और यथाशक्ति सहायता करने का प्रयास कर रही है। इसी क्रम में नगर में अनेक स्थानों पर अलाव जलाए गए हैं। नगर के सभी वॉर्डों में नगर पालिका परिषद की ओर से सभासदों के माध्यम से भी गरीबों को कंबल वितरित किए गए हैं।

निर्वाचन नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन अब 23 जनवरी को

कानपुर देहात। एडीएम (प्रशा)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में नियत कार्यकम के अनुसार नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 22.01.2024 के स्थान पर अब 23.01.2024 को किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

विवाहिता को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज (कन्नौज)। किसी बात को लेकर ससुरालीजनों द्वारा विवाहिता से मारपीट व धमकी देकर प्रताणित करने का माला प्रकाश मे आया है। कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्र के कस्वा समधन निवासी निशा बेगम पत्नी कामरान द्वारा कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमें में कहा गया है कि मंगलवार को ससुराली जन पति कामरान ननंद परवीन बेगम, देवर गुफरान व चांद मोहम्मद ने उसके साथ गालीगलौज करते हुये लात घूसों से मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबन्ध में कोतवाली पुलिस द्वारा जॉच शुरू कर दी गई है।

फिजा के प्रभारी बने नवीन

फतेहपुर। फेडरेशन ऑफइंडियन जर्नलिस्ट एंड एक्टिविस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांतनु त्रिपाठी ने प्रदेश उपाध्यक्ष संजय मौर्य की संस्तुति पर वरिष्ठ संवाददाता नवीन सैनी को फतेहपुर का प्रभारी बनाया है। नवीन को फिजा का जिला प्रभारी बनाए जाने का पत्रकारों ने स्वागत किया है।

ब्रिज बनने से रेलवे स्टेशन पार करना होगा आसान

फतेहपुर। केंद्रीय राज्यमंत्री व जिले की सांसद साध्वी निरंजन ज्योति ने बुधवार फतेहपुर रेलवे स्टेशन में चार पुल का लोकार्पण और दो पुल का शिलान्यास किया। मौजूदा सरकार के कार्यकाल को पेश करते हुए राम मंदिर को लेकर अपनी बात रखी। मंडल रेल प्रबंधक वाणिज्य हिमांशु शुक्ला की मौजूदगी में केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने इन परियोजनाओं के आयोजन पर शिरकत फरमाई। जिले की सांसद ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनता को बेहतर शासन मिला है। जनता जान चुकी है। वह आगे भी अपना फैसला जारी रखना चाहती है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह उर्फ पप्पू भैया ने भी अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि रेलवे ने इधर जो विकास किया है वह पहले सपना था। आज कई तरह के काम पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर दिनेश बाजपेई, गायत्री सिंह, दिनेश तिवारी खलीफा, विनय तिवारी, ऋतिक पाल, शिव प्रताप सिंह, मधुराज विश्वकर्मा, सुधा मौर्या मौजूद रहे।

कोटेदारों व राजस्व कर्मियों को बैठक में दिए दिशा-निर्देश

फतेहपुर। उप जिलाधिकारी बिंदकी अनिल यादव ने तहसील क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका व ग्राम पंचायतो में लोगों को ठंड से बचाव हेतु जागरूक करने के लिए एडवाइजरी के लिए तहसील सभागार में कोटेदारों व राजस्व कर्मियों की बैठक की गई। जिसमे निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायतों में जन सामान्य को जागरूक करें। एडवाइजरी की प्रति सार्वजनिक स्थानों, कार्यालयों, भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर प्रति चस्पा कराई जाये। ग्राम पंचायतों में कोटेदारों द्वारा मुनादी कराई जाये तत्पश्चात दिए गए निर्देशों के अनुपालन में गांव में कोटेदारों द्वारा मुनादी कराई जा रही है। इसी प्रकार नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। साथ ही सर्वजनिक स्थानों, कार्यालयों तथा भीड़ वाले स्थानो पर एडवाइजरी की प्रति चस्पा कराई जा रही है। ठण्ड से बचाव हेतु जन सामान्य से अपील करते हुए सावधानियां बरतने की सलाह भी दी गई। सर्दी से बचाव करने हेतु आग के प्रयोग में विशेष सावधानी बरतें जैसे बंद कमरे में अंगीठी जलाकर न सोयें, ऐसा करने से कमरे में विषैली गैसें कार्बन मोनो आक्साइड उत्पन्न होती है जो कि जानलेवा साबित हो सकती है। आग अथवा हीटर का प्रयोग खुले स्थान पर ही करें, ताकि शरीर में ऑक्सीजन की कमी न हो पाये। शुगर व उच्च रक्त चाप के रोगी अपनी दवायें नियमित रूप से लेते रहें व शुगर या ब्लड प्रेशर की मॉप नियमित कराते रहें। वृद्धजन व हृदयरोगी सुबह भ्रमण पर न निकलें, ठण्ड में हार्ट अटैक की संभावना अधिक होती है। इसलिए हृदय रोगी व उच्च रक्त चाप के रोगी ठण्ड से बचाव के विशेष उपाय करें। यथासंभव घने कोहरे में वाहन न चलायें। वाहन धीमी रफ्तार से ही चलायें तथा फॉग लाइट का प्रयोग करें। जिन व्यक्तियों के पास रहने के लिए उपयुक्त स्थान न हो, वह जिला प्रशासन के स्थापित किए गए रैन बसेरों में निवास करें। खुले में न सोयें।

गुरू गोविंद सिंह जयंती पर लगा रक्तदान शिविर

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अशोक कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. प्रभाकांत सिंह सीएमएस एवं पपिन्दर सिंह पूर्व प्रधान श्रीगुरुद्वारा प्रबंध कमेटी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को बैज अलंकृत, माल्यार्पण कर अंगवस्त्र कार्यकारिणी व आजीवन सदस्यों ने भेंट किया। पांच रक्तदानियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। दस लोगों ने रक्तदान हेतु रजिस्ट्रेशन कराया जिसमें चार रक्तदानी अभिषेक सेंगर, कुलदीप सिंह, मनीष कुमार, मोहम्मद जकारिया ने अपना पहला रक्तदान किया। कार्यकारिणी सदस्य दिलीप कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ नागरिक समिति संयोजक डॉ. वकील अहमद सिद्दीकी, रक्तसंचरण समिति से कौशल उपस्थित रहे।

युवक ने खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली

फर्रुखाबाद। एक युवक ने खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र के गंगानगर कॉलोनी कबाडी वाली गली में रहने वाला युवक शुभम जाटव उर्फ गुड्डन उम्र करीब 25 वर्ष शराब पीने का आदी था। आज प्रात: उसकी बहन खिचड़ी लेकर कमरे में उसे देने गई तो उसने मना कर दिया। शराब पीने का आदी युवक शुभम उर्फ गुड्डन ने आज बुधवार दोपहर 11.00 बजे अपने कमरे में 315 बोर के तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर मां शीला देवी कमरे में गई तो वह गुड्डु को लहूलुहान देखकर सदमे में आ गई। और बुरी तरह शोर मचाने लगी।इधर कमरे में तमंचे से गोली चलने की जोरदार आवाज होते ही परिवरीजन और पड़ोसी .पड़ोसी मौके पर पहुंच गए।

घटना की जानकारी मिलने पर मोहल्ले वालों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच शुरू करते हुए मृतक के शव एवं तमंचे को अपने कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल फतेहगढ़ को भिजवाया। जांच पड़ताल करने पर पता चला कि गुड्डु की मौत हो गई है। सूचना मिलने पर कादरी गेट के थानाध्यक्ष विनोद कुमार पांडे फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की सूचना पर फील्ड यूनिट ने घटना के साक्ष्य जुटाए। जांच पड़ताल करने पर पता चला कि गुड्डु की मौत हो गई है।

भगवान राम के नाम पर भाजपा क्षणिक लाभ लेने के प्रयास में: विभाकर

● प्राण प्रतिष्ठा राजनैतिक समारोह, आस्थानुसार रामलला के करेंगे दर्शन

फतेहपुर। भगवान राम के नाम पर भारतीय जनता पार्टी राजनीति कर रही है भगवान राम देशवासियों के आराध्य है। उनके नाम पर राजनीति किया जाना उचित नहीं। देश मे इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है भाजपा को सत्ता से हटाने का कार्य करेगा। जनता के समर्थन से जनपद में कांग्रेस पार्टी को मज़बूत कर लोकसभा सीट जीतने व कांग्रेस की सरकार बनाने का काम किया जाएगा। उक्त बातें वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व एआईसीसी सदस्य विभाकर शास्त्री ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही।

बुधवार को जनपद प्रवास पर आये पूर्व एआईसीसी सदस्य विभाकर शास्त्री ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस पार्टी पुराने कांग्रेसियों को जोड़ने के साथ ही युवाओं को दायित्व देने का कार्य कर रही हैं। जनपद में संगठन मजबूती के लिये वह लोगों से संवाद करेंगे। भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा भगवान राम के नाम का दुरुपयोग कर क्षणिक राजनैतिक लाभ लेने का कार्य कर रही है। भगवान राम एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों के आराध्य है। वह राजनैतिक कार्यक्रम में नहीं बल्कि आस्था के अनुसार रामलला के दर्शन को जायँगे। उन्होंने कहा कि देश में इंडिया गठबंधन बेहद मजबूत स्थिति में है। भारतीय जनता पार्टी की सत्ता को उखाड़ फेंकने का करेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चार हज़ार किमी. की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपार जन समर्थन मिला है। मणिपुर से शुरू हो रही राहुल गांधी की दूसरे चरण की न्याय यात्रा में भी आपार जन समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने यदि उन्हें लोकसभा चुनाव 24 मे गठबंधन का प्रत्याशी बनाया तो वह जनपद की सीट जीत कर पार्टी के हाथ को मज़बूत करने का कार्य करेंगे।

बच्चों का सहारा बनी सरकार, 1471 बच्चों को मिल रहा सीएम बाल सेवा योजना का लाभ

● योजना के तहत मिल रहा ढाई हजार प्रति माहए 12वीं के आगे पढ़ाई में भी मदद

●निराश्रित बच्चों को सीएम बाल सेवा योजना से जोड़ने में मददगार बनेए कराए आवेदन: डीएम

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

किसी भी कारण से 01 मार्च 2020 के बाद माता.पिता को खोने वाले अनाथ बच्चों के जीवन का मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहारा बनी है। जीरो से 18 वर्ष तक के बच्चों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसके लिए उप्र का निवासी होना जरूरी है। एक परिवार के अधिकतम दो बच्चों को योजना का लाभ मिलेगा। खीरी जिले में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना ;सामान्यद्ध में जिले के 1471 बच्चों को लाभ मिल रहा है। योजना के तहत बच्चों को हर माह 2500 रुपए की धनराशि दी जाती है।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना ;सामान्यद्ध से लाभान्वित किये जाने वाले बच्चों की श्रेणियांध्पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि गैर संस्थागत श्रेणी के अंतर्गत शून्य से 18 वर्ष तक की आयु के ऐसे बच्चे जिनके माता.पिता दोनोंए माता या पिता में से किसी एक की अथवा वैध अभिभावकों की मृत्यु 01 मार्चए 2020 के पश्चात् हुई है। 18 से 23 वर्ष तक की आयु के ऐसे किशोर जिनके माता.पिता दोनोंए माता या पिता में से किसी एक की अथवा वैध अभिभावकों की मृत्यु हो गयी है। उनको कक्षा 12 तक शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त राजकीय महाविद्यालयए विश्वविद्यालय अथवा तकनीकी संस्थान से स्नातक डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने वाले एवं छम्म्ज्ए श्रम्म्ए ब्स्ज्ए जैसे राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्रों को 23 वर्ष की आयु पूरी होने या स्नातक शिक्षा अथवा मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त करने में जो भी पहले हो तक इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जायेगा। केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य समरूपी योजना यथा . बाल श्रमिक विद्या योजना आदि का लाभ प्राप्त कर रहे परिवारों को उक्त योजना का लाभ नहीं दिया जा सकेगाए परन्तु उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रहे ऐसे बच्चे कोए जो 18 वर्ष की आयु पूरी करने के उपरान्त कक्षा.12 तक शिक्षा पूर्ण करने के बाद भी राजकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अथवा तकनीकी संस्थान से स्नातक डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने एवं छम्म्ज्ए श्रम्म्ए ब्स्ज्ए जैसे राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्रों को 23 वर्ष की आयु पूरी होने या स्नातक शिक्षा अथवा मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त करने में जो भी पहले हो तक इस योजना के तहत लाभ दिया जायेगा। संस्थागत श्रेणी के तहत शून्य से 18 वर्ष तक की आयु के ऐसे बच्चेए जिन्हें बालश्रम/बाल भिक्षावृत्ति/बाल वैश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार/पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गया हो या भिक्षावृति/वैश्यावृत्ति में शामिल परिवारों के बच्चेए शून्य से 18 वर्ष तक के ऐसे बच्चेए जिन्हें बाल गृहों/संप्रेक्षण गृहों से परिवार में पहुॅचाकर पुनर्वासित किया गया है या जो बाल देख.रेख संस्थाओं में रह रहे हैं और उन्हें वित्तीय सहायता देने से उन्हें परिवारिक देख रेखध् पश्चातवर्ती देख.रेख में पुन: समायोजित किया जा सकता है। पात्रता हेतु शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों को छोड़कर अन्य सभी लाभार्थियों का किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में पंजीकरण होना जरूरी होगा।

योजना का लाभ पाने के लिए बच्चे का आधार कार्डए उनके माता या पिता की मृत्यु पर मार्च 2020 के बाद जारी मृत्यु प्रमाणपत्रए बच्चों का बैंक पासबुक और आय प्रमाणपत्र जरूरी है। इस योजना के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में लाभार्थी के परिवार की वार्षिक आय 03 लाख से कम होनी चाहिए। यदि लाभार्थी के माता.पिता दोनों की मृत्यु हो गई तो इनकम अर्थात वार्षिक आय का बिंदु लागू नहीं होगा। योजना के तहत अगर पति की मौत हुई है तो पत्नी को निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन से आच्छादित किया जाएगा।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने आमजन से अपील की कि किसी भी कारण से माता.पिता को खोने वाले निराश्रित बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से जोड़ने में मददगार बने। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लाभार्थी खंड विकास अधिकारी दफ्तर एवं शहरी क्षेत्र के लाभार्थी संबंधित तहसील में आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कलेक्ट्रेट स्थित जिला प्रोबेशन कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी, 2024

सीबीआई ने मणिपुर में हथियार लूट मामले में पांच के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

भाषा। नई दिल्ली

मणिपुर में जातीय संघर्ष से संबंधित मामलों की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मई 2023 में पुलिस कर्मियों से हथियार और गोला-बारूद की लूट के मामले में पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। सीबीआई के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद मणिपुर में भड़की हिंसा में 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर की आबादी में मेइती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, आदिवासी नगा और कुकी की आबादी 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं। सीबीआई ने कहा कि आरोपपत्र में जिन लोगों के नाम हैं, उनमें मणिपुर की प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) का पूर्व सदस्य मोइरांगथेम आनंद सिंह और कीशम जॉनसन, कोन्थौजम रोमोजीत मेइती, लौक्राकपम माइकल मंगांगचा और आठोकपम काजित शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले उन्हें पिछले साल सितंबर में मणिपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था जब वे कथित तौर पर पुलिस की वर्दी पहनकर और अत्याधुनिक हथियार लेकर धन की उगाही कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था जो दो दिनों तक जारी रहा। पांचों को अदालत के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया, लेकिन सिंह को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया और राष्ट्रीय राजधानी ले आए। सिंह को कथित तौर पर म्यांमा स्थित विद्रोही समूहों के साथ संबंध रखने और मणिपुर में जातीय अशांति का फायदा उठाकर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला पिछले साल 19 जुलाई को एनआईए द्वारा स्वत: संज्ञान लेते हुए दर्ज किया गया था। जांच से पता चला कि वे राज्य में अशांति का फायदा उठाकर साजिश के तहत विपक्षी जातीय समूह और सुरक्षा बलों पर हमले करने के वास्ते अपनी ताकत बढ़ाने के लिए लोगों को जमीनी कार्यकर्ताओं, सदस्यों और सहानुभूति रखने वालों के रूप में भर्ती कर रहे थे। एनआईए के प्रवक्ता ने कहा था कि वे गैरकानूनी तरीकों से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक इकट्ठा कर रहे थे, जिसमें सरकारी प्रतिष्ठानों से लूट भी शामिल थी। इंफाल के पांगेई में मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (एमपीटीसी) में पुलिस शस्त्रागार को चार मई को लूट लिया गया था, जिस दिन राज्य में बहुसंख्यक मेइती समुदाय और आदिवासी कुकी के बीच जातीय संघर्ष हुआ था।

सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि जैसा कि प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है, भीड़ ने एमपीटीसी परिसर में धावा बोल दिया और शस्त्रागार से भारी संख्या में हथियार और गोला-बारूद लूट लिया। आरोपपत्र हाल में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी, असम के समक्ष दाखिल किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल अगस्त में सीबीआई के मामलों को मणिपुर से असम स्थानांतरित कर दिया था। सिंह न्यायिक हिरासत में है, अन्य चार का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

यवतमाल, रायपुर के डीएम, एसपी सुनिश्चित करें कि रैलियों में नफरत भरे भाषण न दिए जाएं: न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के यवतमाल और छत्तीसगढ़ के रायपुर के जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का बुधवार को निर्देश दिया कि उनके अधिकार क्षेत्रों में अगले सप्ताह होने वाली हिंदू जनजागृति समिति और भाजपा विधायक टी राजा सिंह की रैलियों के दौरान कोई नफरत भरा भाषण न दिया जाए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने निर्धारित रैलियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि जिन पक्षकारों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने के आरोप लगाए गए हैं, वे अदालत के समक्ष मौजूद नहीं हैं। पीठ ने दोनों जिलों के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि रैलियों के स्थल पर रिकॉर्डिंग सुविधाओं के साथ सीसीटीवी कैमरे लगे हों, ताकि यदि कोई नफरत फैलाने वाले भाषण देता है तो उसकी पहचान की जा सके। इसने शाहीन अब्दुल्ला की लंबित याचिका से जुड़ी एक अर्जी पर यह आदेश दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों के कई मामले सामने आए हैं। अर्जी में कहा गया कि यवतमाल जिले में 18 जनवरी को हिंदू जनजागृति समिति की रैली होने वाली है और इसमें नफरत भरे भाषण दिए जाने की आशंका है।

जल जीवन मिशन मामले में ईडी ने छापेमारी के बाद 39 लाख रुपए की नकदी जब्त की

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन जांच के तहत राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी और अन्य के खिलाफ छापेमारी के बाद 39 लाख रुपए की बेहिसाबी नकदी जब्त की है।

राज्य की राजधानी जयपुर और बांसवाड़ा में पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) मंत्री जोशी के अलावा संबंधित विभाग के अधिकारियों और अन्य लोगों से संबद्ध आठ परिसरों पर मंगलवार को छापेमारी शुरू की गई थी। ईडी ने एक बयान में कहा, कुल 39 लाख रुपए की बेहिसाबी नकदी और संपत्ति विवरण, डिजिटल साक्ष्य, मोबाइल तथा विभिन्न साक्ष्य दस्तावेज जब्त किए गए। इसने यह नहीं बताया कि किससे कितनी रकम जब्त की गई। धनशोधन का मामला श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन, श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल और अन्य के खिलाफ राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की प्राथमिकी से संबंधित है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि नामजद लोग अवैध सुरक्षा प्राप्त करने, निविदाएं प्राप्त करने, बिल स्वीकृत कराने और पीएचई विभाग से प्राप्त विभिन्न निविदाओं के तहत उनके द्वारा किए गए कार्यों में अनियमितताओं को छिपाने के लिए लोकसेवकों को रिश्वत देने में शामिल थे। केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है तथा इसे राजस्थान में राज्य के पीएचई विभाग द्वारा लागू किया जा रहा है। ईडी ने पिछले साल जयपुर और दौसा में कुछ अन्य लोगों के अलावा पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एवं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल के आवासीय और आधिकारिक परिसरों पर छापेमारी की थी। इससे पहले एजेंसी ने दावा किया था कि कई बिचौलियों और प्रॉपर्टी डीलर ने जल जीवन मिशन से अवैध रूप से अर्जित धन की हेराफेरी के लिए राजस्थान सरकार के पीएचई विभाग के अधिकारियों की मदद की थी।

एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया था कि जांच में पाया गया कि ठेकेदारों ने इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) द्वारा जारी कथित फर्जी कार्य समापन प्रमाणपत्रों के आधार पर और पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को रिश्वत देकर जल जीवन मिशन के कार्यों से संबंधित निविदाएं हासिल की थीं। एजेंसी ने कहा कि इस मामले में ईडी द्वारा कीमती सामान की कुल जब्ती अब 11.42 करोड़ रुपए मूल्य की हो गई है, जिसमें 6.50 करोड़ रुपए का सोना-चांदी शामिल है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी नेताओं और कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को निशाना बनाने के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार के निर्देशों पर काम कर रही हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में कांग्रेस से सत्ता छीन ली थी।

भारत ऋण संकट का सामना कर रहा : मल्लिकार्जुन खरगे

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को दावा किया कि मोदी सरकार की नीतियों की वजह से देश ऋण संकट के चक्रव्यूह में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है और विज्ञापन के तमाशे के शोर में सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता है।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने देश को सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले ऋण अधिक होने को लेकर चेतावनी दी है। ऋण और जीडीपी का अनुपात 81 फीसदी पर पहुंच गया है जबकि स्वीकार्य सीमा 60 फीसदी है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार 15 दिन में अपने कार्यकाल का आख़री बजट पेश करेगी। देश के परिवारों की बचत 50 साल में सबसे न्यूनतम स्तर पर है। जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के अनुपात में यह 5.1 प्रतिशत पर आ गिरी है। उन्होंने कहा कि सरकार का राजकोषीय घाटा करीब नौ प्रतिशत तक रहने का आकलन है, जिसमें केंद्र का घाटा 5.9 प्रतिशत और राज्य सरकारों का घाटा 3.1 प्रतिशत रह सकता है। कांग्रेस

अध्यक्ष ने कहा, इस हिसाब से पता चलता है कि देश के परिवार जितना बचा रहे हैं, उससे अधिक तो अकेले सरकार को क़र्ज़ लेना होगा।यही सबसे खतरनाक है। उन्होंने कहा, आईएमएफ के मुताबिक़ कर्ज-जीडीपी अनुपात 60 प्रतिशत होना चाहिए, पर वह अभी 81प्रतिशत पर है, और आईएमएफ ने इसपर चेतावनी भी दी है, जिसे मोदी सरकार ने आदतन तरीक़े से नकारा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भारत सरकार क़र्ज़ के चक्रव्यूह में लगातार फंसती जा रही है। कहीं ए ना हो कि विश्व की कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तरह हमारी अर्थव्यवस्था और देश का भविष्य दोनों कुचक्र में उलझकर बड़ी मुसीबत में पड़ जाएं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ज़्यादा खर्च करने का ढिंढोरा पीटती है, पर असलियत यह है कि 15 मंत्रालयों ने अब तक पिछले बजट का केवल 17.8 फीसदी ही ख़र्च किया है।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी मुख्य यजमान होंगे: मुख्य अर्चक

भाषा। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य यजमान होंगे।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य अर्चक की भूमिका निभाने जा रहे पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही मुख्य यजमान होंगे। दीक्षित ने उन खबरों का खंडन किया कि ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े अनुष्ठान में यजमान होंगे। दीक्षित बुधवार को वाराणसी से अयोध्या के लिए रवाना हुए। उन्होंने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि पूर्व में उन्होंने राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ स्थित भगवान राम मंदिर में और ओडिशा के एक मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न कराए थे। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले किए जा रहे अनुष्ठानों के तहत दूसरे दिन बुधवार को सरयू नदी के तट पर कलश पूजन किया गया। मंदिर ट्रस्ट के एक सदस्य ने यह जानकारी दी और कहा कि अनुष्ठानों का सिलसिला 22 जनवरी तक जारी रहेगा। अनुष्ठानों का सिलसिला मंगलवार को शुरू हुआ जो बुधवार को यहां सरयू नदी के तट पर यजमान (मुख्य यजमान) द्वारा कलश पूजन के साथ जारी रहा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा, उनकी पत्नी और अन्य लोगों ने सरयू नदी तट पर कलश पूजन किया। इसके पहले राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्एंद्र दास ने कहा था कि, अनुष्ठान शुरू हो गया है और 22 जनवरी तक जारी रहेगा। 11 पुजारी सभी देवी-देवताओं का आह्वान करते हुए अनुष्ठान कर रहे हैं।

भारत में कोविड के 269 नए मामले सामने आए, तीन लोगों की मौत

भाषा। नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 के 269 नए मामले सामने आए हैं जबकि संक्रमण के उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर 2,556 रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे की अवधि में संक्रमण से तीन लोगों की मौत हो गई जिसमें दो मरीज महाराष्ट्र और एक केरल का है।

दैनिक मामलों की संख्या पिछले साल पांच दिसंबर तक घटकर दहाई अंक तक आ गई थी, लेकिन ठंड और वायरस के नए उपस्वरूप के कारण मामलों में तेजी आई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक दिन में कोविड-19 के नए मामलों की संख्या 31 दिसंबर 2023 को 841 दर्ज की गई, जो मई 2021 में दर्ज सर्वाधिक मामलों का 0.2 प्रतिशत था। कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों में से तकरीबन 92 प्रतिशत मरीज घर पर ही पृथकवास में हैं। आधिकारिक सूत्रों ने कहा, इस समय उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि जेएन.1 उपस्वरूप की वजह से न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है, न ही अस्पताल में भर्ती होने वालों संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और न ही मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है। देश में कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के कारण अप्रैल-जून 2021 में महामारी की स्थिति बेहद भयावह हो गई थी और उस दौरान सात मई 2021 को देश में एक दिन में संक्रमण के 4,14,188 नए मामले सामने आए थे और 3,915 मरीजों की मौत हुई थी। देश भर में 2020 की शुरुआत से अब तक लगभग चार वर्ष में कोरोना वायरस से लगभग 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा इससे 5.3 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, अब तक संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या 4.4 करोड़ से अधिक हो गई है और इस संक्रमण से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है।

जाट समुदाय ने केंद्र में आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू किया

जयपुर। भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने जाटों को केंद्र की आरक्षण सूची में शामिल करने की मांग को लेकर बुधवार को भरतपुर में दिल्ली-मुंबई रेल पटरी के पास जयचौली में विरोध-प्रदर्शन शुरू किया। भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 22 जनवरी तक हम गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने मांग पूरी नहीं की तो आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में नौ राज्यों सहित भरतपुर-धौलपुर के जाटों के आरक्षण को खत्म कर दिया गया था। फौजदार ने कहा कि जाटों को केंद्र की आरक्षण सूची में शामिल करने के संबंध में प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी गत 12 जनवरी को जिला कलेक्टर के जरिए भेजा गया था, लेकिन उस पर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

इंदौर के 72-वर्षीय एक व्यक्ति ने दुनिया भर से जुटाए रामायण पर आधारित सैकड़ों डाक टिकट

इंदौर (मप्र)। डाक टिकटों के संग्रह को लेकर गजब का जुनून रखने वाले इंदौर के 72-वर्षीय एक व्यक्ति ने रामायण पर आधारित सैकड़ों डाक टिकट दुनिया भर से जुटाए हैं। ओमप्रकाश केडिया ने बुधवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि वह पिछले 60 साल से डाक टिकट जुटा रहे हैं और उन्होंने पिछले दो-तीन बरस से वैसे डाक टिकट का संग्रहण शुरू किया, जो अलग-अलग देशों ने रामायण की पृष्ठभूमि पर जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके इस संग्रह में भारत के अलावा इंडोनेशिया, नेपाल, लाओस, म्यांमा, थाईलैंड और कम्बोडिया के डाक टिकट शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2018 में आसियान-भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन के मौके पर जारी खास डाक टिकट भी उनके संग्रह की शोभा बढ़ा रहे हैं। केडिया ने बताया, दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में रामायण की कहानी बहुत मशहूर है और इसे वहां अलग-अलग तरह से प्रस्तुत किया जाता है।

पन्नू की धमकी के बाद मान ने कहा- पंजाब विरोधी ताकतों को सफल नहीं होने देंगे

भाषा। चंडीगढ़

भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और डीजीपी को धमकी दिए जाने के एक दिन बाद बुधवार को मान ने कहा कि वह राज्य की शांति और समृद्धि के संरक्षक हैं और इस तरह की धमकी के हथकंडे उन्हें काम करने से नहीं रोक सकते।

युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के लिए आयोजित कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री मान ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा पंजाब विरोधी ताकतों के प्रति लागू की गई कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति और विदेश में सुरक्षित पनाहगाहों से देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों को वापस लाकर दंडित करने के प्रयासों की वजह से ऐसी धमकी मिलना स्वभाविक है। उन्होंने कहा कि ए लोग राज्य में कड़े प्रयासों से स्थापित शांति को भंग करना चाहते हैं लेकिन उनकी सरकार ऐसी ताकतों को उनके नापाक मंसूबों को अंजाम नहीं देने देगी। मान ने कहा, ऐसे पंजाब विरोधी रुख के साजिशकर्ताओं ने विदेशों में शरण ले रखी है, लेकिन हम उन्हें वापस लाने और उनके पापों की सजा देने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के कारण पंजाब को भीतर और बाहर दोनों तरफ से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन वे ऐसी धमकियों के आगे न झुककर उनका बहादुरी से सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे खूंखार अपराधियों को सुरक्षित पनाहगाह देने वाले देशों को भी विश्व शांति के व्यापक हित में इन अपराधियों को वापस भेज देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार को भी ऐसे खूंखार राष्ट्र-विरोधी अपराधियों को देश में वापस लाकर उन्हें देश के कानून के अनुसार दंडित करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक गिरफ्तार

भाषा। मंगलुरु

मंगलुरु नगर पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में उत्तर कन्नड जिले के सिरसी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान पेशे से कैब चालक 34 वर्षीय अनिल कुमार के तौर पर की गई है जो गत 12 साल से सुरतकल में रह रहा है। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में कुमार ने पुलिस को बताया कि उसने गुस्से में वीडियो बनाकर पोस्ट किया क्योंकि उसका राशन कार्ड नहीं बन रहा था जिसकी वजह से वह सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहा था। सूत्रों ने बताया कि शहर के अट्टावर निवासी सुहान अल्वा ने मामले में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

14-18 वर्ष आयु वर्ग के 86.8 प्रतिशत से अधिक युवा शैक्षणिक संस्थानों में पंजीकृत

रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

देश में 14-18 वर्ष आयु वर्ग के 86.8 प्रतिशत से अधिक युवा शैक्षणिक संस्थानों में पंजीकृत हैं लेकिन इनमें से 25 प्रतिशत छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कक्षा-दो के स्तर की पाठ्य सामग्री भी धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते।

शिक्षा संबंधी वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) में बुधवार को इस बात को भी रेखांकित किया गया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के 32 प्रतिशत से अधिक लोग शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित नहीं हैं, जबकि कक्षा 11 और 12 के आधे से अधिक छात्र मानविकी पाठ्यक्रम का विकल्प चुनते हैं। एएसईआर 2023 बियॉन्ड बेसिक्स रिपोर्ट ग्रामीण भारत में 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं पर प्रकाश डालती है। इस आयु समूह पर एएसईआर 2017 में भी विशेष ध्यान दिया गया था। रिपोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों में पंजीकरण में कम लैंगिक अंतर का उल्लेख किया है, लेकिन इसने आयु वर्गों के बीच उल्लेखनीय अंतर को चिह्नित किया है। इसमें कहा गया है, अधिक आयु के युवाओं के पंजीकरण नहीं कराने की संभावना अधिक है। चौदह वर्ष के 3.9 प्रतिशत छात्रों और 18 वर्ष के 32.6 प्रतिशत छात्रों ने पंजीकरण नहीं कराया। रिपोर्ट में कहा गया, कुल मिलाकर, 14-18 वर्ष के 86.8 प्रतिशत बच्चे शैक्षणिक संस्थान में नामांकित हैं। इसमें हालांकि यह रेखांकित किया गया कि उनमें से 25 प्रतिशत अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कक्षा-2 स्तर की पाठ्य सामग्री भी धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते। रिपोर्ट में कहा गया है कि कक्षा 11 एवं 12 के 55 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने मानविकी पाठ्यक्रम में और इसके बाद छात्रों ने विज्ञान एवं वाणिज्य संबंधी पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया। इसमें यह भी बताया गया कि छात्रों की तुलना में कम छात्राओं के एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) पाठ्यक्रमों में पंजीकरण कराने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान आजीविका का साधन नहीं होने के कारण छात्रों के स्कूल छोड़ देने का डर निराधार पाया गया। इसमें कहा गया, इस आयु वर्ग के अधिकांश युवा कला और मानविकी पाठ्यक्रमों में नामांकित थे। कक्षा 11 या उससे ऊपर की कक्षाओं में आधे से अधिक कला और मानविकी पाठ्यक्रम (55.7 प्रतिशत) में नामांकित हैं। छात्रों (36.3 प्रतिशत) की तुलना में कम छात्राओं (28.1 प्रतिशत) के एसटीईएम पाठ्यक्रम में दाखिला लेने की संभावना है। पिछले साल की रिपोर्ट के अनुसार, छह से 14 वर्ष की आयु वर्ग के छात्रों के पंजीकरण का स्तर 2010 में 96.6 प्रतिशत, 2014 में 96.7 प्रतिशत और 2018 में 97.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 98.4 प्रतिशत हो गया। इसमें बताया गया है कि वर्तमान में केवल 5.6 प्रतिशत युवा व्यावसायिक प्रशिक्षण ले रहे हैं या अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया, सर्वे में शामिल छात्रों में से सिर्फ 5.6 प्रतिशत फिलहाल व्यावसायिक प्रशिक्षण ले रहे हैं या अन्य संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ रहे है। कॉलेज स्तर पर युवाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने की संभावना सबसे अधिक (16.2 प्रतिशत) है। इसमें कहा गया, अधिकांश युवा कम अवधि (6 महीने या उससे कम) वाले पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं। महिलाओं (28 प्रतिशत) की तुलना में अधिक पुरुषों (40.3 प्रतिशत) ने पिछले महीने के दौरान कम से कम 15 दिनों तक घरेलू काम के अलावा अन्य काम करने की जानकारी दी।

पेज 1 का शेष

मोदी ने...

कोच्चि से उड़ान भरने से पहले मोदी ने 7,000 की संख्या में भाजपा के शक्ति केंद्र प्रभारियों को संबोधित किया और कार्यकर्ता के रूप में उनके अच्छे काम के लिए उनकी सराहना की। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से उनके बूथों पर जीत सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, अगर हम अपना बूथ जीतेंगे तो हम केरल जीतेंगे। इसके लिए आपको (पार्टी कार्यकर्ताओं को) हर बूथ स्तर के क्षेत्र में हर मतदाता पर अपना ध्यान केंद्रित करना होगा और कड़ी मेहनत करनी होगी। पीएम ने कहा, आपके पास अपने बूथ के हर मातादाता की सूची होनी चाहिए, उनसे मिलें, उनके नाम जानें, उनके परिवारों से मिलें, यह पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को केरल में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में उन लोगों को शामिल करने की सलाह दी जिन्हें अभी तक केंद्र सरकार की विकास और कल्याण योजनाओं से लाभ नहीं मिला है। आपको उन्हें मोदी की गारंटी की गाड़ी तक लाना होगा। मोदी की गारंटी का मतलब है वादे पूरे करने की प्रतिबद्धता। मेरा मानना है कि आप में से हर कोई इस संदेश को लोगों तक पहुंचा सकता है। भाजपा के तेज विकास का प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण वाली भारत की एक मात्र पार्टी होने का दावा करते हुए, उन्होंने पदाधिकारियों से युवाओं को आकर्षित करने और पार्टी और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में सकारात्मकता फैलाने के लिए माई भारत पहल, नमो ऐप के साथ-साथ सोशल मीडिया मंच का उपयोग करने का आग्रह किया। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में आगामी प्रतिष्ठा समारोह के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से गांवों और शहरों के मंदिरों में स्वच्छता अभियान शुरू करने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि केरल एक ऐसा राज्य है जहां रामायण माह मनाया जाता है और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से उनके क्षेत्र के हर घर में इस संदेश को प्रसारित करने का आह्वान किया और उन्हें 22 जनवरी की शाम को राम ज्योति रोशन करने और इस कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रामभक्तों...

के दौरान दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। भारत के सबसे धनी भक्तों और अन्य लोगों को अयोध्या तक पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व संख्या में चार्टर्ड उड़ानों के साथ उड़ानों की आवाजाही दस गुना बढ़ने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अयोध्या के महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चार्टर्ड उड़ानों सहित 800 से अधिक उड़ानें उतरने की उम्मीद है। उद्घाटन के दिन यहां 100 से अधिक उड़ानें उतरने की उम्मीद है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को अयोध्या को कोलकाता और बेंगलुरु से जोड़ने वाली उद्घाटव उड़ानों को हरी झंडी दिखाई। वर्तमान में अयोध्या दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और अहमदाबाद और कोलकाता से जुड़ा हुआ है। ट्रैवल पोर्टल्स के अनुसार 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बीच 20 और 21 जनवरी के लिए दिल्ली-अयोध्या और मुंबई-अयोध्या मार्गों पर हवाई किराया बुधवार को औसत किराए लगभग 2500 रुपये से 4,000 रुपये की तुलना में लगभग 18,000-20,000 रुपये था। वास्तव में, मुंबई-अयोध्या मार्ग पर किराया 20,000 से 24000.रुपये से अधिक था। दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान सूचना प्रदर्शन प्रणाली (एफआईडीएस) ने बताया है कि 21 घरेलू आगमन, 16 घरेलू प्रस्थान, 13 अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान और 3 अंतरराष्ट्रीय आगमन सहित कुल 53 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और संचालित नहीं हो रही हैं। ये रद्दीकरण कोहरे और अन्य परिचालन कारणों से हुए हैं, जिससे दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र - सफदरजंग वेधशाला - और पालम में सुबह 5.30 बजे दृश्यता 200 मीटर दर्ज की गई। मौसम की स्थिति के कारण दिल्ली आने वाली लगभग 20 ट्रेनें छह घंटे तक की देरी से चल रही हैं। इस बीच, दिल्ली हवाई अड्डे ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को मुख्य हवाई पट्टी रनवे 28/10 के विलंबित परिचालन के बारे में सूचित किया है। हवाई अड्डे ने जी20 शिखर सम्मेलन के बाद पुनर्वास परियोजना की शुरुआत और दिल्ली में लगाए गए जीआरएपी उपायों के कारण हुए व्यवधानों को देरी के लिए जिम्मेदार ठहराया। रनवे 28/10 सितंबर के मध्य से निर्धारित री-कार्पेटिंग से गुजर रहा है, जिसकी मूल पूर्णता तिथि 15 दिसंबर, 2023 निर्धारित की गई है। हवाई अड्डे ने अपनी रिपोर्ट में इस पुनर्वास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जो रनवे की निरंतर सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। उड़ान ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को आईजीआई हवाई अड्डे से कम से कम 508 उड़ानें विलंबित हुईं, जबकि 87 रद्द कर दी गईं। जहां तक आने वाली उड़ानों का सवाल है, 414 में देरी हुई जबकि 42 रद्द कर दी गईं। सोमवार को भी घने कोहरे के कारण परिचालन प्रभावित हुआ। मंगलवार को 50 उड़ानें रद्द कर दी गईं। मुद्दों को तुरंत संबोधित करने के लिए, सिंधिया ने छह महानगरीय हवाई अड्डों पर 'वॉर रूम' की स्थापना का उल्लेख किया, जहां हवाई अड्डे और एयरलाइन ऑपरेटर सहयोगात्मक रूप से काम करेंगे। ये वॉर रूम वास्तविक समय में यात्री असुविधा से संबंधित किसी भी समस्या को हल करने के लिए समर्पित होंगे। इसके अलावा, सिंधिया ने हवाई अड्डों पर सुरक्षा और परिचालन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सीआईएसएफ जनशक्ति की चौबीसों घंटे उपलब्धता का आश्वासन दिया। सैटेलाइट इमेजरी से पता चला कि बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश और दिल्ली में कोहरे में कमी आई है। हालांकि, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा, 'सैटेलाइट इमेजरी में निचले बादलों और कोहरे के बीच अंतर करना अक्सर एक चुनौती है।' अधिकारियों ने कहा कि उत्तर भारत में गंगा के मैदानी इलाकों में सुबह-सुबह कोहरे की परत कुछ हिस्सों में बुधवार को कम हो गई। आईएमडी ने कहा कि अगले पांच दिनों तक उत्तर भारत में घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। इसने कहा कि अगले दो दिनों तक उत्तरी मैदानी इलाकों में कोल्ड-डे से लेकर सीवियर-कोल्ड-डे की स्थिति बनी रहेगी। उत्तर पश्चिम भारत में पांच दिनों तक शीत लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है।

आर्यावर्त....

सर्किट हाउस, साकेत कॉलेज आदि स्थानों पर कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी के नृत्य रूपों सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम पहले ही शुरू हो चुके हैं, जहां आगंतुक विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक गतिविधियों से परिचित होंगे। आयोजकों ने कहा कि कार्यक्रम नई अयोध्या के सांस्कृतिक विषय का परिचय देंगे। प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता देवकीनंदन ठाकुर राम कथा पार्क में राम कथा सुनाएंगे जो 23 जनवरी तक चलेगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के एक पदाधिकारी ने कहा, 'अगले कुछ महीनों के लिए कई कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है क्योंकि इस महीने किसी भी दिन से शुरू होने वाले हर दिन लाखों भक्तों के अयोध्या आने की उम्मीद है।'

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी 2024

उर्वरक सब्सिडी चालू वित्त वर्ष में 34 प्रतिशत घटकर 1.8 लाख करोड़ रुपए की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि वैश्विक कीमतों में गिरावट और यूरिया के कम आयात के कारण चालू वित्त वर्ष में सरकार का उर्वरक सब्सिडी बिल 30-34 प्रतिशत घटकर 1.7-1.8 लाख करोड़ रुपए रहने की संभावना है। पिछले वित्त वर्ष में यह सब्सिडी बिल 2.56 लाख करोड़ रुपए था। रसायन और उर्वरक मंत्री ने कहा कि देश में उर्वरक की कोई कमी नहीं है और लाल सागर संकट के बीच आयात बाधित नहीं हुआ है क्योंकि भारतीय नौसेना मालवाहक जहाजों की सुरक्षा कर रही है। चालू वित्त वर्ष में यूरिया आयात 40-50 लाख टन का ही होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष आयात किए गए लगभग 75 लाख टन से कम है। आयात में इस कमी का कारण उच्च घरेलू उत्पादन और नैनो तरल यूरिया का बढ़ता उपयोग है।

लाल सागर में समस्याओं के कारण आयात पर किसी प्रतिकूल प्रभाव के

बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा, देश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। मांडविया ने संवाददाताओं से कहा, विदेश मंत्रालय आवश्यक हस्तक्षेप कर रहा है और हमारी नौसेना भारतीय मालवाहक जहाजों को सुरक्षा दे रही है। निर्यातकों के अनुसार, लाल सागर संकट के कारण माल ढुलाई दरें 600 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे विश्व व्यापार को नुकसान होगा। लाल सागर और भूमध्य सागर को हिंद महासागर से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग, बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के आसपास अंतरराष्ट्रीय तनाव, यमन स्थित हूती आतंकवादियों के हालिया हमलों के कारण बढ़ गया है। सम्मेलन में मांडविया ने अपनी नई किताब फर्टिलाइजिंग द फ्यूचर: भारत मार्च टुवार्ड्स फर्टिलाइजर सेल्फ सफिशिएंसी के बारे में भी बात की। मंत्री ने कहा कि खरीफ (ग्रीष्म कालीन बुआई) सत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है।

मौजूदा समय में, देश में 70 लाख टन यूरिया, 20 लाख टन डीएपी, 10 लाख टन एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश), 40 लाख टन एनपीके और 20 लाख टन एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का भंडार है। उर्वरक सब्सिडी के बारे में पूछे जाने पर, मांडविया ने कहा कि सब्सिडी बिल लगभग 1.7-1.8 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। वैश्विक कीमतों में गिरावट के कारण इस साल सब्सिडी कम रहने की उम्मीद है। हमने सब्सिडी कम करने के लिए खुदरा कीमतें नहीं बढ़ाई हैं।

ईडी अधिकारियों पर हमले की जांच सीबीआई और बंगाल पुलिस का संयुक्त दल करेगा: अदालत

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पांच जनवरी को संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के परिसर की तलाशी के लिए गए ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले की जांच के लिए सीबीआई और पश्चिम बंगाल पुलिस का संयुक्त एसआईटी गठित करने का बुधवार को आदेश दिया। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय इस जांच की निगरानी करेगा और जांच दल इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 12 फरवरी को जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश करेगा। ईडी के वकील ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया था। ईडी को पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा की जा रही जांच पर विश्वास नहीं है। सीबीआई के पुलिस अधीक्षक रैंक का एक अधिकारी और इस्लामपुर पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक जसप्रीत सिंह संयुक्त रूप से इस एसआईटी की अगुवाई करेंगे।

हिंसा ने कभी मानवता को जन्म नहीं दिया: धनखड़

भाषा। नई दिल्ली

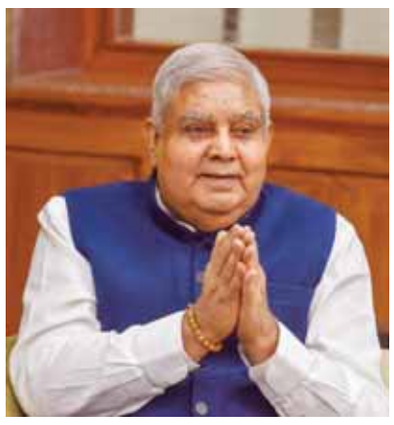

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि भगवान बुद्ध का शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व का संदेश नफरत एवं आतंक की ताकतों के खिलाफ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बुद्ध के उपदेश अतीत के अवशेष नहीं हैं, बल्कि लोगों के भविष्य के लिए दिशा सूचक हैं। धनखड़ ने कहा कि नैतिक अनिश्चितता के युग में बुद्ध के उपदेश स्थिरता का मार्ग प्रदान करते हैं। उन्होंने लोगों से शांति स्थापित करने के लिए सहिष्णुता, न्याय और साझा प्रतिबद्धता का पालन करने का भी आग्रह किया, जिसका उद्देश्य ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है जहां सभी का विकास हो।

यहां शांति के लिए एशियाई बौद्ध सम्मेलन की 12वीं महासभा के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत बुद्ध के सिद्धांतों से निर्देशित रहा है। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भारत में हुई और दुनिया के हर कोने में इसका प्रसार हुआ। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था, हम उस देश से हैं जिसने बुद्ध दिया, युद्ध नहीं। धनखड़ ने कहा, विश्व आज ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जिनके समाधान के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है- चाहे वह जलवायु परिवर्तन हो, संघर्ष हो, आतंकवाद हो या गरीबी हो... ए चुनौतियां एक तरह से मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा हैं तथा इन्हें साझा संकल्प और सहयोगात्मक एवं सामूहिक दृष्टिकोण से ही हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ती जा रही है, मित्रता, संयम और सभी जीवों के प्रति श्रद्धा का उनका (बुद्ध का) मध्यम मार्ग- हमें और हमारी पृथ्वी को एक स्थाई मार्ग प्रदान करता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान बुद्ध के सिद्धांत सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाने के लिए आशा की किरण से कम नहीं हैं।

धनखड़ ने यह भी कहा, हिंसा ने कभी मानवता को जन्म नहीं दिया और शांति ने कभी विभाजन नहीं किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की कलाकृति 5,000 वर्षों के इतिहास को दर्शाती है। उन्होंने इसके भाग-पांच के बारे भी बताया, जहां भगवान बुद्ध के संघ शासन का उल्लेख किया गया है। धनखड़ ने कहा कि यह ज्ञानोदय के आदर्शों- एक संसदीय प्रणाली, स्वतंत्र न्यायपालिका और शक्ति संतुलन का प्रतीक है जो देश की सर्वोच्च संस्थाओं का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा भारत इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि पूरी दुनिया की युवा पीढ़ी भगवान बुद्ध के बारे में अधिक जाने और उनके आदर्शों से प्रेरित हों।

धनखड़ ने कहा, भारत बौद्ध सर्किट के विकास, बौद्ध विरासत स्थलों तक पहुंचने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए संपर्क को बढ़ावा देने, बौद्ध संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र और भगवान बुद्ध के संदेशों को लोकप्रिय बनाने के लिए सक्रिय है। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि बौद्ध धर्म ने परिवर्तनशील चुनौतियों से गुजर रहे विश्व को शांति और अहिंसा पर आधारित जीवन जीने का एक तरीका दिया है। उन्होंने कहा कि शांति के बिना मानव सभ्यता खतरे में पड़ जाएगी।

मणिपुर के मोरेह में स्थिति तनावपूर्ण, मुख्यमंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक

इंफाल। मणिपुर के मोरेह में उग्रवादियों द्वारा पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी एवं बम से हमले की कई घटनाओं और स्थानीय लोगों की केंद्रीय बलों से टकराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। एक अधिकारी के अनुसार एसबीआई मोरेह के पास उग्रवादियों ने एक अस्थाई पुलिस इकाई पर रॉकेट संचालित ग्रेनेड दागे जिसके बाद दोनों पक्षों में संघर्ष छिड़ गया। उसके बाद वार्ड संख्या सात और चिकिम गांव में उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर हमले किए। वार्ड संख्या सात एवं चिकिम गांव म्यामां सीमा के नजदीक हैं।

इमा कोनडोंग लैरेम्बी देवी मंदिर के पास घात लगाकर किए गए हमले में मणिपुर पुलिस के कर्मी समरजीत (32) को गोली लग गई। बाद में असम राइफल्स के अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार इस गोलीबारी (मुठभेड़) में इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के दो और कर्मी घायल हो गए।

एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि समरजीत के शव और दो घायल कर्मियों एन भीम और सिद्धार्थ थोकचोम को हेलीकॉप्टर से इंफाल लाया गया तथा घायलों को क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया है। एक संबंधित घटना में केंद्रीय बलों के वाहन से टकराकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वह वाहन को रोकने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने बताया कि कर्फ्यू के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतर आईं और उन्होंने स्थिति को संभालने जा रहे असम राइफल्स एवं सैन्यकर्मियों के आवागमन को बाधित करने के लिए सड़क जाम कर दिया। स्थिति पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई जिसमें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मंत्री एवं विधायक मौजूद थे।

ओडिशा में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है : धर्मेंद्र प्रधान

भाषा। भुवनेश्वर

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजद) सरकार को अहंकारी बताते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो गया है और पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। प्रधान ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मुख्यालय में एक बैठक के दौरान यह बात कही। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, सत्तारूढ़ बीजद के नेता बहुत अहंकारी हैं और लोग उन्हें अगले चुनाव में सबक सिखाएंगे। प्रधान के आरोपों को बीजद नेता प्रणव प्रकाश दास ने खारिज कर दिया। दास ने उन पर राज्य और अपने गृह जिले अंगुल के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के गृह जिले अंगुल से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की खराब सड़कों का जिक्र किया।

प्रधान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीजद के नेता कालाहांडी जिले में एक शिक्षिका के शोषण और हत्या में शामिल हैं। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी की जेल के अंदर हत्या कर दी गई। प्रधान ने कहा, शिक्षिका हत्याकांड के मुख्य आरोपी की जेल में मौत को लेकर सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि

कानून-व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बारगढ़ जिले के भटली इलाके में पुलिस थाने के अंदर ही पुलिसकर्मियों की पिटाई कर दी गई।

केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं पर अत्याचार के मामले में ओडिशा शीर्ष पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास है और तब हालात ऐसे हैं कि पुलिसकर्मियों को थाने में पीटा जा रहा है। उन्होंने कहा, रावण, कंस से लेकर दुर्योधन तक के अहंकार को लोगों ने बर्दाश्त नहीं किया। समय आएगा जब लोग इन्हें भी सबक सिखाएंगे। बीजद नेता प्रणव प्रकाश दास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, हमने आपसे तीन सीधे सवाल पूछे थे। आप जवाब देने के बजाय तथ्यों से आक्रोशित हो रहे हैं। हम पूछना चाहते हैं कि आपने अपने जिले अंगुल या संबलपुर के लिए क्या किया है। बीजद नेता ने प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री के रूप में उन्होंने(धर्मेन्द्र प्रधान) अपने गृह जिले में कोई केंद्रीय विश्वविद्यालय या कौशल केंद्र तक नहीं खोला।

दास के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक ललितेंदु विद्याधर महापात्रा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेता और राज्य सरकार विपक्षी नेताओं के सवालों से क्यों बचती है। ब्रह्मगिरि विधानसभा क्षेत्र से विधायक महापात्रा ने दावा किया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान प्रधान ने ओडिशा के लिए 2.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश जुटाया था। भाजपा विधायक ने कहा, विपक्षी दलों के सवालों पर सवाल उठाना बीजद की आदत है। अब समय आ गया है कि पार्टी अपने वादों और उपलब्धियों के बारे में आत्मनिरीक्षण करे।

बांधवगढ़ अभयारण में बाघ मृत मिला, एक हफ्ते में दूसरी घटना

उमरिया (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य (बीटीआर) में एक युवा बाघ मृत पाया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संभवत: किसी वयस्क बाघ के हमले में यह मारा गया। बीटीआर में एक सप्ताह के भीतर बाघ की मौत की यह दूसरी घटना है। वन रेंजर विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि 12 से 18 माह की उम्र का बाघ मंगलवार को धमोखर रेंज में एक खाई में मृत मिला। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीता होता है कि उसकी मौत लगभग 36 घंटे पहले हुई होगी। उन्होंने बताया कि जिस जगह मृत बाघ मिला है, उस जगह दूसरे बाघ के पैरों के निशान मिले हैं।

मृत बाघ को दूसरे बाघ द्वारा खींचे जाने के निशान भी मिले हैं। वन अधिकारी ने बताया कि जांच में पाया गया कि उसकी गर्दन की हड्डी टूटी हुई थी और वहां दांतों के निशान भी हैं, जिससे पता चलता है कि बाघ की मौत अन्य बाघ के साथ लड़ाई में हुई है। उन्होंने बताया कि मृत बाघ का पोस्टमार्टम करने के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुसार उसका निपटान कर दिया गया और उसके कुछ नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए।

इससे पहले नौ जनवरी को 15 से 18 माह की उम्र का एक बाघ बीटीआर के पतोर रेंज में एक खाई में मृत पाया गया था। मध्य प्रदेश ने हालिया गणना (2022) में बाघ राज्य का दर्जा बरकरार रखा है। राज्य में बाघों की संख्या 2018 में 526 से बढ़कर 785 हो गई है। एनटीसीए और भारतीय वन्यजीव संस्थान की ओर से पिछले साल जारी की गई रिपोर्ट स्टेटस ऑफ टाइगर्स: को-प्रीडेटर्स एंड प्री इन इंडिया-2022 के अनुसार देश में सबसे ज्यादा बाघ मध्य प्रदेश (785) में हैं।

राम मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद अयोध्या जाऊंगा: शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि वह मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद भगवान राम की पूजा करने के लिए अयोध्या जाएंगे। पवार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय को लिखे एक पत्र में कहा कि वह 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए मिले निमंत्रण को लेकर आभारी हैं, वह उस दिन इसमें शामिल नहीं हो सकेंगे। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, आस्था और भक्ति के प्रतीक हैं। बड़ी संख्या में रामभक्त समारोह में शामिल होंगे और उनके जरिए आनंद मुझ तक भी पहुंचेगा। 22 के बाद रामलला के दर्शन सुगम हो जाएंगे। मैं अयोध्या जाने की योजना बना रहा हूं और रामलला की पूजा भी करूंगा। उस समय तक मंदिर निर्माण भी पूरा हो जाएगा। अयोध्या में 22 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समोराह से दूर बनाने को लेकर कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया के अन्य घटक दल भाजपा के निशाने पर आ गए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी मंदिर निर्माण कर सकते हैं: श्री श्री रविशंकर

भाषा। बेंगलुरू

अयोध्या में होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर ज्योतिष्मठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा आपत्ति जताए जाने के बीच आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने बुधवार को कहा कि ऐसे कई उदाहरण है जिनमें मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर का निर्माण पूरा हुआ। रविशंकर ने कहा कि शंकराचार्य एक अलग मत का अनुसरण करते हैं, लेकिन कई अन्य प्रावधान भी हैं जो प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी मंदिर निर्माण की अनुमति देते हैं। उन्होंने कहा, कई ऐसे प्रावधान है जिनके तहत आप प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी मंदिर का निर्माण जारी रख सकते हैं। तमिलनाडु के रामेश्वरम में भगवान राम ने स्वयं एक शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की थी। उस समय वहां कोई मंदिर नहीं था। उनके पास मंदिर बनाने का समय नहीं था। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा की और बाद में मंदिर का निर्माण कराया गया।

उन्होंने आगे कहा कि यहां तक कि मदुरै मंदिर और तिरूपति बालाजी मंदिर भी शुरुआत में छोटे थे, जिन्हें बाद में राजाओं ने बनवाया। अयोध्या में मंदिर की आवश्यकता को उचित ठहराते हुए आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि (इससे) उस गलती को सुधारा जा रहा जो पांच सौ वर्ष पहले हुई थी। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक ने कहा, यह एक सपने का साकार होना है। लोग पांच सदियों से इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह (कदम) 500 साल पहले हुई गलती को सुधारने के लिए है। इसलिए पूरे देश में उत्सव और उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि एक आदर्श समाज को हमेशा राम राज के रूप में वर्णित किया जाता है, जहां हर कोई समान है, सभी के लिए न्याय (सुलभ) है, हर कोई खुश और समृद्ध है।

लालू प्रसाद को सीट बंटवारे को लेकर कोई जल्दी नहीं, अयोध्या नहीं जाएंगे

पटना। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के बीच सीट बंटवारा जल्द करने के जनत दल-यूनाइटेड (जदयू) के आग्रह के प्रति बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने असहमति जताई। सीट बंटवारे में देरी के सवाल पर उन्होंने कहा कि चीजें इतनी जल्दी नहीं होतीं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू के अध्यक्ष हैं। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी अयोध्या जाने की इच्छा नहीं है जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में अगले सप्ताह राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन निर्धारित है। लालू प्रसाद ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भाजपा के तत्कालीन कद्दावर नेता लाल कृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करवाकर राम रथ यात्रा को रास्ते में ही रोक दिया था।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के दर्शन के लिए आने लगे विदेशी पर्यटक।

गुरुद्वारे मे युवक की हत्या के आरोपी निहंग को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया

फगवाड़ा (पंजाब)। यहां एक गुरुद्वारा परिसर में एक युवक की हत्या करने के आरोपी सिखों के निहंग संप्रदाय के एक व्यक्ति को स्थानीय अदालत ने बुधवार को एक सप्ताह के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया। घटना के बाद निहंग रमनदीप सिंह ने दावा किया कि अज्ञात पीड़ित ऐतिहासिक गुरुद्वारा छेवीं पादशाही चौरा खूह में बेअदबी के कृत्य को अंजाम देने आया था। युवक के शव की अब तक किसी ने भी शिनाख्त नहीं की है। एडीजीपी गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गुरुद्वारे में बेअदबी की कोई घटना नहीं हुई। निहंग सिख समुदाय के योद्धा समुदाय से संबंधित होते हैं जिनके सदस्य आमतौर पर पारंपरिक हथियारों के साथ नीले वस्त्रों में देखे जाते हैं। रमनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हजारीबाग कारोबारी सब्सिडी वाला कायला लेने के लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देता था: ईडी

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को यह आरोप लगाया कि झारखंड में गिरफ्तार कोयला व्यापारी इजहार अंसारी सब्सिडी वाला कोयला लेने के लिए कुछ लोकसेवकों को रिश्वत दिया करता था। केंद्रीय एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंसारी को गिरफ्तार किया था और मंगलवार को हज़ारीबाग में तीन स्थानों पर उसके खिलाफ फिर से छापेमारी की। ईडी ने एक बयान में कहा कि रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने उसे बुधवार को छह दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया।

एजेंसी ने कहा कि अंसारी ईडी द्वारा बार-बार भेजे गए समन पर न तो उपस्थित हुआ और न ही उसने कोई जवाब दिया। ईडी ने कहा कि अंसारी ने कोयला लिंकेज नीति का दुरुपयोग किया, जिसके तहत सीमित उपभोग के लिए छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सब्सिडी वाला कोयला आवंटित किया जाता है। ईडी ने कहा कि अंसारी की 13 एसएमई कंपनियों को 71 करोड़ रुपए की कीमत का लगभग 86,568 टन कोयला आवंटित किया गया था, लेकिन इसका इस्तेमाल करने के बजाय, उसने कोयले को खुले बाजार में बेच दिया और 71 करोड़ रुपए की आय अर्जित की।

एजेंसी ने कहा कि ए 13 कंपनियां चल नहीं रही हैं और फर्जी (संदिग्ध) इकाइयां पाई गई हैं। अंसारी पर पहली बार ईडी ने पिछले साल मार्च में छापा मारा था और तब एजेंसी ने 3.58 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। एजेंसी ने आरोप लगाया, आरोपियों ने वाराणसी (उत्तर प्रदेश) और धनबाद (झारखंड) की खुली कोयला मंडी (बाजार) में ऊंची कीमत पर रियायती दर का कोयला बेचकर अपराध की बड़ी कमाई अर्जित की और इस आय को अचल संपत्तियों में भी निवेश किया।

इसने कहा है, जांच से पता चला है कि इस तरह के सब्सिडी वाले कोयला आवंटन के लिए इजहार अंसारी कुछ लोक सेवकों को रिश्वताकमीशन देता था। धनशोधन का यह मामला राज्य पुलिस द्वारा अंसारी, उसके लिए काम करने वाले ट्रक ड्राइवर सैय्यद सलमानी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और कोयला खदान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दायर एक प्राथमिकी और आरोप-पत्र से उपजा है। इसमें कहा गया है कि झारखंड पुलिस ने एक ट्रक के साथ लगभग 19 टन अवैध कोयला जब्त किया है।

भुवनेश्वर में होटल व्यवसाई की हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने भुवनेश्वर में एक होटल व्यवसाई की कथित तौर पर हत्या करने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रतीक सिंह ने मंगलवार को बताया कि आरोपी महिला की पहचान सुनकी राणा उर्फ सोनी के रूप में हुई है, जिसे होटल व्यवसाई विश्वजीत नायक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ने बताया कि कुछ दिन पहले नायक हीरापुर गांव में अपने घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया था।

जांच में पता चला कि मूल रूप से झारसुगुड़ा की निवासी आरोपी सुनकी ने वर्ष 2005 में अपनी एक महिला रिश्तेदार की हत्या कर दी थी और इस अपराध के लिए उसे 12 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। रिहाई के बाद वह पिछले तीन साल से पुरी के एक आश्रम में रह रही थी। इस दौरान वह नायक की मां से मिली और उनकी देखभाल करने लगी।

डीसीपी ने बताया कि बाद में सुनकी उसकी मां के जरिए नायक के संपर्क में आई और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। जिसके बाद सुनकी ने आश्रम के प्रमुख से अनुमति लेकर नियमित तौर पर नायक के घर आना-जाना शुरू कर दिया। सुनकी 30 दिसंबर 2023 को नायक के घर आई और उसके साथ रहने लगी, इसी बीच आश्रम से उसकी वापसी के लिए फोन आते रहे, इसलिए उसने नायक से उसे पुरी जाने देने कर अनुरोध किया लेकिन नायक ने मना कर दिया। 12 जनवरी को दोपहर में दोनों के बीच झगड़ा हुआ और सुनकी ने अचानक नायक के सिर पर एक डंडे से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। सिंह ने बताया कि सुनकी ने खून से सने डंडे और पहने हुए कपड़े छिपा दिए और शाम को ऑटो से पुरी के लिए निकल गई। उसे पुरी से गिरफ्तार कर लिया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत बीमा कवर दोगुना करने के आसार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अपनी महत्वकांक्षी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के तहत बीमा कवर को दोगुना कर 10 लाख रुपए करने के प्रस्ताव पर काम कर रही है ताकि कैंसर और अंग प्रत्यारोपण जैसे महंगे इलाज में मरीजों की अधिक मदद की जा जके। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसकी घोषणा एक फरवरी को अंतरिम बजट भाषण में की जा सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) से किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वालों,निर्माण कामगारों, गैर कोयला खनन कर्मियों और आशा कार्यकर्ताओं को अगले तीन साल में जोड़कर लाभार्थियों की संख्या 100 करोड़ करने की योजना बना रहा है।

मंत्रालय यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि पांच लाख रुपए से अधिक के खर्च की आवश्यकता वाली गंभीर बीमारियों जैसे प्रत्यारोपण और उच्च लागत वाले कैंसर उपचार आदि को भी एबी-पीएमजेएवाई के तहत कवर किया जाए। इसके लिए वित्तवर्ष 2024-25 से ही बीमित राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपए प्रति परिवार के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने पर काम कर रहा है। बीमा कवर राशि 10 लाख प्रति परिवार और लाभार्थियों की संख्या 100 करोड़ करने की स्थिति में सरकार को हर साल प्रीमियम के रूप में 12,076 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान करना होगा।

योजना 2018 में लागू की गई थी और अबतक 6.2 करोड़ मरीजों ने इसका लाभ लिया और 79,157 करोड़ रुपए से अधिक राशि का इलाज कराया। अगर लाभार्थियों ने अपने स्तर पर यह इलाज कराया होता तो खर्च दोगुना तक होता। केंद्र ने वित्तवर्ष 2023-24 के बजट में आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई के लिए 7,200 करोड़ रुपए का आवंटन किया था जो 2024-25 में दोगुना कर करीब 15,000 करोड़ रुपए किया जा सकता है।

एबी-पीएमजेएवाई के तहत बने आयुष्मान कार्ड की संख्या 12 जनवरी को 30 करोड़ को पार कर गई थी। सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश 4.83 करोड़ कार्ड के साथ शीर्ष पर है जबकि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र क्रमश: 3.78 करोड़ और 2.39 करोड़ आयुष्मान कार्ड के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। देश के 11 राज्य है जहां पर आयुष्मान कार्ड की संख्या एक करोड़ से अधिक है। यह योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा कार्यान्वित की जा रही। इसका लक्ष्य 12 करोड़ लाभार्थी परिवारों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपए प्रति परिवार का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करना है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जनवरी 2024

मोदी के फिर से प्रधानमंत्री बनने को लेकर वैश्विक नेतृत्व भी आश्वस्तः स्मृति ईरानी

भाषा। दावोस

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को कहा कि वैश्विक नेतृत्व भारत में इस साल होने वाले आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिर से सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त है और उसे उनके द्वारा लाई गई नीतियों और सामाजिक क्षेत्र में किए गए सुधारों के जारी रहने की उम्मीद है। मंत्री ने यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2024 में पीटीआई के साथ साक्षात्कार के दौरान कहा कि यह तथ्य बहुत कुछ बताता है कि वैश्विक नेतृत्व, विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी का दावोस में फिर से स्वागत करने को लेकर उत्सुक है। उन्होंने कहा कि यहां मौजूद वैश्विक नेता ऐसे समय में एक उदार और विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की बात कर रहे हैं, जब कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं की हालत खराब है और समग्र भू-राजनीतिक परिदृश्य विखंडित है।

मोदी ने 2018 में यहां डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में भाग लिया था। 2021 और 2022 में वैश्विक नेताओं की इस सभा को डिजिटल तरीके से संबोधित किया था। महिला एवं बाल विकास के साथ-साथ अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री ईरानी यहां डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, जिसमें विश्व भर की सरकारों, व्यवसायों, शिक्षा जगत, कला जगत और संस्कृति जगत और नागरिक समाज के लगभग 3,000 नेता भाग ले रहे हैं। ईरानी ने वैश्विक नेताओं के साथ उनकी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर कहा कि विश्वभर के नेता भारत की विकास गाथा और इसकी भावी क्षमताओं और देश में नीतिगत एवं राजनीतिक स्थिरता को लेकर भी आश्वस्त हैं। विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष (बोर्गे ब्रेंडे) ने भी एक साक्षात्कार में सार्वजनिक रूप से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि वह 2025 में प्रधानमंत्री मोदी को दावोस में पुन: आमंत्रित करेंगे। इसका मतलब है कि वैश्विक समुदाय मोदी के दोबारा सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त है।

प्रधानमंत्री मोदी न केवल नीतिगत सुधारों को लेकर बल्कि यह सुनिश्चित करने को लेकर भी दृढ़ रहे हैं कि हमारी विकास गाथा में सामाजिक क्षेत्र को नजरअंदाज न किया जाए। मंत्री ने कहा कि समावेशी विकास एजेंडे में भारत के योगदान को दावोस में सराहा जा रहा है। आईटी क्षेत्र में हमारी डिजिटल क्षमता के अलावा यह तथ्य भी दावोस में चर्चा का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को दिखाया है कि डिजिटल लोकतंत्र कैसे काम करता है। दुनिया देख रही है कि प्रधानमंत्री मोदी के शासन के एजेंडे के तहत भारत में कैसे सामाजिक क्रांति लाई गई और विश्व इसका अनुकरण करना चाहता है। कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा संबंधी बुनियादी ढांचे के संबंध में जो मानवीयता दिखाई, वैक्सीन मैत्री के तहत भारत ने 160 से अधिक देशों को जो मदद दी, उसने देश को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में न केवल ख्याति दिलाई, बल्कि यह भी साबित किया कि जब दुनिया को जरूरत पड़ती है तो भारत और भारतीयों ने समाधान मुहैया कर जिम्मेदारी पूर्ण कदम उठाए हैं।

रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन में रिहाइशी इमारतों को बनाया निशाना, 17 घायल

कीव। लगभग दो वर्षों से जारी युद्ध में नागरिक इलाकों पर रूस की तरफ से किए गए नवीनमत हमलों में देश के उत्तर पूर्वी शहर खाकीव में बीती रात मास्को द्वारा दागी गई दो मिसाइलों ने रिहाइशी इमारतों और एक चिकित्सा केंद्र को निशाना बनाया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इस हमले में 17 लोग घायल हो गए। खारकीव के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने टेलीग्राम पर कहा कि एस-300 मिसाइलें मंगलवार रात में गिरीं। आम तौर पर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल एस-300 को रूस द्वारा जमीन के लक्ष्य पर हमला करने के लिए अनुकूलित किया गया है और बैलिस्टिक या क्रूज़ मिसाइलों की तुलना में इसे बनाना सस्ता है। विश्लेषकों का हालांकि कहना है कि इनकी मारक क्षमता सटीक नहीं है और इनका दायरा कम है। दोनों पक्ष अपने हथियारों के भंडार को फिर से भरने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि सर्दियों के दौरान 1500 किलोमीटर की अग्रिम पंक्ति पर लड़ाई काफी हद तक बंद हो जाती है और युद्ध का ध्यान लंबी दूरी की मिसाइल, ड्रोन और तोपखाने से हमलों पर केंद्रित हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार रूस के हाल ही में तेज हुए हवाई हमलों में दिसंबर में असैनिक हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई, जिसमें 100 से अधिक यूक्रेन के लोग मारे गए और लगभग 500 घायल हो गए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की कीव के पश्चिमी सहयोगियों पर हथियार की आपूर्ति जारी रखने के लिए कूटनीतिक दबाव बना रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को स्विटजरलैंड में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में हिस्सा लिया जहां अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से भी उन्होंने मुलाकात की। अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर हमले में 20 आवासीय इमारतें और एक चिकित्सा केंद्र को नुकसान हुआ। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि उसने रात भर रूस द्वारा दागे गए 20 शाहिद श्रेणी के ड्रोनों में से 19 को रोक दिया, हालांकि क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि अन्य ड्रोन बच निकले। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि दक्षिणी शहर ओडेसा में, एक ड्रोन हमले में तीन लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हमले के कारण एक रिहाइशी इमारत से लगभग 130 लोगों को निकालना पड़ा।

थाइलैंड की पटाखा फैक्टरी में धमाके से कम से कम 23 लोगों की मौत

बैंकॉक। मध्य थाईलैंड स्थित एक पटाखा फैक्टरी में बुधवार को हुए धमाके के कारण कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना मध्य थाईलैंड के सुफान बरी प्रांत में बुधवार दोपहर हुई। आपदा निवारण और न्यूनीकरण विभाग ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल को सुरक्षित करने और प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। यह धमाका चीनी नववर्ष से एक महीने से कम समय पहले हुआ है जब आतिशबाजी के सामान की सबसे अधिक मांग होती है। घटना स्थल पर मौजूद बचाव कर्मियों ने बताया कि मौके पर कोई जिंदा नहीं मिला है। प्रांतीय अधिकारियों ने भी किसी घायल के मिलने की सूचना नहीं दी जबकि विभाग ने बयान में कहा था कि कुछ लोग घायल हुए हैं।

सुफान बरी बैंकॉक से 95 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में अवस्थित है और यह थाईलैंड के प्रमुख धान उत्पादक इलाकों में से एक है। विश्व आर्थिक मंच में हिस्सा लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन के कार्यालय ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह फोन पर क्षेत्रीय पुलिस कमांडर से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें बताया जा रहा है कि धमाके के समय फैक्टरी में 20 से 30 मजदूर मौजूद थे और किसी का पता नहीं चल रहा है। सुमेरकुन सुफान बरी रेस्क्यू फाउंडेशन के क्रिट्सादा मैनी ने इससे पहले बताया था कि 15 से 17 लोगों की मौत हुई है लेकिन वास्तविक संख्या का पता लगाना मुश्किल है क्योंकि शव क्षत-विक्षत हो गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में दिख रहा है कि घटनास्थल पर काले धुंए का गुब्बार उठ रहा है।

राम मंदिर को लेकर दावोस में भी हलचल

भाषा। दावोस

अयोध्या स्थित राम मंदिर को लेकर विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान स्विट्जरलैंड के स्की रिसॉर्ट शहर दावोस में भी काफी गहमागहमी देखने को मिल रही है। श्रद्धालु यहां आगामी सोमवार को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन राम भजन आयोजित करने और दीए जलाने की योजना बना रहे हैं इसके अलावा सरकारी और निजी क्षेत्र के कई वैश्विक कारोबारी लोग भारतीय प्रतिनिधिमंडल से इस संबंध में जानकारी हासिल कर रहे हैं। ए लोग उप्र के शहर अयोध्या को एक बड़े धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से सृजित कारोबारी और अवसरंचना संबंधी अवसरों के बारे में जानना चाहते हैं। डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक-2024 से इतर पीटीआई-भाषा से बातचीत में केंद्रीय मंत्री स्मृति ने कहा कि वह श्रद्धालुओं के एक समूह से मिली जिसने उनसे पूछा कि क्या वे भी राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह मना सकते हैं।

उन्होंने कहा, यहां कुछ राम भक्तों ने मुझसे एक संदेश रिकॉर्ड करने के लिए कहा ताकि यहां के समुदाय को राम भजन करने और 22 जनवरी को दीए जलाने के लिए प्रेरित किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई अन्य नेताओं का अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होना तय है। 8000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी ने कहा, हर धर्म का सम्मान करते हुए हमने लंबे समय तक प्रतीक्षा की कि भगवान घर आएंगे। अन्य राज्यों के अलावा उत्तर प्रदेश ने भी डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक और आगंतुकों के लिए यहां एक पवेलियन स्थापित किया है।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की 54वीं वार्षिक बैठक 15 जनवरी से 19 जनवरी 2024 तक जारी रहेगी। ईरानी डब्ल्यूईएफ में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। ईरानी के साथ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के डीपीआईआईटी के सचिव आरके सिंह भी बैठक में हिस्सा ले रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच के विभिन्न सत्रों में भारतीय प्रतिनिधिमंडल अन्य वैश्विक राजनीतिक और व्यापारिक लोगों की उपस्थिति में शिक्षा, जैव ईंधन, लैंगिक विषमता, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के विषयों पर अपने विचार रखेगा। विश्व आर्थिक मंच की बैठक में पांच दिनों में कुल 21 सत्र आयोजित किए जाएंगे। इंडिया लाउंज के साथ मिलकर विश्व आर्थिक मंच में पांच स्टेट लाउंज की स्थापना भारत की समेकित और प्रमुख भूमिका को रेखांकित करती है, जो वैश्विक स्तर पर सहयोग और चर्चा को बढ़ावा देती है। इन पांच राज्यों में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। भारत के कारोबारी प्रतिनिधियों की संख्या 80 से अधिक है। कुछ भारतीय कंपनियों ने दावोस में लाउंज के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

दक्षिण नाइजीरिया में भीषण विस्फोट में तीन लोगों की मौत, 77 घायल

अबुजा। नाइजीरिया के सबसे बड़े शहरों में से एक में मंगलवार रात हुए भीषण विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और 77 अन्य घायल हो गए तथा 20 इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि बचावकर्मी मलबे में लोगों की तलाश कर रहे हैं जिनके फंसे होने की आशंका है। दक्षिण-पश्चिमी राज्य ओयो में घनी आबादी वाले शहर इबादान में रात लगभग 7:45 बजे भीषण विस्फोट की आवाज सुनाई दी जिससे दहशत फैल गई। उन्होंने कहा कि बुधवार सुबह तक सुरक्षाबलों ने क्षेत्र को घेर लिया। ओयो के गवर्नर सेई माकिंडे ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट अवैध खनन कार्यों में उपयोग के लिए रखे गए विस्फोटकों के कारण हुआ। गवर्नर ने बताया कि 77 घायलों में से अधिकतर को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है।

क्विक न्यूज़

हूतियों को अमेरिका वैश्विक आतंकवादियों के रूप में दोबारा सूचीबद्ध करेगा

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन जल्द ही यमन मे ईरान समर्थित हूती विद्रोहियो को विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादियो के रूप मे दोबारा नामित करने के कदम की घोषणा करेगा। व्हाइट हाउस केनिर्णय से परिचित दो लोगो और एक अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियो द्वारा लाल सागर मे वाणिज्यिक जहाजो पर दर्जनो हमले किए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। विद्रोहियो के अनुसार, उन्होने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद गाजा मे इजराइल केसैन्य अभियानो के जवाब मे जहाजो को निशाना बनाया। बाइडन के फैसले से परिचित तीन लोग टिप्पणी करने के लिए अधिकृत नही थे और उन्होने अपेक्षित औपचारिक घोषणा से पहले मामले पर चर्चा करने के लिए अपना नाम गुप्त रखने का अनुरोध किया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने फरवरी 2021 मे हूतियो को विदेशी आतंकवादी संगठनो और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादियो दोनो के रूप मे सूची से हटा दिया था क्योंकि प्रशासन यमन मे मानवीय सहायता को पहुंचाना आसान बनाना चाहता था। ट्रंप प्रशासन ने अपने आखिरी दिनो मे मानवाधिकार और मानवीय सहायता समूहो की कड़ी आपत्तियो के बाद हूतियो को एक विदेशी आतंकवादी संगठन केरूप मे नामित किया था।

श्रीलंका ने 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उसकी समुद्री सीमा मे कथित रूप से मछली पकड़ने पर 18 भारतीय मछुआरो को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौकाएं जब्त कर ली। यहां बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान मे यह जानकारी दी गई। भारतीय मछुआरो को कथित तौर पर श्रीलंका की जलसीमा मे मछली पकड़ने की वजह से गिरफ्तार करने की यह तीसरी घटना है। श्रीलंका की नौसेना ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि उत्तरपूर्व मे मन्नार तट से सटे समुद्री क्षेत्र मे मंगलवार को इन मछुआरो को गिरफ्तार किया गया और उनकी नौकाएं जब्त कर ली गई है। उसने बताया कि पकड़े गए इन 18 मछुआरो को मन्नार के तालपाडू पायर ले जाया गया और उन्हे आगे की कार्रवाई केलिए तलाईमन्नार के मात्स्यिकी निरीक्षक केहवाले कर दिया गया। रविवार को, श्रीलंका की समुद्री सीमा मे कथित रूप से मछली पकड़ने को लेकर 10 भारतीय मछुआरो को गिरफ्तार किया गया था और उनकी नौकाएं जब्त कर ली गई थी। उससे पहले ऐसी ही घटना मे 12 भारतीय मछुआरे पकड़े गए थे। मछुआरो का मुद्दा भारत और श्रीलंका केरिश्तो मे गतिरोध का कारण है।श्रीलंका के नौसैनिक देश की कथित समुद्री सीमा मे मछली पकड़ने पर भारतीय मछुआरो पर गोलीबारी भी करते है और उनकी नौकाएं जब्त कर लेते है। तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाला पाक जलडमरूमध्य दोनो देशो के मछुआरो केलिए मात्स्यिकी केलिहाज से प्रमुख क्षेत्र है।

भारत सफलता की एक असाधारण गाथा है : एंटनी ब्लिंकन

दावोस। भारत को सफलता की असाधारण गाथा बताते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियां एवं कार्यक्रम भारत के लोगो केलिए बहुत लाभप्रद रहे है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक, 2024 मे यहां उन्होने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन एवं प्रधानमंत्री मोदी के बीच बेहतरीन रिश्ते है तथा उनकी बातचीत मे भारत-अमेरिका संबंध समेत सभी पहलू शामिल होते है। दोनो देशो के द्विपक्षीय संबंधो के विस्तार की सराहना करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और भारत निरंतर संवाद मे लगे रहते है तथा उसमे लोकतंत्र एवं मूल अधिकार समेत सभी पहलू शामिल रहते है। उन्होने कहा, सदैव हमारे बीच जो वास्तविक वार्ता होती रही है, यह उसी का हिस्सा है। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि मोदी के शासन मे भारत की तीव्र आर्थिक विकास एवं बुनियादी ढांचा विनिर्माण की तेज रफ्तार केबाद भी क्या हिंदू राष्ट्रवाद का उभार अमेरिका केलिए चिंताजनक है।

ब्रिटेन की प्रिंसेज़ ऑफ वेल्स पेट की सर्जरी के लिए भर्ती हुईं

लंदन। ब्रिटेन मे प्रिंसेज़ ऑफ वेल्स केट मिडिलटन को पेट की पहले से तय सर्जरी के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया है और वह दो हफ्तो तक द लंदन विलनिक मे दाखिल रहेगी। केंसिंग्टन पैलेस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पैलेस ने कहा कि केट मिडिलटन के ईस्टर (मार्च के अंत मे पड़ने वाले ईसाई पर्व) के बाद अपनी जिम्मेदारी फिर से संभालने की उम्मीद है। केंसिंग्टन पैलेस ने कहा, प्रिंसेज़ ऑफ वेल्स इस बयान से उत्पन्न होने वाली दिलचस्पी को समझती है। पैलेस ने कहा कि केट को उम्मीद है कि जनता उनके बच्चो के लिए यथासंभव सामान्य स्थिति बनाए रखने की उनकी इच्छा को समझेगी और उनकी इस इच्छा का भी सम्मान करेगी कि उनकी व्यक्तिगत चिकित्सा जानकारी निजी ही रहे। राजकुमार विलियम की पत्नी केट ने अपने कार्यक्रमों को स्थगित करने के लिए माफी मांगी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन को मिसाइल और बम की आपूर्ति करने की घोषणा की

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को घोषणा की कि वे यूक्रेन को लंबी दूरी की और क्रूज मिसाइल और बम की आपूर्ति करने की योजना पर काम कर रहे हैं। मैक्रों ने साथ ही आगाह किया कि इस युद्ध में रूस की जीत वैश्विक व्यवस्था को कमजोर कर देगी। उन्होंने कहा, हम रूस को जीतने नहीं दे सकते और हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह अगले माह यूक्रेन की यात्रा पर जाएंगे। मैक्रों ने एक संवाददाता सम्मेलन में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दो घंटे से अधिक समय तक बात की। उन्होंने कहा कि फ्रांस लंबी दूरी की लगभग 40 मिसाइल और सैकड़ों बम की आपूर्ति करने की योजना बना रहा है, जिनका हमारा मित्र देश यूक्रेन इंतजार कर रहा है। उन्होंने इस संवाददाता सम्मेलन में वैश्विक संकट से निपटने के खातिर फ्रांस को मजबूत और बेहतर ढंग से तैयार करने की व्यापक योजना के बारे में भी बताया।

यूएनजीए के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस जनवरी के अंत में भारत आएंगे

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस संयुक्त राष्ट्र की मुख्य नीति-निर्माण इकाई का सर्वोच्च पद ग्रहण करने के बाद इस महीने के अंत में भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे। फ्रांसिस के कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि यूएनजीए के 78वें सत्र के अध्यक्ष फ्रांसिस सबसे पहले बुधवार से युगांडा की राजधानी कंपाला की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

बयान के अनुसार, फ्रांसिस की 17 से 21 जनवरी तक कंपाला की चार-दिवसीय यात्रा साझा वैश्विक समृद्धि के लिए गहन सहयोग विषय पर आधारित गुटनिरपेक्ष आंदोलन के 19वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए होगी। बयान में कहा गया है कि वह 21 जनवरी को लीविंग नो वन बिहाइंड विषय पर आयोजित जी-77 और चीन के तीसरे दक्षिण शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

बयान में कहा गया है कि युगांडा में विकासशील देशों के दो उच्च-स्तरीय मंचों पर अपने संबोधन में, फ्रांसिस इस बात पर प्रकाश डालेंगे कि "अभूतपूर्व संकट के समय, ग्लोबल साउथ के एकजुट आवाज़ बुलंद करने की बहुत अधिक आवश्यकता है। बयान में भारत की उनकी यात्रा की सटीक तारीख की घोषणा न करते हुए बताया गया है कि युगांडा के बाद फ्रांसिस अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत तथा चीन की यात्रा करेंगे। फ्रांसिस (67) की सितंबर 2023 में नियुक्ति के बाद महासभा के अध्यक्ष के रूप में यह उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। उनका त्रिनिदाद और टोबैगो की राजनयिक सेवा में लगभग 40 वर्षों का करियर रहा है।

रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देते विवेक रामास्वामी

चीन की जनसांख्यिकी संबंधी चिंता बढ़ी

● पिछले साल आबादी 20 लाख 80 हजार कम हुई

भाषा। बीजिंग

चीन की जनसंख्या 2023 में 20 लाख 80 हजार घटकर 1.4097 अरब रह गई और भारत अपने पड़ोसी देश को पछाड़कर 2023 में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। चीन के बुधवार को जारी वार्षिक आधिकारिक आंकड़े में यह जानकारी दी गई। चीन की आबादी लगातार दूसरे साल कम हुई है। देश में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए केवल एक संतान की नीति का दशकों तक सख्ती से पालन किया जिसके कारण जन्म दर में काफी कमी आई और चीन की आबादी में छह दशक में पहली बार 2022 में गिरावट आई। विशेषज्ञों ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की आबादी में आगामी वर्षों में और कमी आने का अनुमान जताया है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के आंकड़ों के अनुसार, भारत पिछले साल 142.86 करोड़ आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया।

चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल चीन में 90 लाख 20 हजार बच्चों का जन्म हुआ, जो 2022 (95 लाख 60 हजार) से 5.6 प्रतिशत कम है। चीन में कई दंपति संतान नहीं चाहते और इसलिए जन्म दर गिर रही है। चीन ने 1949 के बाद से जन्म दर का रिकॉर्ड रखना शुरू किया था और तब से अब तक 2023 में सबसे कम जन्म दर रही। पिछले साल प्रत्येक 1,000 लोगों पर 6.39 जन्म हुए जबकि 2022 में यह संख्या 6.77 थी। चीन ने मई 2021 में तीन संतान नीति लागू की और जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कई कदम हुए।

लोग देर से शादी कर रहे हैं और कई लोग संतान पैदा नहीं करने का विकल्प भी चुन रहे हैं। इसके अलावा पढ़ाई और पालन-पोषण के अत्यधिक खर्च के कारण अधिकतर लोग केवल एक ही संतान की नीति का पालन कर रहे हैं। इसके कारण 2016 से चीन की जनसंख्या वृद्धि दर धीमी हो रही है।

हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, पिछले साल एक करोड़ 11 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जिससे राष्ट्रीय मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों पर 7.87 हो गई। जनसांख्यिकी विशेषज्ञों ने कोविड-19 के प्रकोप के कारण मृतक संख्या में तेज बढ़ोतरी होने की आशंका जताई थी।

जन्म दर में गिरावट चीन के लिए लंबे समय से आर्थिक और सामाजिक चुनौती बनी हुई है। चीन की औसत आबादी लगातार बुजुर्ग हो रही है, जिसके कारण श्रमिकों की संख्या में कमी आ सकती है और समय के साथ आर्थिक विकास धीमा हो सकता है। इसके अलावा बड़ी संख्या में बुजुर्ग आबादी को सेवाएं प्रदान करने की देश की क्षमता के लिए भी चुनौती पैदा हो सकती है।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों के कारण दिसंबर में हताहत हुए आम नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ी: संरा

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन में हाल में रूस के भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमलों के कारण हताहत हुए आम नागरिकों की संख्या में दिसंबर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और इस दौरान इन हमलों में 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है एवं करीब 500 लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। यूक्रेन स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया कि हताहत हुए आम नागरिकों की संख्या में पिछले महीने 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उसने बताया कि यह संख्या नवंबर में 468 थी जो दिसंबर में बढ़कर 592 हो गई। संस्था ने कहा कि कुछ रिपोर्ट का सत्यापन होना अभी लंबित है इसलिए यह संख्या और बढ़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र निगरानी मिशन के प्रमुख डेनिएल बेल ने कहा, 2023 में हताहत होने वाले आम नागरिकों की संख्या में लगातार कमी आ रही थी, लेकिन दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत में हमले बढ़ने के कारण संख्या में बढ़ोतरी हुई।

संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि वह इन रिपोर्ट की पुष्टि कर रहा है कि यूक्रेन में 29 दिसंबर से जनवरी की शुरुआत तक किए गए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में 86 नागरिकों की मौत हुई है और 416 अन्य लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवतावादी कार्यालय के संचालन निदेशक एडम वोसोर्नू ने पिछले बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया था कि 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से मारे गए आम नागरिकों की संख्या 10,200 से अधिक है, जिसमें 575 बच्चे भी शामिल हैं और घायलों की संख्या 19,300 से अधिक है।

नशीले पदार्थों और क्लाश्निकोव ने पाकिस्तान को बर्बाद किया: प्रधान न्यायाधीश

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज इसा ने बुधवार अफसोस जताते हुए कहा कि नशीले पदार्थों और क्लाश्निकोव ने पाकिस्तान को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने देश से क्लाश्निकोव संस्कृति को खत्म करने पर जोर दिया। क्लाश्निकोव का मतलब एके श्रेणी की राइफल से है। उच्चतम न्यायालय ने देश भर के कई अधिकारियों को नोटिस जारी कर प्रतिबंधित हथियारों के लिए जारी किए गए लाइसेंस के बारे में जानकारी भी मांगी है। देश के शीर्ष न्यायाधीश ने कहा, मादक पदार्थों और क्लाश्निकोव ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। दुनिया भर में कहीं भी कोई काले शीशे वाली बड़ी कारों में क्लाश्निकोव लेकर नहीं घूमता। इसा ने कहा कि उन्हें भी क्लाश्निकोव का लाइसेंस लेने की पेशकश की गई।

द न्यूज इंटरनेशनल ने यहां एक सुनवाई के दौरान न्यायाधीश की टिप्पणी के हवाले से कहा, "सीजेपी (पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश) इसा ने कहा कि उन्हें भी क्लाश्निकोव का लाइसेंस लेने की पेशकश की गई है। प्रधान न्यायाधीश चोरी के आरोपी एक याचिकाकर्ता की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता, काशिफ़ पर एक व्यक्ति के घर में चोरी के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। इसमें हथियार भी चोरी हो गए थे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विवरण मांगते हुए पूछा, पूरे देश में प्रतिबंधित हथियारों के कितने लाइसेंस जारी किए गए हैं? सीजेपी ने इस बात पर अफसोस जताया कि पुलिस ने उस व्यक्ति से लाइसेंस नहीं मांगा जिसके हथियार चोरी हुए हैं। उन्होंने कहा, हथियारों का मालिक खुद स्वीकार कर रहा है कि दो क्लाश्निकोव, एक पिस्तौल तथा अन्य कीमती सामान चोरी गया है। उन्होंने इसके बाद सवाल किया कि याचिकाकर्ता को क्लाश्निकोव कहां से मिलीं?

प्रधान न्यायाधीश ने पुलिस महानिरीक्षक के खिलाफ भी कार्वाई के संकेत दिए क्योंकि वह बिना जांच पड़ताल के लाइसेंस जारी कर रहे हैं। सीजेपी इसा ने कहा कि इस्लामाबाद में घरों के बाहर गार्ड क्लाश्निकोव लेकर खड़े रहते हैं और स्कूलों- बाजारों में लोगों को क्लाश्निकोव के साथ देखा जाता है लेकिन पुलिस काले शीशे लगे वाहनों में क्लाश्निकोव लेकर घूमने वाले लोगों से पूछताछ करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाती। उन्होंने कहा कि किसी को कैसे पता चलेगा कि क्लाश्निकोव लेकर जो घूम रहा है, वह कोई आतंकवादी है या कोई और?

भारत ने अफगानिस्तान को हराया

शृंखला 3-0 से अपने नाम की

भाषा। बेंगलुरू

भारत ने बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में अफगानिस्तान को दूसरे सुपर ओवर में हराकर तीन मैच की श्रृंखला 3–0 से अपने नाम की। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए नाबाद शतक जमाया जिसकी मदद से भारत ने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी टी20 मैच में चार विकेट पर 212 रन बनाए। रोहित ने 69 गेंद में 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 121 रन बनाए। वहीं रिंकू ने 39 गेंद में 69 रन की नाबाद पारी खेली जिसमें दो चौके और छह छक्के शामिल थे। दोनों ने पांचवें विकेट की अटूट साझेदारी में 190 रन बनाए। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक समय पर चार विकेट 22 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद रोहित और रिंकू ने शुरूआत में संभलकर खेलते हुए पारी को संभाला और फिर हाथ खोलने शुरू किए। रोहित ने अफगानिस्तान के स्पिनरों को रिवर्स स्वीप भी लगाई जो आम तौर पर उनके बल्ले से देखने को नहीं मिलती। लेग स्पिनर कैस अहमद को रिवर्स स्वीप लगाकर ही उन्होंने टी20 क्रिकेट में अक्टूबर 2022 के बाद पहला अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में दर्शनीय पूल शॉट भी लगाए।

रोहित ने अपना शतक 63 गेंद में पूरा किया जो 2018 में लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ 111 रन के बाद उनका पहला टी20 शतक है। रोहित ने टी20 में अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। इससे पहले उनका सर्वोच्च स्कोर 118 रन था जो श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 2017 में इंदौर में लगाया था। दूसरे छोर से रिंकू ने उनका बखूबी साथ निभाया। उन्होंने सलीम को स्क्वेयर लेग पर फ्लिक के साथ छक्का जड़ा और टी20 में दूसरा अर्धशतक पूरा किया।

पहली गेंद से ही आक्रामक खेलने के इरादे से उतरने वाली भारतीय टीम को इस रणनीति का कभी कभी खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। यशस्वी जायसवाल आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे जिन्हें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फरीद अहमद ने पवेलियन भेजा। डीप में मोहम्मद नबी ने उनका कैच लपका। विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के घरेलू मैदान पर उतरे तो दर्शकों ने जबर्दस्त तालियों के साथ उनका स्वागत किया। वह हालांकि एक ही गेंद खेल पाए और अहमद ने उन्हें इब्राहिम जदरान के हाथों लपकवाया। विकेटकीपर जितेश शर्मा की जगह आए संजू सैमसन भी खाता नहीं खोल सके। वह अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर नबी को कैच देकर लौटे। फॉर्म में चल रहे शिवम दुबे ने विकेट के पीछे रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच थमाया। अहमद ने पहले स्पैल में तीन ओवर में दस रन देकर तीन विकेट लिए। पावरप्ले में भारत ने 30 रन बनाकर चार विकेट गंवा दिए। पहले दो मैचों में नाकाम रहे रोहित सही समय पर फॉर्म में लौटे और भारत ने बाकी 14 ओवर में 182 रन जोड़े जिनमें से 93 आखिरी पांच ओवर में बने।

अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में

भाषा। दुबई

अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही श्रृंखला के शुरूआती दो मैच में प्रदर्शन की बदौलत भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल बुधवार को ताजा जारी आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए जबकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी छठे स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में समान छह विकेट से जीत हासिल की जिसमें पटेल ने 23 रन देकर दो और 16 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे वह आल राउंडर खिलाड़ियों की सूची में दो पायदान के उछाल से 16वें स्थान पर पहुंच गए।

जायसवाल ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 34 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी जिससे उन्हें सात पायदान का फायदा हुआ और वह भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दूबे लगातार 60 और 63 रन की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 265वें स्थान से उछलकर 58वें स्थान पर काबिज हो गए। बल्लेबाज शुभमन गिल सात पायदान के लाभ से 60वें स्थान जबकि बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा तीन पायदान के फायदे से संयुक्त 61वें स्थान पर बने हुए हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चार पायदान के उछाल से 21वें स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के खिलाड़ियों में नजीबुल्लाह जदरान (46) और मोहम्मद नबी (54) को बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ। न्यूजीलैंड के फिन एलेन पाकिस्तान के खिलाफ 34 और 74 रन की पारियों से बल्लेबाजी रैंकिंग में 16वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी टिम साउदी गेंदबाजी सूची में आठ पायदान के लाभ से 18वें नंबर पर पहुंचे। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार अर्धशतकों से एक पायदान का फायदा हुआ जिससे वह चौथे स्थान पर काबिज हैं।

मानसिक अनुकूलन कोच को लाना भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए रहा मास्टर स्ट्रोक

रांची। एशियाई खेलों में नाकामी के बाद अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और मानसिक अनुकूलन कोच पीटर हारबर्ल को लाना मौजूदा एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स के रहने वाले हारबर्ल पिछले साल अक्तूबर से भारत की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन के साथ काम कर रहे हैं। भारतीय कप्तान सविता ने जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल से एक दिन पहले कहा , उनके आने से काफी मदद मिली। हमने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान अनुभव किया कि उनके सत्रों से कितना फायदा मिल रहा है। टीम के रूप में भी और व्यक्तिगत स्तर पर भी। एशियाई खेलों में हम काफी सकारात्मक सोच के साथ गए थे और वहीं से हमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेना चाहिए था। मौका भी था। टीम में कई सीनियर और जूनियर खिलाड़ी हैं। जब आप कुछ अपेक्षा करें और वह पूरी ना हो तो निराशा होती ही है।

एशियाई खेलों के बाद पीटर ने खिलाड़ियों में सकारात्मकता भरने पर काफी काम किया। हमें जब भी उनकी जरूरत होती, वह आनलाइन बातचीत के लिए उपलब्ध थे। वह काफी शांत रहते हैं। वह हमेशा कहते हैं कि जीवन रूकता नहीं है, चलता रहता है और हमने उनसे यही सीखा है। पेशेवर आइस हॉकी खिलाड़ी रहे हारबर्ल ने 1996 से 2006 के बीच अमेरिकी महिला आइस हॉकी टीम को बतौर खेल मनोविज्ञान सलाहकार अपनी सेवाएं दी। वह 2001 से 2005 के बीच अमेरिकी ओलंपिक समिति के साथ भी काम करते रहे और 2005 से 2023 तक अमेरिकी ओलंपिक और पैरालम्पिक समिति के सीनियर खेल मनोवैज्ञानिक रहे। भारत की कोच शॉपमैन ने कहा, एफआईएच क्वालीफायर में अमेरिका से पहला मैच हारने के बाद खिलाड़ियों की बैठक हुई। उसके बाद मैने पीटर से बात की और उसने मुझे रणनीति बताई।

सात्विक और चिराग दूसरे दौर में, अश्विनी-तनीषा बाहर

इंडिया ओपन

नई दिल्ली। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने बुधवार को यहां तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई लेकिन अनुभवी अश्विनी पोनप्पा और युवा तनीषा क्रास्टो को महिला युगल में शिकस्त झेलनी पड़ी। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन सात्विक और चिराग की जोड़ी को पहले दौर में फैंग चीह ली और फैंग जेन ली की चीनी ताइपे की दुनिया की 24वें नंबर की जोड़ी को एक घंटे और 18 मिनट में 21–15, 19–21, 21–16 से हराने में काफी पसीना बहाना पड़ा।

दूसरे दौर में भारतीय जोड़ी की भिड़ंत बेन लेन और सीन वैंडी की इंग्लैंड की जोड़ी तथा ल्यू चियांग याओ और यैंग पो हैन की चीनी ताइपे की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगी। अश्विनी और तनीषा की दुनिया की 20वें नंबर की जोड़ी को जोंगकोलफान किटिथराकुल और राविंडा प्राजोंजाई की थाईलैंड की दुनिया की 10वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ 5–21, 21–18, 11–21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक और चिराग ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और चीनी ताइपे की जोड़ी पर हावी होने का प्रयास किया। भारतीय जोड़ी को इसका फायदा मिला और उसने 8–4 की बढ़त बनाई। ब्रेक तक भारतीय जोड़ी 11–8 से आगे थी। चीनी ताइपे की जोड़ी ने लगातार वापसी की कोशिश की लेकिन सात्विक और चिराग ने अपने दमदार स्मैश से चीह और जेन पर बढ़त बरकरार रखी। 19–15 पर सात्विक की शानदार सर्विस से भारत को पांच गेम प्वाइंट मिले और फिर चीनी ताइपे की जोड़ी ने लंबा शॉट मारकर पहला गेम भारतीय जोड़ी की झोली में डाल दिया।

चीह और जेन ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत करते हुए 3–0 की बढ़त बनाई। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद कई सहज गलतियां की और सात्विक के नेट पर शॉट मारने से ब्रेक तक विरोधी जोड़ी 11–5 से आगे हो गई।

सात्विक और चिराग ने ब्रेक के बाद जोरदार वापसी की और अगले नौ में से आठ अंक जीतकर 13–12 की बढ़त बनाई और फिर लगातार चार अंक के साथ स्कोर 18–19 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने नेट पर शॉट मारकर चीनी ताइपे की जोड़ी को दो ब्रेक प्वाइंट दिए। चिराग ने हाफ स्मैश के साथ एक अंक जुटाया लेकिन फिर नेट पर शॉट खेल दिया जिससे स्कोर।–। हो गया। तीसरे गेम में भी चीनी ताइपे की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत की और 4–। की बढ़त बनाई लेकिन सात्विक और चिराग ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 10–4 कर दिया जिससे बाद भारतीय जोड़ी को गेम और मैच जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई। इससे पहले अश्विनी और तनीषा की जोड़ी शुरुआत में बिलकुल भी लय में नजर नहीं आई। दोनों ने कई शॉट बाहर मारे और नेट पर उलझाए। उनके पास थाईलैंड की जोड़ी के तेजर्तार खेल का कोई जवाब नहीं था। मैच आगे बढ़ने के साथ भारतीय जोड़ी लय हासिल करने में सफल रही लेकिन लगातार गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

अश्विनी और तनीषा की शुरुआत बेहद खराब रही। दोनों ने शुरुआत में दिशाहीन शॉट मारे जिससे जोंगकोलफान और राविंडा की जोड़ी ने जल्द ही 8–0 की बड़ी बढ़त बना ली। थाईलैंड की खिलाड़ी ने बाहर शॉट मारकर भारतीय जोड़ी के अंकों का खाता खोला लेकिन ब्रेक तक जोंगकोलफान और राविंडा 11–4 की बढ़त बनाने में सफल रहे। भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद भी गलतियों का सिलसिला जारी रखा जिससे जोंगकोलफान और राविंडा ने 15–5 के स्कोर पर लगातार छह अंक के साथ सिर्फ 16 मिनट में पहला गेम जीत लिया।

हमारे द्वारा आयोजित होने वाली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप ही वास्तविक होगी: तदर्थ पैनल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित करने का अधिकार केवल राष्ट्रीय महासंघ के पास होने के निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के दावे के एक दिन बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ पैनल ने कहा कि उसके द्वारा कराए जाने वाले टूर्नामेंट को ही वास्तविक माना जाएगा। तदर्थ पैनल ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता से ही पहलवानों को ही फायदा मिलेगा। डब्ल्यूएफआई ने चुनाव के बाद अपनी पहली कार्यकारी समिति की बैठक के बाद मंगलवार को घोषणा की थी कि वह 29 जनवरी से पुणे में राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराएगा। डब्ल्यूएफआई ने कहा था कि उसके संविधान के अनुसार केवल महासंघ के पास ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन का अधिकार है और तदर्थ पैनल के पास राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का कोई अधिकार नही है। डब्ल्यूएफआई को नियमों के उल्लघंन का हवाला देकर प्रतिबंधित करने वाले खेल मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित टूर्नामेंट को मान्यता नही दी जाएगी। पैनल प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा ने प्रेस विज्ञप्ति मे कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि सिर्फ रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) द्वारा आयोजित सीनियर राष्ट्रीय फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल और महिला राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप 2023 ही वास्तविक है जो खेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत और मान्यता प्राप्त होगी तथा सभी सरकारी फायदे केवल इस राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ही मिलेंगे। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने मंगलवार को कहा था कि वे मंत्रालय से निलंबन हटाने के लिए बातचीत करेंगे। एक महिला पहलवान ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, खेल अब एक मजाक बन चुका है। हम कहां जाएं? पहलवानों और खेल के फायदे के लिए इस सारे फसाद को खत्म किया जाना चाहिए। हरियाणा में एक अखाड़े के पहलवानों ने कहा कि वे पुणे में डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पहलवान ने कहा, हम पुणे जाएंगे, हम जयपुर नही जा रहे है जहां तदर्थ पैनल राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराएगा। तदर्थ पैनल जयपुर में दो से पांच फरवरी तक आरएसपीबी की मदद से राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित कराएगा। दिलचस्प बात यह है कि आरएसपीबी के पूर्व सचिव प्रेम चंद लोचब ने हाल ही में हुए डब्ल्यूएफआई चुनावों मे डब्ल्यूएफआई महासचिव का पद हासिल किया था।

तालिका में शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करूंगा: रॉस ब्रांच

अल उला (सऊदी अरब)। हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली राइडर रॉस ब्रांच डकार रैली 2024 की मुख्य बाइक रेस रैली जीपी वर्ग की तालिका मे शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा रहे है। मौजूदा सत्र मे रैली के पहले चरण के विजेता ब्रांच नौ चरण के बाद ओवरऑल रैंकिंग मे दूसरे स्थान पर है। वह शीर्ष पर काबिज रिकी ब्राबेक (मोन्स्टर एनर्जी होंडा टीम) से सात मिनट से अधिक समय से पिछड़ रहे है। इस रेस मे सिर्फ तीन चरण बचे हुए है और बोत्सवाना के इस राइडर को अगले चरणो मे अच्छी वापसी की उम्मीद है। उन्होंने रैली के नौवे चरण के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने इस चरण में रास्ता भटकने के कारण कुछ समय गंवा दिया। अगले चरण मे मेरा लक्ष्य समय की इस दूरी को पाटने पर होगा। इस तरह की रैली मे ऐसा होना आम है। मेरी कोशिश हालांकि शीर्ष स्थान पर वापसी करने की है। ब्रांच जब बाइक रेसिंग नही कर रहे होते है तब विमान उड़ाना पसंद करते है। उन्होंने कहा, यह अभी भी एक लंबी रैली है और डकार मे कुछ भी हो सकता है, कभी-कभी आपको चीजे वापस पाने के लिए केवल एक किलोमीटर मे अच्छे प्रदर्शन की जरूरत होती है। कल देखेंगे क्या होगा। हीरो मोटोस्पोर्ट्स के साथ डकार रैली मे ब्रांच का यह पहला सत्र है और वह टीम के समर्थन से बहुत खुश है। फेरारी ऑफ द कालाहारी नाम से मशहूर ब्रांच ने कहा, हीरो टीम मे माहौल हमेशा अद्भुत होता है। यह दुनिया भर मे एक परिवार की तरह है। इससे कोई फर्क नही पड़ता कि आप भारत से है, बोत्सवाना से है या जर्मनी से। माहौल हमेशा शानदार होता है। हर कोई बहुत सहयोगी है। मै इस बेहतरीन टीम मे होने पर बेहद खुश और बहुत गौरवान्वित हूं। प्राइवेट राइडर के रूप मे डकार रैली मे 2019 रूकी ऑफ द ईयर (सर्वश्रेष्ठ नवोदित राइडर) के विजेता, ब्रांच ने 2020 मे पहली बार स्टेज जीत हासिल की थी। अगले दो साल (2021, 2022) वह रैली पूरी नही कर सके। उन्होंने पिछली रैली (2023) निराशाजनक 27वे स्थान पर समाप्त की (दो चरण की जीत के बावजूद)। ब्रांच ने कहा कि छठे चरण मे दो दिनो तक चले 800 किलोमीटर की कोर्नो रेस पूरी करने के बाद उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। उन्होने कहा, यह हर किसी के लिए नया था। यह काफी कठिन था। पहले दिन हमने 513 किलोमीटर की दूरी तय की और हम पूरे दिन बाइक पर थे, लेकिन हमने रेस खत्म करने का लक्ष्य हासिल कर लिया और सब कुछ अच्छी तरह से स्थित है, मैने व्यक्तिगत रूप से उसका लुत्फ उठाया। उन्होने कहा, इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। हर दिन हम बाइक के साथ अधिक सहज होते जा रहे है, इतने दबाव मे रेत मे भटकने के बाद वापसी करना शानदार एहसास होता है।

ब्रिसन फर्नांडिज के गोल से एफसी गोवा ने दूसरी जीत दर्ज की

भुवनेश्वर। ब्रिसन फर्नांडिज के इंजुरी टाइम मे किए गए गोल की बदौलत एफसी गोवा ने बुधवार को यहां सुपर कप के ग्रुप डी मैच मे बेंगलुरु एफसी को।-0 से शिकस्त देकर प्रतियोगिता मे लगातार दूसरी जीत हासिल की। इस हार से पिछले सत्र के फाइनल मे पहुंची बेंगलुरु की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है जबकि एफसी गोवा दो मैच मे छह अंक से तालिका मे मजबूत स्थिति मे है।

ऑस्ट्रेलियाई एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप: अवनी शीर्ष 10 में बरकरार, वरुण ने कट में जगह बनाई

मेलबर्न। भारत की उभरती गोल्फर अवनी प्रशांत ने बुधवार को यहां दूसरे दौर में दो ओवर 75 का कार्ड खेलने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई एमेच्योर गोल्फ चैम्पियनशिप के शीर्ष 10 में अपना स्थान बरकरार रखा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी हिना कांग ने हालांकि सात ओवर 80 का निराशाजनक कार्ड खेला और वह कट से चूक गई। लड़कों के वर्ग में वरुण मुथप्पा कीज़बोरो कोर्स में कुल पांच ओवर 147 के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहे। उन्होंने दूसरे दिन एक ओवर 73 का स्कोर किया। अवनी का दूसरे दिन का खेल उतार चढ़ाव भरा रहा जिससे वह संयुक्त दसवें स्थान पर खिसक गई। वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही ऑस्ट्रेलिया की अमेलिया हैरिस और जापान की आइना फुजीमोटो से अभी पांच स्ट्रोक पीछे हैं।

प्रज्ञाननंदा ने विश्व चैंपियन लीरेन को हराया

विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़कर बने नंबर एक भारतीय

भाषा। विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड)

भारत के युवा शतरंज सुपरस्टार आर प्रज्ञाननंदा ने यहां टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन को हराया जिससे वह दिग्गज विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़कर भारत के सर्वाधिक रेटिंग वाले खिलाड़ी बन गए। मंगलवार की रात को दर्ज की गई इस जीत से 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा के 2748.3 रेटिंग अंक हो गए हैं जो फिडे लाइव रेटिंग में पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद के 2748 अंकों से अधिक है। विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था प्रत्एक महीने के शुरू में रेटिंग जारी करती है।

प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए 62 चाल में जीत दर्ज की। वह आनंद के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने क्लासिकल शतरंज में मौजूदा विश्व चैंपियन को हराया। प्रज्ञाननंदा ने इससे पहले 2023 में टाटा स्टील टूर्नामेंट में भी लीरेन हराया था। इस

भारतीय खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है। मैं शुरू से ही उस पर दबाव बना रहा था। मैंने शुरू में ही एक प्यादा हासिल किया और बिना किसी जोखिम के आगे बढ़ता रहा जो काले मोहरों से खेलने का फायदा होता है।

प्रज्ञाननंदा ने कहा कि अभी उनका ध्यान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने कहा, इस टूर्नामेंट में मेरा निजी लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह बेहद कड़ा टूर्नामेंट है। अमूमन कोई भी टूर्नामेंट नौ दौर का होता है लेकिन यह टूर्नामेंट 13 दौर का है। इसलिए यह एक और टूर्नामेंट में खेलने जैसा है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं और देखते हैं कि आगे क्या होता है।

प्रज्ञाननंदा के मास्टर्स ग्रुप में अब 2.5 अंक हो गए हैं और वह तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। यह किशोर ग्रैंडमास्टर अभी अच्छी फॉर्म में है। उन्होंने पिछले साल विश्व कप में मैग्नस कार्लसन के बाद दूसरे नंबर पर रहते हुए अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। मास्टर्स ग्रुप में नीदरलैंड के अनीश गिरी 3.5 अंक लेकर पहले स्थान पर हैं। उन्होंने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को हराया। अलीरेजा फिरोजा के तीन अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी विदित गुजराती ने जॉर्डन वान फॉरीस्ट के साथ बाजी ड्रॉ कराई। गुजराती के चार दौर के बाद दो अंक हैं।

राष्ट्रीय घुड़सवारी चैम्पियनशिप आज से ओरोविल में

ओरोविल (तमिलनाडु)। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने बुधवार को घोषणा की कि नौ दिवसीय राष्ट्रीय घुड़सवारी चैम्पियनशिप (ड्रेसेज) 18 जनवरी से यहां शुरू होंगी जिसमें 100 के करीब घुड़सवार व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगे। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा था जिसमें देश ने ड्रेसेज स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते थे। अनुश अग्रवाला ने व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य और फिर हृदय छेड़ा, दिव्यकीर्ति सिंह और सुदीप्ति हाजेला के साथ मिलकर टीम स्पर्ध पदक जीता था। ईएफआई के महासचिव कर्नल जयवीर ने कहा, हमें चैम्पियनशिप के लिए काफी अच्छी संख्या में प्रविष्टियां मिली हैं। इस खेल में दिलचस्पी काफी बढ़ गई है और हांगझोउ में जीते पदकों ने रोमांच और उम्मीदों को बढ़ाया ही है। टूर्नामेंट में सात चरण होंगे और स्कोरिंग एक से 10 तक होगी।

जोकोविच, कोको गॉफ तीसरे दौर में, जाबेउर और वोज्नियाकी बाहर

मेलबर्न। कोको गॉफ ने पहले सेट में संघर्ष करने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई जबकि गत चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने तनावपूर्ण मैच में अलेक्सेइ पोपिरिन को चार सेटों में हराया। छठी वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेउर और विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिन वोज्नियाकी हालांकि यहां रूस की दो युवा खिलाड़ियों से हारकर बाहर हो गई। जोकोविच ने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को 6– 3, 4 – 6, 7 – 6, 6 – 3 से मात दी। मैच के चौथे सेट में स्थानीय खिलाड़ी का समर्थन कर रहे एक दर्शक से उनकी बहस भी हो गई थी। मैच जीतने के बाद उन्होंने दर्शकों की ओर मुंह करके जश्न का इशारा किया।

महिला वर्ग में गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी कैरोलिन डोलेहाइड को 7–6 (6), 6–2 से हराया। उनका अगला मुकाबला अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी एलिसिया पार्क्स से होगा, जिन्होंने 32वीं रैंकिंग की खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पर 7–5, 6–4 से जीत दर्ज करके पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल विंबलडन में उपविजेता रही जाबेउर ने दूसरे दौर के मैच में कई बेजा गलतियां की। उन्हें 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने 54 मिनट में 6–0, 6–2 से पराजित किया। एंड्रीवा पिछले साल जूनियर वर्ग के फाइनल में पहुंची थी।

एंड्रीवा ने मैच के बाद कहा, मैं मैच से पहले वास्तव में काफी नर्वस थी क्योंकि ओन्स जिस तरह से खेलती हैं उससे मैं प्रेरणा लेती हूं। डब्ल्यूटीए टूर में खेलने से पहले ही मैं उसके मैच देखा करती थी और अब मुझे उसके खिलाफ खेलने का मौका मिला। यह लगातार दूसरा मौका है जबकि जाबेउर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई। इस टूर्नामेंट में 2018 में चैंपियन बनने वाली वोज्नियाकी को 20 वर्षीय मारिया टोमाफीवा ने।–6, 6–4, 6–। से हराया।

ओलंपिक में पदक के दावेदार के रूप में उतरना चाहता हूं: श्रीकांत

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को यहां कहा कि वह इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार के रूप में उतरना चाहते हैं और सिर्फ प्रतिनिधित्व के लिए खेलों के इस महाकुंभ में खेलने का उनका कोई इरादा नहीं है। श्रीकांत की विश्व रैंकिंग अभी 25 है और ओलंपिक में जगह बनाने के लिए उन्हें अप्रैल के अंत तक शीर्ष 16 खिलाड़ियों में जगह बनानी होगी। वह अभी पूर्व स्टार भारतीय खिलाड़ी पारूपल्ली कश्यप के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे हैं जिनके साथ उन्होंने कई टूर्नामेंट खेले हैं।

श्रीकांत ने इंडिया ओपन के पहले दौर में हांगकांग के ली च्युक ईयु के खिलाफ शिकस्त के बाद संवाददाताओं से कहा, मेरी नजरें लगातार अच्छे प्रदर्शन पर टिकी हैं। मैं ओलंपिक में पदक के दावेदार के रूप में जाना चाहता हूं, सिर्फ खेलने के इरादे से नहीं। मैं टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं और अगर ऐसा करता हूं तो निश्चित तौर पर ओलंपिक में जगह बनाऊंगा। मुझे नहीं लगता कि सिर्फ कुछ मैच जीतकर ओलंपिक में जगह बनाने से कोई फर्क पड़ने वाला है इसलिए मैं टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं। रियो ओलंपिक के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाले श्रीकांत ने कहा, मैं पहले भी ओलंपिक में खेल चुका हूं। पिछली बार मैं बेहद मामूली अंतर से चूक गया था। इस नजर से देखूं तो मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। अगर मैं टूर्नामेंट जीतता हूं तो ओलंपिक में जगह बना लूंगा और अगर नहीं भी खेल पाता तो बहुत फर्क नहीं पड़ेगा।

ली च्युक ने श्रीकांत को इंडिया ओपन से बाहर किया

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी भारत के किदांबी श्रीकांत बुधवार को यहां पुरुष एकल के पहले दौर में हांगकांग के ली च्युक ईयु के खिलाफ सीधे गेम में हार गए जिससे इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन में उनकी चुनौती समाप्त हो गई। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत को दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक के खिलाफ 47 मिनट में 22–24, 13–21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। ली च्युक के खिलाफ श्रीकांत की चार मैचों में यह तीसरी हार है। श्रीकांत शुरुआत में अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने तेजर्तार खेल दिखाया जबकि उनके स्मैश और ड्रॉप शॉट भी काफी सटीक थे जिससे हांगकांग के खिलाड़ी को काफी परेशानी हुई। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि मैच आगे बढ़ने के साथ लय खोई और काफी गलतियां भी की। श्रीकांत ने मैच के बाद कहा, मैंने काफी गलतियां की। पहले गेम में

22–21 के स्कोर पर गेम किसी की भी झोली में जा सकता था। मुझे मौके मिले लेकिन मैं अहम लम्हों पर इनका फायदा उठाने में नाकाम रहा।

श्रीकांत शुरुआत से ही अच्छी लय में नजर आए लेकिन ली च्युक ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हांगकांग के खिलाड़ी ने हालांकि कुछ आसान अंक भी गंवाए जिससे श्रीकांत 9–5 से बढ़त बनाने में सफल रहे। श्रीकांत ने दमदार क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ ब्रेक तक 11–7 की बढ़त बनाई। श्रीकांत ने बढ़त को 14–9 किया। ली च्युक ने बीच में कुछ अच्छे अंक जुटाए और स्कोर 14–15 किया। यह मुकाबले का वह समय था जब दोनों खिलाड़ियों ने एक–दूसरे की गलती पर अधिक अंक बनाए। ली च्युक ने 14–17 के स्कोर पर जोरदार वापसी करते हुए लगातार छह अंक के साथ तीन गेम प्वाइंट हासिल किए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।